

प्रशिक्षार से प्रकाशित PURLISHED BY AUTHORITY

चं॰ 47] नह विस्था, सन्वार, भवस्वर 22, 1997 (अग्रहार्ग 1, 1918) No. 47| NEW DELHI, SAFURDAY, NOVEMBER 22, 1997 (AGRAHAYANA 1, 1919)

इस भाग में भिग्न पृष्ठ लंख्या थी जाती है ज़िलते कि यह दाता तंत्रत्वन के उन ने राहा जा सके। (Separato poglag is given to this best in protest that it way be filed as a separate complication)

## भाग Ⅲ—खन्ड 4 [PART III—SECTION 4]

सिविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आवेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]

[Miscellancous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

-(3513)

भारतीय रिजर्व बैंक
केन्द्रीयं कार्यालय
बैंकिंग परिचालन और विकास विभीग
विद्य व्यापार केन्द्र, त्लेंद्र-1, कफ परेंड, कीलावा
मुम्बर्ध-400005, विनांक 21 अवसूबर 1997

मंबर्भ बैंपिकि व. सं. बीसी. 116/12.01.001/9798—मारतीय रिजर्ब बैंक अधिनयम, 19.24 (1934 का 2)
की धारा 42 की लग धारा (1) के परन्तृक द्वारा गण्स शिल्हां का अयोग कंरते हुए और 19 अकत्वर 1996 की अपनी
अधिमक्षना बैंपियिकि. मं. बीसी. 140/12.01.001/9697 का किथकमण करते हुए भारतीय रिजर्ब बैंक हुम्के द्वारा
यह दिनिद्दिल्ट करेशा वै कि असमिक्त वाणिष्य बैंकों विषया
(अजिय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर) रखा जाने बाला बौसत शारिक्त नकदी निष्य अनुपात नीक उत्ति क्स प्रभावी नारीकों से उनके सामने बलाए गए प्रतिशत अंक होगा:

भावी सारीख (अर्थात् पत्रवाडा भारम्भ होने की सारीख)	शृब्ध मांग और मीयाकी दोमलाक्षी पर प्रा.स. निः अनुपार
	(प्रतिशत)
25 असत्बर 1997	9.75
22 नवस्वर 1997	9.50
20 दिसम्बर 1997	9 25
17 जनवरी 1998	9.00
14 फरबरी 1998	8.75
28 फरवरी 1998	8 · 50
14 मार्च 1998	8 · 25
28 मार्च 1998	8 · 00
	क्य ग्रेस्ट्रिस

एस. गुरुमास कार्यपालक निदेशक

,		य चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान		1	2	3	4
8	क्लकत्ता⊶70	0071, दिनांक 13 अक्तूबर 19	97			<del></del>	1-4-97
		(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)		8.	53732	श्री मेहता सुरेन्द्रा कुमार,	1-4-57
	स॰ ३ई० र्स	रे॰ ए॰ (8)/1/97-98	चार्टं के प्राप्त			एक सी ० ए०,	
_		। 1988 के विनियम 10(1)				78 ए, मोतीलाल नेष्ट्रराङ्ग,	
		एतद्द्वारा यह सूचित किया	, ,			कलकता - 700029	
		स्यों को जारी किये गये प्रैक्टिस		9.	53874	श्री कोठारी सुधीर कुमार	7-4-97
		गई तिथियों से रह कर दिए ग				ए० सी० ए०,	
		प्रमाण-पत्र को एखने के इच्छक				10 1, देशर स्ट्रीट,	
	— <del>——</del>					कलकता-700019	
<b>স</b> •০	सदस्यता	नाम एवं पता	दिनांक	1.0	54061	श्री गोयल राज कुमार,	31-3-97
सं०	संख्या			10.	54001	एक सी ए ए	<b>01</b> 0 0.
		والمرابعة المرابعة والمرابعة والمرابعة والمرابعة والمرابعة والمرابعة والمرابعة والمرابعة والمرابعة	-			टाटा जाम्बिया लि॰,	
1	2	3	<b>.4</b>				
		پاکستان میں اسال میں اسوار میزامین چار انسوار میں اسال	زاسة يسد سم مين القياميرانيس			पी० ओ० बोक्स 30074,	
1.	10158	श्री डे० अरधित्वा,	1-4-97			तुसाका, जाम्बियाः	
		एफ० सी० ए०,	•	11.	54536	श्री मोहता राजेश कुमार,	1-4-97
		10 यूए मनी टामसी,				ए० सी० ए०,	
		31 /41, बिनोवा भावे रोड़,				12डी, राम चन्द्रा मोइला ले	₹,
		कलकता-700038.				कलकत्म-700005	
2.	12900	श्री भूरत पूनम चन्द्र,	1-4-97				
	•	एफ० सी० ए०,		12.	54648	श्री अग्रवाल बिनय कुमार,	10-5-97
		140, महातमा गांधी रोड़,				एफ० सी० ए०,	
		कलकत्ता-700007.				196, लेक टावन, ब्लोक-ए,	
3.	50092	श्रीबजोरिया महेश कुमार,	1-6-97			ग्राउंड फलोर,	
		एफ सी० ए०,				कलकता-700089	
		टावन हाल रोड़,					
	.•	कटक-753009.		13.	55780	श्री चट्टर्जी रिबन्द्रा माइकल,	1-4-97
4.	51097	श्री चौधरी बिमल कान्ती,	18-9-97			्ए० सी॰ ए०,	
	1	एफ० सी० ए०,				7, अहीरीपुर रोड़,	
	-	41बी र्5, गरियाहाट रोड़,				कलकता-700019.	
		(माउथ),					14-7-97
		कल्मसा700031.		14.	55945	श्री बसु तरूण,	14-7-57
5.	51283	श्री वास गौतम,	7-7-97			ए० सी० ए०,	
		ए० सी० ए०,	•	•		एग्राइंबेस्ट मिनिस्ट्री आफ	
-		12, बल्लीगंज टैरेस,				एग्रीकल्चर, रूम 15,	
		कलकसा-700029.				रिपब्लिक स्वजेयर,	
6.	52625	श्री सिंह इन्दर मोहन,	2-6-97			अलमती-4800,	
•		एफ सी० ए०,	2 0 0,			क्रजाकीस्तानः	
		700,बी०एल०वी०डी० ईस्ट,				N. N.A. —— =====	1-4-97
		<ol> <li>तीहाबकेन एनजे 07085</li> </ol>	7.	15.	55974	श्री मोदी राज कुमार,	(-4 J.
		यू० एस० ए०.	•			ए०सी ०ए०,	
_		-				केयर आफ भारत फूड	
7.	53335	•	28-6-97			प्रोडकट्स एण्ड बिस भाई	
		एफ० सी० एँ०,	-			पुरशोत्तम द्रास एण्ड कं०	
		34ए, मेटकाफ स्ट्रीट,				मिल्डिंग, 1 फ्लीर,	
		स्यूट 4एफ, 4 फलोर,				स्टेमन रोड़,	
		कलकता-700013				रायपुर-492001.	

प्रशोक हल्बिया,

सचिव

1	2	3-	4
16.	56166	श्री तिवारी गौतम, ए० सी० ए०, वेंकटेश अपार्टमैट्स, फलैट नं० 005, 115, दिखनदारी रोड, कलकत्ता-700048	1-4-97
17.	56237	श्री पनपालिया नवीन, ए० सी० ए०, केयर ऑफ श्री एन० एस० पनपालिया, सी-34, मंबिर साइड, डिस्ट 24 परगनास (साऊब), बिरलापुर-743318	4-8-97
18.	56248	श्री अग्रवाल मनोज , ए० मी० ए०, २ प्रिसेप स्ट्रीट, 1 फलोर, स्युट नं० 5, कलकत्ता-700072	1-7 - 97
19.	57277	श्री वसु सुधेन्दु कुमार, ए० सी० ए०, 3, छकु खनसामा लेन, कलकता–700009.	1-8-97
20.	57592	श्री जैन श्रालोक कुमार, ए० सी० ए०, पी 203 <b>डी,</b> लेक टा <b>ड</b> न, ज्लाक बी, कलकत्ता—700089.	1-4-97
<b>.</b> 21.	57962	मिस मेहता डिम्पल, ए० सी० ए०, पदमानीर, फर्लट 503, 43, सरत बोष रोड़ भवानीपोर, कलकता-700020.	1-4-97
22	58068	श्री षट्टोपाध्याय देवदुलाल, ए० सी० ए०, पत्सुमा स्टेशन रोड, पी० ग्रो० पत्सुमा, हुगली712149	27-7-97
23.	58105		3-6-95 रामी,

1	Z		<b>4</b> .
24.	58247	श्री जैन मानन्य कुमार,	8-5-97
	•	ए० सी० ए०,	
	•	153/1, जैस्सर रोड़,	
		- <b>बैशासी एण्ड श्रवन्ती</b> श्रुपार्टर	मेंट्स,
		फ्लैट एच०, 2 फलोर,	•
		कलकत्ता−700074	
25.	58277	श्री ग्रग्रवाल वितोद,	28-5-97
		ए० सी० ए०,	•
-		2.9ए, नकुलेश्वर भट्टाचा	रजी लेम,
•	•	कलकता700026.	
	<u>-</u>	<u> </u>	
			- <del>-</del>

#### भागेंचारी राज्य बी गानिगम

### नई दिल्ली, दिनांक 20 प्रश्वर 1997

सं० : एन०-15 13 11 2 95-पो० एवं ति० (2)--क नेवारी राज्य बोना (सामान्य नितान-1950 हे विभिन्न 95-क के साथ पिंडा क नेवारो राज्य बोना (सामान्य नितान-1950 हे विभिन्न 95-क के साथ पिंडा क नेवारो राज्य बोरा ) अधिनियम 1948 (1948 का 34) को बाए-45 (2) द्वारा प्रवन शक्तियों के प्रदुवरण में नुर्विताह है। नवस्थर 1997 ऐसी तारीख के रूप में निविधान हो है जिससे उक्त विनिधन 95-क निवान के कि हो है। एस श्रीमा नियम 1995 में निविधान किये हैं। एस सिवान के सिवान के सिवान हो है। एस सिवान में निम्नलिखन क्षेत्रों में बोन कि एस सिवान है। एस परिवारों पर सामू किये जायें हैं।

#### मर्पात:

<b>零∘</b> सं∘	राजस्य ग्राम का नाम	हत्रवस्त सं <b>य</b> ्या	জিলা
1.	मौली .	105	करूरथला
2.	जमालपुर	106	करूरयला
3.	महतान	. 89	करूरथला
4.	सपरोर	. 86	कपूर <b>थला</b>

एत० के० पटनायक, संयुक्त निदेश ह (यो ० पुर्व वि०)

## अम मलालय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

केन्द्रीय कार्यालय

नई दिल्ली-110066 दिनांक 8 अक्तूबर 1997

सं० 2/1959/ही० एल० आई०/एक्जम/89/भाग-1-- 2423-जहां मैसेंम, नागराजूना फर्टीलाइजर एण्ड कैमिकल्स लि० नागराजूना हिल्स हैवराबाद-500082 ए० पी०/ 4573 न

कर्म चारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 की धारा 17) की उपधारा 2 (ख) के अन्तर्गत छूट के लिए अविदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है )।

भूमि मैं, , केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से सन्तुष्ट हूं कि उनत स्थापना के कर्मधारी कोई अलग अंग्रवान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मधारियों के लिए कर्मधारी निकेष सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम फहा गया है)।

अत उक्त अधिनियम की घारा 17 की उपधारा 2(ख) द्वारा प्रवत्त मिनतयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ छंलग्न अनुसूचों में उल्लिखित मती के अनुसार मैं के भा मिन आव उल्लिखत पाउली के अनुसार मैं के भा मिन आव उल्लिखत पाउली तारीख से प्रभावी। जसातिथ से उक्त स्थापना का क्षेद्रीय भावध्य निधि आपुक्त, हदराबाद न स्काम की घारा 28 (7) के अन्तर्गत छील अदान की है, 3 वर्ष की अवाध के लिए उक्त स्काम से संवालन की छूट दता है। दिनाक 1-3-94 से 28-2-97 सक।

## अनुसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियंजक (जिसे इसके परचात् नियंजिया कहें। गया हैं। स्थायत क्षेत्राय कायान नियंजित, का एसा विवर्णाया मजना आर एसा लखा-जाखा रखना सथा निराक्षण के लिए एसा सुविधाए प्रवान करना जो कन्द्राय भविष्य । निर्धि आयुक्त समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. निशंजक एस निराक्षण प्रभारा का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 विन क भातर सवाय करना जो कल्द्राय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 का उपधारा (2-क) के खड के अधीन सम्य-समय पर निवास कर।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत स्थाओं का रखा जाना, विवरणियों को प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रामियम का सदाव लेखाओं का अंतरण निराक्षण प्रभारों का सदाय आवि भी हैं हाने वाले सभी व्ययों का बहुन निरीजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. निथंजिक, कोन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमीदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रीत और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रीत तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या भी भाषा में उसकी मूख्य बातों का अनुवाद स्थापना को सुचना पट्ट पर प्रविशत करगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जी भविष्य निधि या उक्त मिलिनयम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य हैं, उसकी स्थापना में नियंजित किया जासा हैं तो नियंजिक साम्हिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भार-तीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध साभ बढ़ाय जात है तो नियोजक साम्माहक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध साभों में सामृहिक रूप से बृद्धि किए जाने को व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपबंध लाभों से अधिक अनुकृत हों जो उक्त स्कीम के आधीन अनुकाय है ।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बाल के होते हुए भी यदि किसी अभेचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेग राशि उस राशि से कम है जो कमंचारी को उस दशा में सदय होता जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कमंचारों के विविध विरस/नाम निवेशियों को प्रतिकार के रूप में दोना राशियों के बराबर राशि का संदाय करगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपवन्थां में काई भी संशोधन संबोधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमंदन के बिना नहीं किया आएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमादन दोने के पूर्व कर्मचारियों का अपना द्विष्टकीण स्पष्ट करने का युक्तिस्यक्त अवसर बंगा ।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय श्रीवन बीमा निगम की उस साम्हिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाने सा रख़ की जा सकती है ।
- 10 यदि किसी कारणवेश उस नियस **तारीय के** भीतर जीवन दीमा निगम नियत कर<sup>1</sup>, प्रीमियम का सवाय करने में असफल रहता है और गोलिसी को व्ययगत होने दिया जाता है तो छुट रद्द की जा सकती हैं।
- 11. नियाजक ब्वारा प्रीमियम के संवाय में किए एमं किसी व्यक्तिका की वहा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधालों या विविध वारिसों को यदि यह छाट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभी के संदाय का उत्तरदायिस्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियंत्रक इस स्कीम के अधीन आने बाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उस हकदार नाम निविधिति विधिय वारिसी की वीमानृत राशि संवाय सत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निवम से बीमा-कृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करगा।

वी. से. मरमाह्य क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (मृ.)

## भारतीय यूनिट दस्ट

## मुम्बई, विनांक 23 अक्तूबर 1997

सं पूटी शित्री एम एसपी डी-7 आरं आर-97-98-भारतीय पूनिट इस्ट, अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 19 (1) (8) (सी) के अन्तर्गत बनाए गए मासिक आय प्लान 1997 (4) का पेशकश दस्ताक्षेज, जो कथित अधिनियम की धारा 21 के अन्तर्गत बनाई गई मासिक बाब योजना 1997 (4) के सम्बन्ध में है और जिसे 9 जुलाई, 1997 को हुई

कार्यकारिणी समिति की बैटक में अनुमोदिस किया गयः असके नीचे प्रकाणित किया जाता है।

> ए० जी ० जोशी महाप्रत्वेधकं -व्यवसाय विकास एवं विषणन

# भारतीय यूनिट ट्रस्ट मासिक आय प्लान 1997 (IV) पेणकण (औंफर) दस्तावेज

पेशकश 16 सितम्बर, 1997 से 25 अक्तूबर, 1997 तक खुली है।

मासिक आय प्लान 1997 (4) भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) की धारा 19 (1) (8) (सी) के अन्तर्गत बनाया गया है जो कथित अधिनियम की धारा 21 के अन्तर्गत यूटीआई के न्यासी मण्डल हारा बनाई गई यूनिट योजना, मासिक आयोजना 1997 (IV) के सम्बन्ध में है।

● जान के विवरण भारतीय प्रतिभूति और विनियम बीर्ड (म्यूचुअल फण्ड) विनियम, 1996 के अनुसार तैयार किए गए हैं और जन साधारण के अभिवान हेतु पेश किए गए यूनिट सेबी द्वारा न तो अनुमोदित अथवा अनुमोदित किए गए हैं न ही सेबी ने पशकश दस्तावेज की यथार्थता अथवा पर्याप्तता को ही प्रमाणित करता है।

## <sup>।</sup> प्लान का उद्देण्य

●पह एक आयोन्मुख प्लान है। प्लान का उद्देश्य या तो मासिक आधार पर नियमित आय प्रवान कर अथवा 5 वर्षों की अविधि के दौरान निवेश की संवृद्धि को उपलब्ध करा कर निवेशकों की आवश्यकताओं को पूरा करना है।

#### विधिष्टताएँ

- मह्मांच वर्ष का नियत कालिक प्लान है।
- ●निशासी और अनिवासी वयस्त व्यक्तियों| मानसिक रूप से विकलांग व्यक्तियों|जवयस्कों|हिन्दू अविभक्त परिवारों|ग्यासों | समितियों|पंजी हत सहकारी समितियों|कम्पनियों एवं सैंकों सहित निगमित निकायों (वोसीकी) | सेना| नौसेना|वायुसेना|पैरा मिलिट्री निधियों|भागीवारी फर्म के लिए खुला है।
- ●ट्रस्ट प्लान के सभी पांच वर्षों के लिए 12.5 प्रतिशत प्र० व० की वर से आश्वासित आय (प्राप्ति 13.24%) का भुगतान करेगा। आय का भुगतान उत्तर दिनांकित मासिक वारंटों के माध्यम से किया जाएगा। प्लान के उपार्जन पर निर्भर करते हुए अतिरिक्त आय का भुगतान परिपक्वता र किया जा सकता है।

- ●मासिक आय विकल्प के अन्तर्गत मार्च 1998 तक की अवधि के लिए आय वारंट, सबस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्न को साथ भोजा जाएगा । तदुपरांत आय वारंट प्रत्येक अप्रैल—मार्च अवधि के लिए अग्निम रूप से भोजे जाएंगे। यूनिटों पर पूरे वर्ष के लिए आय वितरण प्राप्त करने के लिए निवेणक को उन्हें पूरे वर्ष धारण करना होगा ।
- ●संचयी विकल्प के अन्तर्गत ६० 10,000 परिपक्यसा पर कम से कम ६० 18,622 हो जाएंगे (प्राप्ति 13.24 प्रतिशत) तथापि, वर्ष में ४० 10,000 से अधिक आय पर, आयकर अधिनिमय, 1961 के अनुसार स्क्रील पर कर काटा जाएंगा।
- ●योनों विकल्पों के अन्तर्गत पुनर्खरीद की अनुमति 1 नवस्बर, 2000 से एनएवी आधारित पुनर्खरीच मूल्यपर होगी।
- ●अभिदान के अन्द होने के छः माह के भीतर योजना को एनएसई के योक ऋण खण्ड पर सूचीबद्ध कराया जाएगा।
- ●यह गारंटी थी जाती है कि योजना में निवेष पूंजी परिपक्तता पर सुरक्षित रहेगी अर्थात् यूनिटें सममूख्य से मीचे विमोचित नहीं की जाएंगी । समयपूर्व पुनर्खरीद के लिए ऐसी कोई गारंटी नहीं है तथा ऐसे मामलों में पुनर्खरीद मूख्य . प्रचलित शुद्ध आस्ति मूख्य के अनुसार होगी ।
- ●ित्रेस का एक धान इक्तिट्यों में होने से पूंजी युद्धि की सम्भावना है।
- ●आय और पुनर्खरीद प्रतिदान प्राप्तिया एनआरआई तथा ओसीजी के लिए पूर्णतया प्रत्यावर्तनीय हैं जहां निवेश विदेशों में विप्रेषण के माध्यम से या एनआरई खाते को नामे करके अथवा एफसीएनआर जमाओं की राशि से केक/पापट जारी करके दिया जाता हैं।
- ●िवतरित आय और पूंजी वृद्धि से पूंजीगत अभिसाभ पर आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 एल एवं धारा 48 तथा 112 के अन्तर्गत करसाभ।
- ●आयकर अधिनियम 1961 की धारा 54ईए के अन्तर्गत पूंजीगत अभिलाभ कर से छूट, बगर्ते अवकदा अवधि स्वीकृति तिथि से तीन वर्ष की हो।

निवेशकों का ध्यान आय वितरण, पुनर्खरीय और सूची-बदता की विशिष्टताओं की तरफ विशेष कप से आकर्षित किया जाता है जिन्हें उपयुंकत पराग्राफ में मोटे अक्षरों में वर्शाया गया है।

### जोखिम के तस्ब

●समयपूर्व पुनर्खरीत का कोई आश्वासन नहीं है तथा ऐसे मामलों में पुनर्खरीत मूल्य शुद्ध आस्ति मूल्यपर निर्भर होगा। ●प्लान के यूनिटों में निवेशों पर बाजार का जीखिम होता है और प्लान के शुद्ध आस्ति मूस्य (एनएकी) का उत्पर या नीचे जाना बाजार की शाक्तियों का प्लान के पोर्टफोलियो परप्रभाव के उत्पर निर्भर करता है।

●पूर्व योजनाओं/प्लानों का कार्यनिष्पादन आवश्यक रूप से भावी परिणामों का द्योतक नहीं है।

●मासिक आय प्लान' 1997 (4) केवल प्लान का नाम है और यह किसी भी प्रकार से प्लान की गुणवत्ता का संकेत नहीं देता है। निवेशकों से आग्रह किया जाता है कि इस प्लान में निवेश करने से पहले वे पेशकश की शतों का साबधानी— पूर्वक अध्ययन कर लें।

### प्रजन्धन के विचार से जोखिम के सत्व

● ट्रस्ट 32 वर्ष से अधिक समय से कार्यरत है और इसने 5 करोड़ से अधिक निवेशकों से लगभग 58,000/- करोड़ रुपए की निधियों के प्रबन्धन में निपुणता हासिल की है। ट्रस्ट द्वारा अब तक आरम्भ किए दुए छत्तीस मासिक आय प्लानों का कार्यनिष्पादन पृष्ठ संख्या 41 से 43 में वी गई तालिका में दर्शीया गया है।

## यूटीआई की स्थापना

यूटीआई अधिनियम, 1963 के अन्तर्गत भारतीय यूनिट ट्रस्ट की स्थापना की गई थी जिसका उद्देश्य बचन एवं निवेश को प्रोत्साहन देने तथा प्रतिभूतियों के अर्जन, धारण, प्रवन्धन, और निपटान से ट्रस्ट को प्रोद्भूत होने वाली आय, लाभों और अभिलाभों में सहभागिता थी। इसने 1 जुलाई, 1964 से कार्य करना आरम्भ किया।

## यूटीआई का प्रबन्धन

द्रस्ट के कार्यों एवं व्यवसाय का प्रवस्थन न्यासी मण्डल में निहित है, जिसका भारत सरकार द्वारा नियुक्त एक पूर्ण-कालिक अध्यक्ष होता है ।

मण्डल के अलावा, एक सांविधिक कार्यकारिणी समिति हो है जिसमें अध्यक्ष, कार्यपालक न्यासी तथा भारतीय औद्यो-गिक विकास बैंक द्वारा नामित दो अन्य ग्यासी होते हैं। यह सिमिति मण्डल की कार्यक्षमता के अन्तर्गत आने वाली किसी भी मामले पर कार्य करने के लिए सक्षम है।

## म्यासी मण्डल सर्वश्री

1. जी०पी० गुप्ता

अध्यक्ष, भारतीय यूनिट दूस्ट

का०पी० जे० नायक

कार्यपालक न्यासी, भारतीय यूनिट ट्रस्ट

<ol> <li>आर्० बी० गुप्ता</li> </ol>	उप गवर्नर, भारतीय रिजर्व वैंक
4. एस० एच० खान	अध्यक्ष, भारतीय औद्योगिक विकास वैंक
5. एन०एस० सेखसरिया	प्रयन्ध निदेशक, गुजरात अंजूबा सिमेंट्स लि०
6. पी <b>० आर० खन्ना</b>	सनदी लेखाकार
7. जी० क्रुष्ण मूर्ति	वर्तमान प्रभारी एवं प्रबन्धन निदेशक, भारतीय जीवन बीमा निराम
8. एम० एस० वर्मा	अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक
9. एन्० बाधुल	अध्यक्ष, आईसीआईसीआई लि०
10. रशीद जिलानी	अध्यक्ष एवं प्रवन्धः निदेशकः, पंजावः नेशनलः वैक

मासिक आय योजना 1997 (IV) का ब्यौरा [एम० आई० एस०, 97 (IV)]

- संक्षिप्त शीर्षक और योजना का आरम्भ :
- (1) वह योजना मासिक आय योजना 1997 (IV) [एमआईएस '97 (IV)] कही जाएगी।
- (2) यह योजना पांच वर्षों के लिए अर्थात् 1 नवम्बर, 1997 से 31 अक्तूबर 2002 तक के लिए होगी।
- (3) यूनिटों की बिकी 16 सितम्बर, 1997 से 25 अक्तूबर, 1997 तक 40 दिनों के लिए होगी, बशर्ते यूनिट द्रस्ट के न्यासी मण्डल की कार्यकारिणी समिति/अध्यक्ष किसी भी समय युद्ध या युद्ध जैसी परिस्थितिया उत्पन्न होने पर, स्टाक एक्सचैंजों में व्यवसाय न होने पर या अन्य सामाजिक आर्थिक कारणों से अखबारों में 7 दिनों की नोटिस देने के बाद या ऐसी पद्धति से जैसा द्रस्ट द्वारा निश्चय किया जाए, योजना के अन्तर्गत यूनिटों की विकी स्थिगित कर सकते हैं।

### Ц. परिभाषाएं,

इस योजना और इसके अन्तर्गत बने प्लान में जब तक सम्बर्भ में अन्यया अपेक्षित न हो——

- (क) "स्त्रीकृति तिथि" का अर्थ दूस्ट द्वारा यूनिटों की बिकी या पुनर्खरीद के लिए किसी आवेदक द्वारा दूस्ट को प्रेषित आवेदन पल-के सन्दर्भ में वह तिथि है जब दूस्ट सन्तुष्ट होकर समझता है कि आवेदन सही है और उसे स्वीकार करता है,
- (ख) ''अक्षिनियम'' का तात्पर्य भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) से हैं ;
- (ग) "वैकल्पिक आवेदक" का अर्थ नाथालिक के मामले में माता-पिता के अलावा उस माता-पिता से है जिहोंने नाथालिंग की ओर से आवेदन किया हो।

- (म) "आवेदक" का अर्थ है वह ब्यक्ति जो योजना और उसके अन्तर्गत बनाए गए प्लाम में शामिल होने के लिए पान्न होगा, जो अवयस्क नहीं होगा और आवेदन पन्न में उस्लिखित वैकल्पिक आवेदक सहित जब मानसिक, विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए यूनिटों की बिन्नी की गई हो और प्लाम ये खण्ड III के अन्तर्गत आवेदन करताहो।
- (इ) "पात्न संस्था" का अर्थ भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली 1964 में यथापरिभाषित कोई पान्न ट्रस्ट है।
- (च) "फर्म" "भागीदार" और "भागीदारी" के अर्थ भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9) में दिए गए अर्थ हैं, परन्तु अभिव्यक्त भागीदार में कोई भी व्यक्ति सम्मिलित हो सकता है, जो नाबालिक हो और जिसे भागीदारी के लाभ प्राप्त करने के लिए शामिल किया गया हो।
- (छ) "सूचीबद्धता" का अर्थ एनएसई के थोक ऋण खण्ड पर व्यवसाय करने के लिए प्रयोजन से यूनिटों का सूचीबद्ध किया जाना है।
- (ज) योजना और उसके अन्तर्गत बने प्लाम में "सदस्य" के रूप में प्रयुक्त अधिव्यक्ति का अर्थ और इसमें शामिल उस आवेदक मे हैं, जिसे इस योजना में यूनिट आबंटित किए गए हों।
- (झ) 'मानसिक विकलांग व्यक्ति'' का अर्थ वह व्यक्ति, जो ऐसी मानसिक अक्षमता से ग्रस्त हो, जो उसे जीवन के सामान्य कार्य करने से विवत रखती हो।
- (ञ्च) "अनिवासी भारतीय (एन० आर० आई०)" का तात्पर्य भारतीय राष्ट्रीयसा/मूल के अनिवासियीं से हैं। जैसा कि मूलतः अधिनियमित भारत भारत अधिनियम, 1935 में परिभाषित हैं, किसी भी व्यक्ति को "भारतीय मूल का व्यक्ति" मान जाएगा यदि वह या उनके माता पिता या पितामह-पितामही में से कोई भी, श्रेणी अथवा पुर्वज के रूप में कितना ही बड़ा क्यों न हो, चाहे पितृपक्ष या मातृपक्ष से हो, भारत में जम्मा हो/जन्मी हो।
- (ट) "जारी समझ जाने वाले यूनिटों की संख्या" का अर्थ वेंचे गये और बकाया यूनिटों की कुल संख्या है।
- (ठ) "विदेशी निगमित निकाय" (ओ सी बी) के अन्तर्गत विदेशी कम्पनियां, भागीदारी फमं, समितियों और अभ्य निगमित निकाय जिनका कम से कम 60% तक की सीमा का स्वामित्व प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत के बाहर रहने वाले भारतीय राष्ट्रीयता अथवा मल के व्यक्तियों का को तथा

- विदेशी ट्रस्ट जिनमें कम से कम 6.0% लामप्रद हित अप्रतिसंहरणीय रूप से ऐसे व्यक्तियों द्वारा धारित हो, शामिल है।
- (क) "अयिकत" में अपर यद्यापरिभाषित पात्र संस्था शामिल है।
- (ख) "रजिस्ट्रार" का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जिसकी मेवायें ट्रस्ट द्वारा योजना के अन्तर्गत समय-समय पर 'रजिस्ट्रार के रूप में कार्य करने के लिये ली जा सकें।
  - (ण) "विनियमावली" का अर्थ अधिनियम की धारा 43(1) के अस्तर्गत बनी भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली 1964 है।
  - (त) "सेबी" का अर्थ है भारतीय प्रतिभूति और एक्स-चेंज बोर्ड अधिनियम 1992 (1992 का 15) के अन्तर्गत बनाया गया भारतीय प्रतिभूति और एक्सचेंज बोर्ड।
  - (थ) "समिति" का अर्थ समिति पंजीकरण अधिनियम 1860 के अन्तर्गत स्थापित समिति या फिलहाल प्रवृत्त राज्य या केन्द्रीय विधि के अन्तर्गत स्थापित अस्य कोई समिति है।
  - (व) "ट्रेडिंग" का तासर्य यूनिटों के पहले आवंटन बाद राष्ट्रीय शेयर बाजार (एन एस ई) के भोक ऋण खण्ड के जरिये यूनिटों के खरीद अथवा विकी में व्यवहार से है।
  - (ध) "यूनिट" का अर्थ यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभक्त ग्रेयर है।
  - (म) "यूनिट पूजी" का तात्पर्य फिलहाल यूनिट योजना के अन्तर्गत निर्मत और गोष यूनिटों के अंकित मूल्य के योग से है।
  - (प) "यूनिट ट्रस्ट" या "ट्रस्ट" का तात्पर्य अधिनियम की धारा 3 के अन्तर्गत स्थापित भारतीय यूनिट ट्रस्ट से हैं।
  - (फ) इसमें अपरिभाषित लेकिन अधिनियम/विनियमावली में परिभाषित अन्य सभी अभिव्यक्तियों के वही अर्थ होंगे, जो अधिनियम/विनियमावली में विये गये हैं।
  - (ब) एक वचन वाले शब्दों में बहुवचन शामिल हैं और सभी पुल्लिंग सन्वर्भों में स्त्रीलिंग तथा एक में दूसरे के विपर्यय शामिल हैं। इस योजना के अन्य उपबन्ध पुष्ठ सं० 24 से पुष्ठ सं० 33 में दिये गये हैं।

मासिक आय योजना 1997 (IV) [एम० आई० एस० '97,(IV)] के अन्तर्गत बनाये गये मासिक आय प्लान 1997 (IV) [एम० आई० एस०' 97 (IV)] के अपीरे यहां नीचे किये जाते हैं

#### 1. परिभाषाएं :

शब्द जो प्लान में परिभाषित नहीं किये गये हैं तथा योजना और अधिनियम/विनियमों में परिभाषित किये गये हैं उनके अपने-अपने अर्थ योजना/अधिनियम/विनियमों में दिये गये अर्थ हैं।

II. प्रत्येक यूनिट का अंकित मूरूयः इस योजना के अन्तर्गत जारी किये गये प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य वस रुपये होगा।

## III. यूनिटों के लिए दावेदन:

(1) यूनिटों के लिए आवेदन निवासियों और अनिवासियों द्वारा भी किये जा सकते हैं।

#### निवासी

- (क) व्यक्ति, एकल या अन्य व्यक्ति के साथ या दो व्यक्तियों तक सयुक्त ।
- (र्ख) नावालिंग निवासी की ओर से माता-पिता, सौतेले माता-पिता या अन्य विधिक अभिभावक बालिंग और नावालिंग संयुक्त रूप से आवेदन नहीं कर सकते हैं।
- (ग) योजना में यथापरिभाषित पान्न संस्था, जिसमें अप्रतिसंहरणीय और लिखत द्वारा निर्मित निजी न्यास शामिल है।
- (घ) मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिये कोई व्यक्ति।
- (क) योजना में यथा परिभाषित कोई समिति।
- (च) पंजीकृत सहकारी समिति।
- (छ) कम्पनी अधिनियम 1956 के अन्तर्गत निर्मित कम्पनी सहित अन्य निर्मात निकाय एवं वैक ।
- (ज) हिन्दू अविभक्त परिवार।
- (झ) सेना/मौसेना/बायु सेना/पैरामिलिट्री निधियां।
- (व्य) भागीवारी फर्म ।

## अमिवासी द्वारा पुणं तथा प्रत्यावर्तनीय आधार पर:

- (क) अनिवासी यथस्क व्यक्ति या तो एकल या अभ्य, व्यक्ति के साथ यादो व्यक्तियों तक संयुक्त। \*
  - (ख) नावालिंग अनिवासी की ओर से पिता-माता/ सौतेले माता पिता/विधिक अभिभावक।
  - (ग) अनिवासी हिन्दू अविभक्त परिवार।
- (घ) अनिवासी कम्पनी/विदेशी निगमित निकाय जिनमें अनिवासी भारतीयों का स्वत्वाधिकार कम से कम 60% तक हो।
- (2) भागीदारी फर्म द्वारा आवेदन, फर्म के अनिधिक 4 सदस्यों द्वारा किया जाना चाहिये तथा दूस्ट सभी

क्यावहारिक उद्देश्यों के लिये प्रयम तामिन सवस्य को ही सबस्य के रूप में मान्यता देगा।

(3) आवेदन ट्रस्ट के अध्यक्ष/कार्यपालक न्यासी द्वारा अनुमोदित फार्म में किये जायेंगे।

## IV. न्यूमलम निपेश राशि:

ंदोनों विकल्पों-मासिक और संचयी, के अन्तर्गत आवेदन न्यूनतम रू० 10,000/→ के लिये किया जाना चाहिये। कोई अधिकतम सीमा नहीं होगी। यदि निवेश रू० 10/→ के गुणकों में नहीं है तो यूनिटों का आवंटन भिम्नांक में वशमलव के बाद तीन अंकों तक किया जायेगा। रू० 50,000/→'और उससे अधिक निवेश के मामले में, निवेशक को सलाह दी जाती है कि यदि उसका आयकर पो० ए० एन० नो० आई० आर० संख्या है तो वह उसे तथा उंबंधित आयकर सर्किन के पने का उस्लेख करें।

### V. एकक्ष की जाने बाली न्यूनतम लक्ष्य राशि

योजना के अन्तर्गत एकज की जाने वाली लक्ष्य राशि 100 करोड़ रुपए होगी। अत्यभिष्याम, यदि कोई हो, तो उसे ट्रस्ट द्वारा रखा जाएगा।

यदि 100 करोड़ रुपये की लक्ष्य राशि का अभिदान में हो, तो योजना के अन्तर्गत एकन्न की गई सम्पूर्ण राशि को यूनिटों की विक्री बन्द होने की तिथि से छः सप्ताह के भीतर दूस्ट द्वारा खाते में देग चेक / प्रत्यर्णण आवेश द्वारा धन वापस किया जायगा।

जनत अनुभद्ध अवधि के भीतर राशि वापस न करने की स्थिति में किको बन्द होने को तिथि से छः सन्ताहों की समाण्ति पर द्रस्ट आवेदक को 15% प्रति वर्ष को दर से ज्याज का भुगतान करने का जिम्मेदार होगा।

#### VI खर्जीपर सीमा

योजना के अंतर्गत एकत्र निश्चिका निर्मम पूर्व व्यव 6% से अधिक नहीं होगा। योजना के प्रारम्भिक निर्मम खर्चीका अनुमान निम्नानुसार है:

•यय •——————————————————————————————————	%
मृद्रण और डाक	1.50
प्र <del>चा</del> र और मार्केटिंग	1.75
एजेंटों को कमी गन	1.50
रजिस्ट्रारों का प्रभार	0.60
वैक प्रमार	0.25
स्टाम्य गुरुक और अभिरक्षा मुल्क	0.50
योग ४	6.00

इस प्रकार किसी निवेशक द्वारा निवेश किये गये प्रत्येक इस्यये, में से कम से कम 94 पैसे का इस योजना में निवेश किया जाएगा।

आरम्भिक निर्मम व्ययों के अतिरिक्त आवर्ती आधार पर योजना का निम्नलिखित व्यय होगा । अनुमानित अवर्ती व्यय निम्नानुसार है:

ष्यंय	<del></del> %
प्रशासनिक व्यय	0.90
अभिन्दक्षण शुल्म	0.50
विकास प्रारक्षित निधि	0.25
कर्मचारी कल्याण न्यास	0.10
रिजस्ट्रारों के लिये गुल्क	0.50
योग	225

उपरोक्त व्यय अनुमानित है और वास्तविक रूप से किये गये व्ययों के साथ परिवर्तित किये जाने के अधीन हैं। फिर भी, पेबी (म्युवुअत फण्ड) विनियम, 1996 के अनुसार कुल आरम्भिक निर्णम व्ययों के रूप में कुल व्यय एक प्रतिशिक्त कि 6% की सीमा के भीतर होंगे।

योजना का कुल वार्षिक आवर्ती व्यय, आरम्भिक निर्मम व्ययों एवं प्रतिदान व्ययों को छोड़कर परन्त प्रशासनिक प्रयों विकास प्रारक्षित निश्चित्रीर कर्मचारी कल्याण न्यास में अंग-दान की सम्मिलित करते हुए निम्नलिखित सीमा के अधीन होंगे:

- (i) प्रथम 100 करोड़ रूपये की औसत मासिक सुद्ध आस्त्रियों पर 2:25%
- (ii) अगर्ते 300 करोड़ रूप्ये को औसत मासिक गुद्ध आस्तियों पर \_\_\_\_ 2.00%
- (iii) अगले 300 करोड़ रूपमें की श्रीसत / मासिक शुद्ध आस्तियों पर 1.75%
- (iv) आस्तियों के शेष पर 1.50%

प्रशासनिक व्यय, विकास प्रारक्षित निधि में अंगर्दान एवं कर चारी करूपण न्यास में अंगर्दान, सेग्रो, (एम > एफ ०) विनियम, 1996 के बिनियम 52 के खण्ड 2 के अस्तर्गत जिल्लिखत सीमा से अधिक नहीं होंगे। सेग्री (म्युब्अल फण्ड) अधिनियम, 1996 के अनुसार, यू० टी० आई० निवेश प्रवंधन एवं परामर्ग शुल्क पर कोई प्रभार नहीं लेता है। तथापि, यू०टी० आई० ढारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि निर्गम ख्या एवं वार्षिक आवर्ती व्यय सेग्री (म्यूब्अल फण्ड) विनियम 1996 के विनियम 52 के अन्तर्गत दशीं गये सीमा के भीतर ही होंगे।

## VII भुगतान विधि:

(1) (1) किसी आवेदक द्वारा आवेदित यूनिटों के जिए भूगतान आवेदन पत्र के साथ नकर, चैक या झास्ट द्वारा 2—339 GI/97 किया जाएगा। यदि आविदन यू० टी० आई० के माखा कार्यालयों में जमा किये जायें, तो चेक या ड्राफ्ट उसी महर में स्थित वैकों की शाखा परआहरित किये जायें, जिस महर में स्थित शाखा कार्यालय में आवेदन जमा किया जाता है।

लेकिन, अहां आवेदक दूस्ट के माखा कार्यात्र र/संप्रहुग केन्द्राविशेष अधिकृत कार्यालय वाले स्थान से भिन्न स्थान से आवेदन करना चाहे तो आवेदित यूनिटों के लिये आवेदनपत्र के साथ देय बैंक बापट के लिये देयां बैंक प्रभार भारतीय वैंक संघ के दिशानिर्देश के अनुसार वैंक क्रान्ट ट्रस्ट को भेजते हुए ऐसा कर सकता है । संग्रहण केन्द्रों∤विशेष बिकी कार्यालयों को, स्मानीय देय चेक अभवा उन स्थानों में जहां तक योजना विकेन्द्रीकृत है, देय मांग पत्र के साथ जिसमें आवेदक, भारतीय वैक्ःसंघ के दिशानिवेंगों के अनुसार प्रभार कम कर सकता हो, आखेदन स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किया जाता है। उदाहरणार्थ यदि आवेदन राशि ए० 10,000/-है तथा बैंक ड्राफ्ट प्रभार इस राशि के लिये ६० 20 /− है। इस तरह, ड्राक्ट ४० 9,989/— (₩•10,000/-में से रु॰ 20/- घटाकर) के लिये बनवाया जा सकता है। ड्राफ्ट कमीशन प्रभार प्लान के आरम्भिक निर्गम क्ययों का एक अंश होगा।

किन्तु, जहां द्रस्ट का कार्यालय/संग्रहण केन्द्र/विशेष विकी कार्यालय है और आवेदन स्थानिय बैंक क्राक्ट के साथ मिला है तो बैंक क्रास्ट कमीसन निवेशक को ही वहन करना होगा।

(it) यदि भुगतान चेक द्वारा किया जाये तो स्थोकृति . तिचिन, ट्रस्ट के माध्या कार्यात्रथ या प्राध्यकृत संप्रहग केन्द्र द्वाराचैक प्राप्ति की तिथि होगी, यमर्तेचेक की वसूली हो ।

यदि मुगतान ज्राफ्ट द्वारा किया जाये तो स्त्रीकृति तिथि, ऐसे ज्राफ्ट की निर्गम तिथि होगी, बसर्ते ज्राफ्ट की वसूली हो। से किन, अन्येदन दूस्ट के साखा कार्यालय या प्राधिकृत संग्रहण केन्द्र में ड्राफ्ट जारी होने की तिथि से 7 दिनों के भीतर प्राप्त हो जाये। यदि इस प्लान के अन्तर्गत आवेदन राशि स्यूनतम निवेश से कम है, तो जन्पूर्णराशि दूस्ट द्वारा यथोचित रीति से आवेदक को उसके खर्चे पर वापस लीटा वी जायेगी

(iii) प्रत्यावर्तन लाभों के साथ निवेश की विधि :

एन० आरं० आई० निर्मे० सी० बी० द्वारा किये गये निर्वेग पर अत्यावतंन का. अधिकार निर्वेशित पूंजी और उस पर अजित आय तथा प्ंजी वृद्धि (पदि लागू हो) पर तब तक होगा जब तक निर्वेशक भारत के बाहर का निवासी बना रहेगा। इन स्थितियों में निर्वेश निस्नलिखित विधियों में से किसी एक के माठ्यम से किया जा सकता है।

- (क) विदेशी मुद्रा में ड्राफ्ट।
- (ख) विदेशी वैंकों विनियम गृह द्वारा यू० टी० आई के प्रज में चाये में जारी किया गया ड्राफ्ट जो उनके भारतीय संपर्क कही वैंकों पर आहरित हो।

- (ग) भारत स्थित वैक में निवेशक द्वारा कायम रखे गए एन० आर० ई० खाते पर आहरित चेक द्वारा।
- (घ) एफ० सी० एन० आर० जमाओं की राशि से जारी किए गए चेक/कुफ्ट द्वारा ।

इसके अलावा, नेपाल और भूटीन की मुद्राओं में अदा-यगी स्वीकार नहीं की जाती है। यूनिटों में निवेश रुपये में किया जाता है, विदेशी मुद्रा के सभी ड्राफ्टों को उस दर पर रुपये में परिवर्तित किया जाता है जो परिवर्तन के समय प्रचलित हो।

्यदि कोई कमी पड़ती हो, तो उसे एन० आर० आई० निवेशक द्वारा विप्रेषण किया जाएगा ।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए यह सलाह दी आती है कि एन० आर० आई० /ओ० सी० बी० निवेशक उपर्युक्त (ख) और (ग) में उल्लिखित लिखतों के द्वारा अदायगी करें।

## (iv) प्रत्यावर्तन लाभों के विना निवेश विधि :

अहां एन० आर० ओ० खाते में घारित निधियों का उपयोग यूनिटों की खरीद के लिए किया जाता है तो इस प्रकार निवेश की गई निधियां और उन पर अजित आय तथा पूंजी वृद्धि (यदि लागू हो) भारत के बाहर प्रत्यावतंन के लिए योग्य नहीं होगी।

तथापि भा० रि० बैंक के दिनांक 19 अगस्त, 1994 के परिपत ए० छी० (एम० ए० श्रृ खला) सं० 18 के अनु-सार वित्तीय वर्ष 1996-97 के दौरान और उसके उपरांत अजित सम्पूर्ण आय पूर्ण प्रत्यावर्तन के योग्य होंगी।

जबिक इन मामलों में यू०टी० आई० -- एन० आर० ओ० खाते में जमा करने के लिए रुपए में अदायगी करेगा, निवेशकों को यह सूचना दी जाती है कि यदि वे यूनिटों पर आय का प्रेषण प्राप्त करना चाहते हों तो अपने वैंक कर सलाहकार से संपर्क करें।

(2) (क) आवेदन स्वीकृत या अस्वीकृत करने का ट्रस्ट का अधिकार:

ट्रस्ट को यह अधिकार होगा कि वह अपने विवेक के अनुसार योजना और उसके अंतर्गत बने प्लाम में यूनिट जारी करने के लिए अप्रेदन स्वीकृत और/या अस्वीकृत कर सके । ट्रस्ट निम्नलिखित परिस्थितियों में यूनिट जारी करने हेतु आवेदन अस्वीकृत कर सकता है :

- (i) यवि आवेदन रु० 10,000/- की स्यूनतम निवेश राशि में कम के लिए प्राप्त हुआ हो,
- (ii) यदि आवेदम पहले आवेदक द्वारा हस्ताक्षरित न हो और
- (iii) यदि आवेदक, योजना में निवेश करने के लिए पान्न न हो। योजना भीर जसके अंतर्गत अने

प्लान में आवेदन करने के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति की पानता या अन्यथा के बारे में ट्रस्ट का निर्णय अंतिम होगा।

(ख) अपूर्ण आवेदन अस्वीकृत किये जा सकते हैं :

आविदन अपूर्ण पाये जाने पर, अस्वीकृत कर दिया जाएगा और बिना किसी ब्याज या अन्य राणि के, चाहे जो भी हो, आविदन राणि ट्रस्ट द्वारा यथाणी हा वापस कर दी जाएगी।

अपेक्षित परिचालनगत और प्रक्रियागम औपचारिकताएं पूरी होने के बाद राशि वापस की जाएगी।

(3) यूनिट जारी होते के पहने आपेटक को योजना और उसके अन्तर्गत बने प्लान से सम्बन्धित अपेक्षाओं को पूरा करना होगा :

योजना और उसके अस्तर्गन बने प्लान में यूनिटों के लिए आवेदन करने बाले व्यक्तियों पर, आवेदन करने की अपनी पालता के बारे में ट्रस्ट की नंग्डर करना बाध्यकारी होगा और ट्रस्ट की सभी अमेलाएं नैते न्यापों से नाष्ट्र आवेदन पत्र के मामने में ट्रस्ट तिनेश्व, प्रांध समिति का यूनिटें खरीदने सम्बन्धी पंकरन, नावानिंग की ओर में प्राप्त आवेदन पत्र के मामने में जनन प्रनागरत आदि जो लिलेगक की जेगी पर निर्मर करेगा। ऐपी अमेलाएं पूरी करने या महीं करने के प्रति ट्रस्ट की मंतुष्टि उसके अपने विवेक पर निर्मर होगी।

गनत श्रोक्षणा करके पृतिह रखो द्याता व्यक्ति अपनी सदस्यता के निरस्तो करण का भागो होगा और उन्नका नाम सदस्यों की पंजी से काट विया जाएगा ।

ट्रस्ट को अधिकार होगा कि वह ऐसी स्थिति में 25 प्रतिशत दण्ड के लीर पर घटाने के बाद सममूल्य पर या ट्रस्ट द्वारा निर्वारित मूल्य पर यूनिटों को पुतर्वरीद करे और गलती से भुगतान किये गये आय वितरण की वसूलो पुनर्खरीद राणि से करे और शेष वापस करे।

पुनर्वारीद करने और आवेदक को पुनर्वारीद राशि मेजने में दूस्ट को जो भी समय लगेगा उसके लिये राशि पर कोई व्याज देय नहीं होगा।

## 8. यूनिटों की विकी:

पेशकश की अवधि के दौरान यूनिटों की बिकी सममूल्य पर होगी। ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की बिकी-संविदा, स्वीकृति तिथि को पूरी हुई समझी जाएगी। बिकी-संविदा पूर्ण होने पर ट्रस्ट यथाशीच्र सदस्य को उनके विकल्प के अनुमार सदस्यता सूचना/ यूनिट प्रमाणपत्र (विपणन योग्य लाट में) जारी करेगा। ट्रस्ट द्वारा पात्र संस्था और निगमित निकाय को जारी सदस्यता सूचना/ यूनिट प्रमाणात्र पात्र संस्था/निगमित निकाय के नाम से जारी करेगा। प्रेषित सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणगत्र के खो जाने,

क्षतिग्रस्त हो जाने, गलत जिलिवरी या जिलिवरी नहीं होने का कोई दायित्व दूस्ट पर नहीं होगा ।

द्रस्ट प्लान के अंतर्गत यूनिटों की बिकी की समाप्ति तिथि से 6 हातों के भीतर सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र भेजने का प्रयास करेगा ।

## 9. यूनिटों की पुनर्खरीद :

(1) प्लान के आरंभ होने के तीन वर्ष के बाद अर्थात् 1 नवस्वर, 2000 से प्लान के दोनों विकल्पों के अंतर्गत पुनर्ख-रीद आरंभ होगी। योजना और उसके अंतर्गत बनाए प्लान के अंतर्गत परले तीन वर्ष के दौरान मृत्यु संबंधी दावों के निपटान के मामले छोड़कर कोई पुनर्खरीव नहीं की जाएगी। पुनर्खरीद मूल्य यूनिटों के एनएबी पर (पूर्ववर्ती आधार पर) आधारित होगा और उसे प्लान के आरंभ होने की तारीखंस छः माह पश्चान अर्थात् 01-05-1998 को तथा उसके बाद 31-10-2000 तक समासिक आधार पर समाचार पत्र में प्रकागन हेतु जारी किया जाएगा। 01-11-2000 से एक माह के अनधिक अंतराल पर पुनर्खरीद मूल्य की घोषणा की जाएगी। योजना की परिपक्षता पर यह गारंटी दी जा ती है कि पुनर्खरीद मूल्य यूनिटों के सममूल्य अर्थात् ६० 10/- से कम नहीं होंगे। तथापि समयपूर्व पुनर्खरीद के लिए ऐसी कोई गारंटी नहीं होगी तथा पुनर्खरीद मूल्य शुद्ध आस्ति मूल्य पर आधारित होगा।

इसके अतिरिक्त, निवेश का एक भाग इकिवटी में होने के कारण पूंजी बृद्धि की संभावना है।

## (2) मासिक आय विकल्प :

दृस्ट योजना और उसके अंतर्गत बनाएगए प्लान के आरंभ होने की तारीख के तीन वर्ष के बाद से यूनिटों की पुनर्खारीय की पेशकण करेगा। पुनर्खरीद पूर्ववर्ती ए नएबी पर आधारित होगा और प्लान के आरंभ होने के छः माह के पश्चात् अर्थात् 01-05-1998 को तथा उसके पश्चीत् 31-10-2000 तक , स्नमासिक आधार पर समाचार पत्नों में प्रकाशन के लिए जारी करेगा । 01-11-2000 स एक माह के अनिधक अंतराल पर पुनर्खरीय मत्य की घोषणा की जाएगी पुनर्खरीय मृख्य परिकलित करते समय दूस्ट को प्रशासकीय व्यय और अध्य प्रभार, जो प्रति य्निट एनएवीं के 5% से अधिक न हों, की कटौती करने की स्थतंत्रता होगी। पुनर्खरीद, सदस्यता सूचना एवं सादे कागज पर अनुरोध पन्न के साथ जो सभी सदस्यों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हो, एवं अन्य भ्यक्ति, जिसका नाम, पेणा और पता दिया गया हो, के साक्ष्य सिंह्त, सदस्यता सूचना/विधिवत् उन्मोन्ति यूनिट प्रमाणपत्र प्राप्त होने पर, प्रभावी होगी। आणिक पुनर्खरीद को अननति होगी, बगर्ते सदस्य द्वारा न्यूनतम गेंप २० 10,000/- (अंकित मूल्य) कायम रखा जाए । पुनर्खरीद के लिए आवेदन करतेसमय सदस्य को पुनर्खरीद माह प्रहित तथा उसके बाद के महीनों के वचे हुए लेष अनमुनाए हुए आय वितरण वारंट द्रस्टको सौंपने होंगे।

पूर्ण रूप से पुनर्खेरीद की स्थिति में, ट्रस्ट पुनर्खरीद के अनुरोध पत्न सहित सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्न विधिवत् उन्मोचित प्राप्त होने पर भावी महीने के लिए यूनिट पर आया वितरण का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं होगा और नहीं पुनर्खरीद की प्राप्तियों पर कोई ब्याज देय होगा।

प्राप्त सभी दस्तावेज और अदत्त आय वितरण वारंट; यदि हों, निरस्तीकरण के लिये ट्रस्ट द्वारा रख लिये जाएंगे ।

आशिक पुनर्खरीद की स्थिति में अपने पास रखे जाने वाले यूनिटों की संख्या पर निर्भर करते हुए सदस्य की नयी सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपन्न और स्वीकृति माह सहित शेष अवधि के लिए आय वितरण वारंटों का नया सेट जारी किया जाएगा। पुनर्खरीद राशि पर कोई व्याज देय नहीं होगा।

- (3) पूर्ववर्ती उप-खण्डों में अन्तिविष्ट किसी बात के बावजूव दूस्ट यूनिट की पुनर्खरीद करते समय, सबस्य द्वारा उस समय तक बकाया आय वितरण वारटों की अभ्यपित नहीं करने की स्थिति में दूस्ट ऐसे आय वितरण वारटों की भविष्य में देय राशि पुनर्खरीद मूख्य में से घटाकर सदस्य को शेष राशि का भुगतान करने के लिए स्वतंत्र होगा । दूस्ट की सदस्यता सूचना और पुनर्खरीद का अनुरोध पह | यूनिट प्रमाणपत्न विधिवत् उन्मोचित प्राप्त हो जाने के बाद सथा पूर्ण पुनर्खरीद की स्थिति में सदस्य की स्वीकृति माह के आय वितरण सहित भावी आय वितरण प्राप्त करने का अधिकार नहीं रह जायेगा और ऐसे बकाया आय वितरण की राशि का वाबेदार दूस्ट होगा।
  - (4) मासिक आधार पर प्रवस पूरे वर्ष के आय वितरण के हुकवार बनने के लिए सदस्य को यूनिट पूरे वर्ष तक रखने होंगे। वर्ष के किसी भाग के लिये यूनिट रखने वाला सदस्य केवल धारण अवधि के लिये जो हमेशा पूर्ण अंग्रेजी कैलेन्डर मास को होगी, आनुपातिक आय बितरण प्राप्त करने का हकवार होगा और माह के भाग को, चाहे वह किसने भी दिन का नयों न हो हमेशा छोड़ दिया जाएगा।
  - (5) सदस्य की मृत्यु हो जाने की स्थिति में विधिक
    प्रतिनिधि या नामिती द्वारा सदस्यता सूचना यूनिट प्रमाणपत्न,
    पुनर्खरीद के लिए अनुरोध पत्न और बकाया अदत्त आय वितरण
    बार्ट ट्रस्ट को सौपे जाने के बाव वह (ट्रस्ट) दाचे की
    मान्यता सबंधी निर्धारित आवश्यकता पूरी होने पर अपने
    नियमों और दिशा-निर्वेशों के नुसार इसमें उपर उपखण्ड
    (2) और (3) में यथार्याणत रूप में यूनिट की पुनर्खरीद करेगा
    और दावे की निपटान तिथि तक के बकाया मासिक आय
    वितरण का आनुपातिक भूगतान करेगा।

## (ө) संचयी विकल्प

मंचयी विकल्प के अंतर्गत जारी यूनिटों के मामले में ट्रस्ट और योजना और उसके अंतर्गत बनाए गए प्लान के मारंम होने की तारीख से तीन वर्ष के बाद अर्थात् 1 नवस्वर, 2000 से यूनिटों के पूनर्खरीद की पेशकण करेगा । पूनर्खरीद

मूस्य पूर्ववर्ती एक्एवी स्राम्नार पर होगा । पुनर्खरीव मूस्य परिकालित करते समय द्वरट स्रति यूनिट एनएवी के 5% तक प्रशासकीय व्यय और मन्य प्रभार काटने के लिए स्वतंत्र होगा ।

भाशिक पुनर्खेरीद की मनुर्मात होगी, बगतें सदस्य द्वारा न्यूनतम क्षेत्र द० 10,000/- (श्रांकत मूल्य) कायम रखा जाए ।

(7) द्रस्ट हारा कटौली, बांद्र कोई हो, करने के बाद पुन: खटीवें गए यूनिटों के लिए भुगतान, सदस्यता सूचना के साथ पुनर्खरीद हेतु अनुरोध पत्न/विधिवत् रूप से उम्मोजित यूनिट प्रमाणपक्ष तथा लाभांश वारंट, मदि कोई हो, के प्राप्त होने के 10 दिन के मीतर ऐसे केन्द्र पर किया जाएगा सहा पुनर्खरीद अनुरोध संसाधित किए जाते हैं।

स्रावेदक को देय राशियर किसी भी कारण से कोई व्याल क्षेय नहीं होगा तचा ट्रस्ट द्वारा प्रेक्तित चेक या ड्रायट का प्रेक्त (डाक कर्ण सहित) या वसूली खर्च भाषेदक द्वारा वहन किया जाएगा ।

- (8) प्रनिवासी निवेशकों के मामले में पुनखरीय राशियां निवेश के स्रोत पर निर्भर रहते क्षुए निम्नानुसार प्रेषित की जाएंगी:
- (क) जब यूनिट विवेश से भीजी गई विवेशी मुदा/सवस्य की एपा ली । एन जार विवेश की राशियों से या सवस्य के भारत में रखे प्रतिवासी (बाह्य) खाते में रखी निधियों से जारी जैक/ब्रापट द्वारा खरीवे गए हों तो सवस्य को राशियां विवेशी मुद्रा में (विनियय दर में उतार—खढ़ाव का वहन सवस्य को करमा होगा) प्रेषित की जा सकती हैं या सवस्य के भारत स्थित संबंधी को सवस्य के प्रानवासी (बाह्य) खाते में जमा करने के लिए भेजी जा सकती हैं बशर्त सदस्य विदेश में रह रहा हो। यवि सवस्य चाहे तो इन राशियों को उसके प्रनिवासी (सामान्य) खाते में जमा करने के लिए भी भेजा जा सकता है।
- (ख) जब यूनिट सदस्य के ग्रनिवासी (सामान्य) खाते में रखी निधियों से खरीदेगए हों तो राशियां सदस्य के भारत स्थित संबंधी को सदस्य के ग्रनिवासी (सामान्य) खाते में अमा करने के लिए भेजी जाएंगी।

## 10. यूनिटों की पुनर्खेरीय पर प्रतिबंध :

योजना और उसके अंतर्गत कने प्लान के किसी भी उपबंध में अंतर्विष्ट किसी बात के होने के बावजूद ट्रस्ट यूनिट की पुनर्खशीद के लिए बाध्य नहीं होगा ।

- (i) ऐसे दिन, जो कार्य-विवस नहीं हों, और
- (ii) दूस्ट द्वारा यथाधिसूचित किसी भी उद्देश्य के लिए सदस्यों की पंजी बंद हो, ऐसी (दूस्ट द्वारा यथाधिसूचित) प्रविच के वौरात ।

स्पष्टीकारण : इस योजना और इसके अतर्गत कने प्लान के प्रयोजनार्थ शब्द "कार्य दिवस" का प्रर्थ वह दिन है, जो न तो

- (i) महाराष्ट्र राज्य या ऐसे प्रत्य राज्यों में, जहां दूरट के कार्यालय हों, सार्वजनिक प्रवकाश के रूप में परकाम्य लिखत प्रधिनियम 1881 के अंतर्गत प्रधिस्थित हों और न ही
- (ii) भारत कै राजपत्र में दूस्ट द्वारा ऐसे दिवस के रूप में अधिसूचित किया गया हो कि उस दिन दूस्ट का कार्यालय वंद रहेगा ।

### 11. सूचीवद्यता ः

प्राणवान वद होने की तारीख से छः माह के मीतर इस योजता के अतर्कत जारी पूनिट एन० एस० ई० के थोक ऋण संड पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। सेवी से योजना का धनुमोधन प्राप्त होने के तुरंत बाद सेवी (म्यूच्छल पंड) प्राधिनियम, 1996 के विनियम 32 के धनुसार एन० एस० ई० की सूची-बद्धता के लिए धावेषम किया जाएगा।

## 12. सदस्यता सूचना/वृतिट प्रमाणपतः

दूस्ट आवेषक को सदस्य के विकल्प पर, सदस्यता सूचना। यूनिट प्रमाणपत्र (विपणन योग्य लॉट में) जारी करेगा।

प्रिट अनाणनत जंतरणीय है जबकि सदस्यता सूचना नहीं। हात कि, तिवेतक के ज्यान में सामित होने के संबंध में बोनों समान रूप. से बैध साक्य हैं। निवेशक, प्रावेदन पत्त में उपयुक्त स्थान पर निपान लगा करके सदस्यता सूचना या यृतिट प्रमाणपत्त में से कोई एक प्रात्त कर दे का चयन कर सकते हैं। सामान्यतया, ऐसे निवेशक जो योजना के सूचीबद्ध होने पर क्रेयर- बाजारों में लेन-देन करना चाहते हैं वे यूनिट प्रमाणपत्त हेतु प्रयना विकल्प दे सकते हैं। तथानि, परि प्रावेदन पता में कोई बरीयता न दी गई हो तो निवेशक को सदस्यता सूचना भेजी जाएगी।

श्रांतवासी भारतीय सदस्थता सूचनः/यूनिट प्रमाणपतः के प्रेषण के लिए निम्नलिख्ति में से किसी एक तरीके का चयन कर सकता है:

(क) श्रावेबक के भारतीय/विवेशी पते पर

या

(ख) श्राभ्वक के भारत में स्थित रिण्तेदार के पते पर 13. सवस्थता सूचना और यूनिट प्रमाणपत्न तैयार करने की रीति

सदस्यता सूचना और यूनिट प्रमाणपत दूरट के कार्यपासक निदेशक द्वारा निर्णीत कप के अनुसार होनी।

जैसा बोर्ड समय-समय पर निर्धारित करेगा, यूनिट प्रमाण-पन्न उत्कीर्ण या लियोग्राफ या मुक्ति किया जाएगा और दूरट द्वारा विविधत् क्यं से भीक्न्यत वो व्यक्तियों द्वारा, दूरट की कौर से हस्ताकौरत होगा। ऐसा प्रत्येक हस्ताकर, स्वहस्ताकौरत होगाः या किसी यांक्रिकः विधि से लगाया गर्वा होनाः । जब तक पूनिक अमाज-एत इस रूप में हस्ताकारिक नहीं होगा, तम तक व**र्वधनहीं** होना। इस रूप में हस्ता**र्वा**रत यूनिट प्रमाण-पत्र **वैक्ष और बाध्यकारी होगा भलेही उसके जारी होने** से पहले क्सेई क्यक्ति जिसका हस्ताकार उस पर है, ट्रस्ट की ओर से यूनिट क्रमण-पद्म पर हस्ताक्षर करने हेंसु अधिक्रल व्यक्ति न**्र**हा हो।

किन्तु यदि इस रूप मे तैयार किए नए युक्ट प्रमाण-पक्ष में किसी प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर हैं जो जमाण-पत्र आही होने के समय मृत है तो दूस्ट किसी तरीके से जिसे बह सर्वोत्तम समजता है, प्रमाण-पत्न पर विश्वमान उनत व्यक्ति के हस्ताक्षर को निरस्त कर सकता है और उसु पर किसी अन्य प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर करवा सकता है। इस रूप में जारी यूनिटं प्रमाण-पत्न भी वैक्ष होंगे।

ः XIV. सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाण-पत्न का विनिमय ग्रीर सूचना/यूनिट प्रमाण-पत्र के क्षक्र-कट जाने, विरूपित हो जाने, खो जाने ग्रादि की स्थिति में प्रक्रिया:

### ्सदस्यता सूचना

योजका ग्रीर इसके भन्तर्गत अने पनान - में सबस्य उक्त प्रयोजनार्थ ऐसे नियमों/विशा निर्वेकों/प्रक्रियाओं का पालन करेंगे ग्रीर ऐसे वस्तावेजों का निष्पादन करेंगे, जो समय-. संमय पर ट्रस्ट ब्रारा बनाये जाएंने/झयेक्तित होंने ।

यंनिट प्रमाण पत्र

(1) यदि कोई यूनिट प्रमाण-पन्न कट-फट जाता है या चिसपिट या विकपित हो जाता है तो ऐसे मामले में दूस्ट ग्रपने विवेक के प्रमुखाए स्वरवाधिकारी अपनित .को एक तथा यूनिट-अमाण-पत्र जारी कर सकता है जिसके यूनिटों को कृत संख्या उतनी ही होगी जितनी कि कटे-फटे, विकपित यूनिट प्रमाण-पत्र की यी। मदिकोई मूनिट प्रमाण-पत्र को जाता है, चुराया अपाता है या नष्ट हो जाता है सो ट्रस्ट अपने विवेक के अनुसार स्वस्वाधिकारी व्यक्ति को उसके बदले में नया यूनिट प्रमाण-पक्ष जारी करेगा।

कोई नया यूनिट प्रमाण-पत्र सब तक जारो नहीं किया जाएगा वि तक मावेदमः :---

- (i) मुल यूनिट प्रमाण-पक्ष के कडे-फडे-होने, दूडने, बिक्सित होने, खो जाने, चुरा लिए जाने या मंद्र हो जाने के संतोषजनक साक्ष्य द्रस्ट को अस्तुत कहीं करता ;
- (ii) तथ्यों की जान के संबंध में सभी सन्ती का भुकतान नहीं करता;
- (iii) (कटे-फटेया विसे-पिटे या विरूपित यूनिट प्रमाण-पत के मामले में), ट्रस्ट को ऐसे कटे फरे, विसे-पिटे या विरूपित यूनिट प्रमाण-पत प्रस्तुत भीर प्रभ्यपित महीं करता; श्रीर
  - (iv) दूस्टको धारशयक श्रातिश्रुति बंध पत प्रस्तुत नहीं करता ।

ं<del>द्वस खण्ड के प्रावधान के प्रश्त</del>ीत ट्रस्ट संद्भावना के प्राक्षार पर उक्त प्रमाण-पत्र जारी करने का दामित्व महीं लेगा।

(2) इस खण्ड के प्रश्यकान के प्रन्तांत कोई प्रमाणपत्न **जारी करने** से पहले ट्रस्ट चाहेगा कि माबेदक इसके द्वारा निर्गत प्रस्थेक यूनिट प्रमाण-पत्र पर पांच ४२थे का भुगतान करे। साथ ही द्रस्ट के मतानुसार किन्हीं प्रभारों या करों के लिए पर्याप्त धन राशि या डाक पंजीकरण खर्व *सिंद्द्रत* जो उ≆न *प्रमाण-प≭* को जःरोकरने और प्रेषित करने के संबंध में देय हो, उसे भी जना करेगा।

**ंडपरोक्स के बावजूद ,** योजना के श्रांतर्गस सदस्य को ऐसे नियमों/विषा निर्देशों/प्रकियामों का पालन करना होगा तथा ऐसं वस्तावेज निज्यादित करने होंगे जो सनग-समयं पर द्रस्ट द्वारा प्रतियादित/श्रवेक्षित होंगे।

### XV सन्दरमों की पंजी:

अंदस्यों के पंजीकरण के सम्बन्ध में निम्नलिखित उप बन्ध लग्ग् होंगे :----

- (1) दूस्ट द्वारा सदस्यों की पंजी रखी जाएगी और क्रम्य बातों के साथ-साथ पंजी में निम्न लिखित दर्ज किए जाएंगे:
  - (क) सदस्यों के नाम और पते;
  - (ख) सबस्यता सूबना मूमिट प्रमाणनत्रों की संख्या भीर हरेक ऐसे व्यक्ति द्वारा धारित शूनि टोंकी संख्याः; श्रीर
  - (ग) जिस तिथि को ऐसा व्यक्ति ग्राने नाम के यूनिंटों का धारक हो गया।
- (2) सदस्य की घोरं से उसके नाम और रते के परिवर्शन की सूचना दूस्ट को दी जाएगी। दूस्ट ऐसे परिवर्तन से सन्तुष्ट होने पर और यथापेक्षित और वारिकताएं पूरोकरने पर तदक्षाद्धे पंजी में यरिवर्तन करेगा। किसी ग्रन्य व्यक्ति, जो मानसिकं रूप से विकलाग हो, के साथ के लिये यूनिटों हेतु प्रावेदन के रूप में होने वाले परिवर्तन की प्रविष्टि पंजी में सवनुसार की जाएगी।
- (3) केवल पंजी बंदी को छोड़कर, इसमें इसके बाद अंत-. विष्ट उपवन्त्रों के बनुसार कामकाज के समय के वीशन (द्रस्टद्वारा यथानिणीत समुचित प्रतिबन्धों के साथ प्रत्येक कार्य दिवस को न्यूनतम दी चंटे के लिये पंजी के निरोक्षण की भनुमति दी जाएगी) सदस्य द्वारा उसके स्वयं के निदेश के संबंध में निःशुस्क निरीक्षण के लिए पंजी खुली रहेगी।
- (4) दुस्ट द्वारा समय समय पर यथा निर्धारित समय भीर भवधि के लिए पंजी बन्द रहेगी, लेकिन एक वर्ष में 45 दिन से अधिक समय के लिये बन्द महीं रहेगी। हुस्ट समाचार, पत्नों में या अन्य नाध्नम से विज्ञापन द्वारा ऐसी बस्दी की सू बना देवा ।

(5) किसी यूनिट से संबंधित कोई स्पष्ट निहित ग्रीर रचनात्मक सूचना पंजी में दर्ज नहीं की जाएगी।

XVI. पात्र संस्थाओं, नाबालियों श्रौर मानसिक रूप से विकलाग व्यक्ति श्रादि के लाभ के लिये किसी श्रावेदक का श्रावेदन श्रौर पंजीकरण:

- (1) पाव संस्थाएं, निगमित निकाय और समितियां (सह-कारी समितियों के साथ) सदस्य के रूप में पंजीकृत की जाएंगी।
- (2) कोई भी वयस्क, जो किसी ना बालिंग का माता-पिता हो, सौतेला माता-पिता हो या विधिक प्रभिभावक हो, प्रधि-नियम की धारा 21 की उपधारा (2ए) के अनुसार और उपबंधित सीमा तक यूनिट रख तकता है और कप-विकर कर सकता है। अपेक्षानुसार ऐसा वयस्क ट्रस्ट द्वारा विनिर्विष्ट रीति से नावालिंग की उम्र और नावालिंग को धोर से यूनिट रखने तथा कप-विकय करने की धामता का प्रमाण-पन ट्रस्ट के संगक्ष पेग करेगा:। अविदन में ऐसे वयस्क द्वारा किये गये कथन के अनुसार बिना किया अतिरिक्त प्रमाण के ट्रस्ट को कार्य करने का अधिकार होगा।
- (3) जहां फिसी ग्रन्य व्यक्ति, जो मानसिक रूप से विकलांग है, के लाभ के लिये किसी व्यक्ति द्वारा भावेदन किया जाए वहा द्रस्ट प्रस्तुत क्यम के प्राधार पर कार्य करेगा भौर ऐसा करने में यह समझा जाएगा कि द्रस्ट सर्भाव-पूर्वक कार्य कर रहा है। द्रस्ट को हक होगा कि वह केवल भावेदक के साथ व्यवहार करे भौर उसकी मृत्यु की स्थिति में स्भी व्यवहारिक प्रयोजनों के लिए वैकल्पिक भावेदक के साथ व्यवहार करे तथा उक्त ग्रावेदक या वैकल्पिक भावेदक को द्रस्ट द्वारा यूनिट के संबंध में किया गया भुगतान द्रस्ट के लिए सही उन्मोजन माना जाएगा।
- (4) पान संस्थामों, निगमित निकायों या समितियों से जब कभी भपेक्षा की जाएगी, उन्हें यूनिट में निवेश करने की भानेदक की क्षमता से संबंधित सभी वस्तावेश, जैसे संस्था के भर्तनियम भीर बहिनियम उप-विधिया भादि, प्रवन्ध निकाय द्वारा पारित संकल्प की प्राधिकृत प्रति और भ्रपेक्षित मुख्तारनामा की प्रति द्रस्ट के सनका पेश करनी होगी।
- (5) फर्म को सदस्य के रूप में पंजीकृत किया जाएगा भौर सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र फर्म के नाम से बनाया जाएगा।

XVII. ट्रस्ट के उन्मोचन करने के लिए सदस्य द्वारा रसीद:

योजना और उसके अन्तर्गत बने प्लान के यूनिटों के संबंध में सदस्य को प्रदत्त राशि के लिये उसके द्वारा दी गई रसीद ट्रस्ट के प्रति अच्छा उन्मोचन होगा।

XVIII. सदस्यों द्वारा नामाकन:

(1) नामांकन सुविधा केवल प्रपनी छोर से प्रावेदन करने वाले व्यक्तियों प्रयोत एकल या संयुक्त रूप से दी तक के लिए उपलब्ध है। प्रावेशक एक व्यक्ति को नानित कर सकते हैं। अवपल्क तथा प्रतिवासी भारतीय को नितित किए जा सकते हैं। भारतीय रिवर्ग किंक द्वारा सवप-समय पर जारी किये परे दिन निर्देगों के याद्व र विवासी भारतीय नामित किए जा सकते हैं। ज्लान के चालू रहते के दौरास अविवक्त किसी भी समय नामांकत में परिवर्तन कर सकता है।

(2) सरस्यों को, जो नावालिंग की फ्रोर से माता-पिता हों या विधिक अभिनायक हो तथा पात्र संस्था, समिति, निगमित निकाय और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए यूनिट हेतु श्रावेदन करने वाले भावेदक को नामांकन करने का श्रीधकार नहीं होगा।

प्रन्य प्रावधान विनियमों में उपलब्ध कराई गई सीमा तक रहेंगे।

XIX. सदस्य की मृत्यु:

(1) यूनिट के पंपुत्त सदस्यों में किशी एक की मृत्यु हो जाने पर दूस्ट द्वारा जीवित व्यक्ति को ही यो जना और उसके अन्तर्गत बने प्लान के यूनिटों के हकतार होने या उसके हिताधिक कारो होने की मान्यता हो जाएगी।

लेकिन इसमें प्रतिविध्य कोई मो बात उनत यूनिटों के संदर्भ में ऐसे जोविन व्यक्ति के विध्व किसी अन्य व्यक्ति के किसी अधिकार को प्रभावित नहीं करेगी।

- (2) किसी एकत संबस्य की मृत्यु की स्थिति में नामिती को यूनिटों के संबंध में ट्रस्ट द्वारा देव राशि के हकदार व्यक्ति के का में ट्रस्ट द्वारा मान्यता वो जाएती।
- (3) किसी एक न सबस्य द्वारा वैश्व नामांक न नहीं किये जाने की स्थिति में भृत व्यक्तिका निष्पादक या प्रशासक या , भारतीय उत्तराधिकार प्रधिनियम 1925 (1925 का 39) के भाग 10 के अन्तर्गत जारी उत्तराधिकार प्रमाणनंत्र का धारक ही वह व्यक्ति होगा, जिल्लाम् यूनिटों के हकबार के रूप में ट्रस्ट द्वारा मान्यता बी जा सकती है।
- (4) किसी सदस्य सदस्यों की मृत्यु के परिणामस्वरूप यूनिट के हकदार हो जाने वाले व्यक्ति को, दूहट द्वारा उसके हक के लिये पर्याप्त समन्ने गये साक्ष्य के प्रस्तुतोकरण के बाद तथा दावेदार द्वारा दांवा संबंधी अभी श्रीपनारिकताएं पूरी करने के बाद मृत व्यक्ति के खाते में जमा सभी यूनिटों के पुनर्खं रीद मूहय का भुगतान किया जाएगा।
- (5) यदि एकमात नामिती/विधिक उत्तराधिकारी यूनिट रखने का पात है तो उकत नामिती/विधिक उत्तराधिकारी को उसकी इच्छा के अनुसार मृत व्यक्ति के खाते में जमा सभी यूनिटों का पुनर्खरीय मूल्य प्राप्त करने के बदलें उसको सबस्य के रूप में यूनिट रखने और पंजीकृत सदस्यों के रूप में बने रहने की अनुमति दी जाएगी तथा जितने यूनिट वह रखना कहेगा, न्यूनतम

यूनिट रखने की शतों पर उतने यूनिटों का उल्लेख करते हुए उसके नाम से सदस्यता स्वना/यूनिट प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

- (6) जिस प्रावेदक ने मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाम के लिये यूनिटों हेन् ग्रावेदन किया है उसकी मृत्यु हो जाने की स्थिति में ट्रस्ट वैकल्पिक ग्रावेदक के माथ व्यवहार करेगा, मानो वही आवेदक हो। इपके ग्रावा भावेदक या वैकल्पिक ग्रावेदक की मृय् की स्थिति में, जैसा भी मामला हो, मौजूदा ग्रावेदक श्रपने वैकल्पिक ग्रावेदक के रूप में किसी ग्रन्य व्यक्ति को नियुक्त करेगा।
- (7) अवस्त अवधि में एकन सदस्य की पृत्र की स्थित में ट्रस्ट आवश्यक और वारिकताएं पूरी करते के बाद दावे का निपटान करेगा और सम्बन्धित खण्ड में दिए सये ब्यौरे के अनुसार या ट्रस्ट द्वारा यथानिणीत अन्य रीति से कानूनी वारिसानामिती को भुगतान करेगा।
- (8) श्र-निवासी सदस्य (सदस्यों) की मृत्यु के मामने में यूनिटों की पुतर्वरीय राशि का विशेषण प्रतिस्ती तिशे स्राथवा विधिक वारिस वारिसों को किया जा सकता है कर्हों:
  - (क) यूनिटें भारत के बाहर ने विनेशित शिंगे के भारत में प्र-तितानी (ह) जाने ने सारिश शिंगे के में से प्रवदा एक नो प्रति के से प्रवदा एक नो प्रति के से जारी से शिंगे की से जारी से गई हों। जी स
  - (ख) तानिशी भारत के बाहर तिशान कर रहा हो! विश्रिक वारिस मारत के सहर रहता हों! रहते हों।

XX. ग्राय वितरण एवं ग्राय का संचय:

सदस्य को मासिक अध्य था संबयी किहा में मा। लेने के विकल्प का प्रयोग करने का प्रत्येकार होता। उठ् योजना में निवेश के समय किया जाएगा प्रीट इक बार डिया गया विकल्प प्रतिम होगा। प्रावेदक द्वारा प्रयोग किठ् भए किसी निर्देष्ट दिकता के प्रमाद में उप नार्विक प्राय विकल्प समसा जाएका।

प्लान के अंतर्गत सुनिधिवत अतिनाम एवं गुरिगावता । पर निवेशित पूंजों को सुरक्षा को गार्दरी दूस्ट को विकास प्रारक्षित निधि द्वारा दी गई है।

योजना एवं उसके मंतर्गत बने प्लान के प्रावधान दोनों विकल्पों के लिए लागू होंगे श्रीर जड़ा प्राप्तप्रानों में हेरफेर है, वहां सम्बन्धित ब्यौरे तदनुसार दिए गुहैं।

### (1) मासिक द्याय विकल्प:

इस विकास के प्रतिनित्र दृस्ट 12.5 प्रतिशत प्रव्यव की दर से सुनिश्वित जामांग प्रात के पांत्रों वर्गों के लिए उत्तर दितांकित मासिक वारंटों द्वारा ग्रवा करेगा।

नित्रेष उद्देश्यों श्रीर प्लान को प्रवन्ति नीतियों तथा लिखाों से प्रनुमानित लाम, जिन्दों योजना की निधियों का निवेश किया जाएगा, के झाधार पर योजना को प्लान के झंतर्गत 12.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से मासिक रूप से देय शाय भदा करने के लिए पर्यान्त श्राय प्राप्त हो सकेती।

(2) प्रश्वेक माह के निर्पार विनरण प्राप्ते महीने के प्रारंभ में देय होगा और पूर्व भुगनान व्यवस्था के प्रतांत द्रस्ट द्वारा भुगनान द्रस्ट द्वारा भुगनान द्रस्ट द्वारा विनित्रेष्ट के को पावाप्रों पर समयूल्य पर देश प्राप्त विनरण वारंट या किती लिखत के माध्यम से किया जाएगा।

ऐसे यूनिट निक्ती विकी किती नहीं की 15 तारीख को या उसके पहने द्रस्ट द्वारा स्त्रीकत आवेदन के अंतर्गत की जा चुकी है, पूरे महीने के आप विनरण के पात होंगे भीर जो यूनिट महीने की 15 तारीख के बाद बेचे गए हों वे उस आधे महोने के आप वितरण के पात होंगे।

आयं की हंकदारी निस्तं रूप से होती:

16-09-1997 से ₹0-09-1997 --- आधे महीने की आय
01-10-1997 से 15-10-1997 --- पूरे महीने की आय
16-10-1997 से 25-10-1997 --- आधे महीने की आय

(3) निवेश की तिथि पर निर्भर करते हुए 31 जनवरी, 1998 (दिनांकित 1 दिसम्बर, 1997) तक को प्रविध के लिए एक श्राय वितरण वारंट तथा करवरी, 1998 से मार्च, 1998 की श्रवधि हेतु 2 उत्तर दिनांकित ग्राय दितरण वारंट सबस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्नों के साथ भेज दिए जाएंगे।

् उसके बाद के वर्षों के लिए माय वितरण वारंट, कर-कानूनों में हुए परिवर्तनों पर निर्मर करते हुए, प्रत्येक वर्ष मार्च/प्रप्रेल महोने में जारी किया जाएगा और उस प्रशिव क्य से मेजा जाएगा। उसके बाद के बर्ज के तिर्वार्टों का प्रेषण िम्मलिखित सारणी के अनुसार होगाः बारंटों का प्रेयण सर्वधि । मार्च-भन्नेल, 1998 तक 01-04-1998 से 31-03-1999 01-04-1999 से मार्च-ग्राप्रीस, 1999 तक 31-03-2000 01-04-2000 朝 मार्च-ममेन, 2090 तक 31-03-2001 01-04-2001 社 मार्च-माप्रैल, 2001 तक 31-03-2002 01-04-2002 से मार्च-प्रप्रैल. 2002 तक 31-10-2002 प्रत्येक वर्ष माह मार्च के लिए जाय वितरण मारट पर

तारीख 31 मार्च होगी।
(4) उप खण्ड (3) के उपबंधों के मुसीन सासिक

(4) उप खण्ड (3) के उपवंधों के असीन सासिक भाषार पर माथ वितरण के भुगतान के लिए वारस्ट सदस्य को प्रक्रिम रूप से भेजे जाएंगे।

वारस्ट को इस प्रकार विनिक्ति किया जस्पा कि सवस्य भुगतान के लिए परिपक्व होने पर प्रस्थेक वारस्ट को भुना सके। हरेक वारट तीन महीने के लिए वैध रहेगा। वैध प्रविध पूरी होने के पहले सदस्य के पास कोई वारंड नहीं पहुंचने या उनके पुराने हो जाने की स्थिति में ट्रस्ट ब्याज का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं होगा।

- (5) पुनर्खरीय की स्थिति में अदत वार्यटों को अध्यापित नहीं करने पर सदस्य अगले महीने देय और परिपक्वता तिथि को सदस्य की अभिरक्षा में शेष वार्यटों को भूनाने का हककार होगा और ऐसे आय वितरण वार्यट की राशि पुनर्खरीय की राशि से काट ली जाएगी।
- (6) सवस्य की मृत्यु की स्थिति में, यदि एक नाम नामिकी। विधिक उत्तराधिकारी यूनिट रखने का पान है भीर भागे भी यूनिट रखना चाहता है, तो ऐसा नामितिविधिक उत्तराधिकारी भावश्यक सुधार के लिए भानी महीनों के भागनुनाए सभी वारन्ट वापस करने के लिए बाध्य होगा।

#### विकाल्प I

निधि, 90 % ऋष्ण एवं मुद्रा बाजार जिब्रों में और 19%

- लिखत निश्चियों का %

डिबेंचर/बान्ड एवं 99

मुद्रा बाजार लिखितें
इिबचटी 10

पोर्टफीलियों का भारित

तथापि; ग्रांगे पूर्णिट रखने के इच्छुक नोमिती/विधिक उत्तराधिकारी मृत सदस्य के पक्ष में पहले से जारी वारन्ट को सुधार करके नये प्रविच्छ- सदस्य के पक्ष में करने में लगने बालें समय के लिए कोई ब्याज या मुग्नावजा प्राप्त करने का हकदार नहीं हीगा।

(7) किसी धावेदक की मृत्यु की स्थिति में, जहां मान सिक क्यं से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए प्रावेदक द्वरा प्रावेदक को कावक्षक सुवार के लिए भावेदक को कावक्षक सुवार के लिए भावी महीनों के प्रतभुनाए सभी प्राय वितरण वार्ट बापस करने होंगे। लेकिन, ऐसा वैकल्पिक भावेदक मृत बावेदक के पक्ष में पर्ने से जारी वार्ट को सुधार करने नमे प्रविष्ट धावेदक के पक्ष में करने में लगने वाल समय के लिए कोई क्याज या ग्रीर मुमायजा प्राप्त करने का हक्कार नहीं होगा।

### (8) संचयी विकल्प

इस विकल्प के अन्तर्गत कोई प्राप निकरित नहीं की जाएगी।
प्रतिलाभ 13.24 प्रतितान प्र० व० को दर ने मंगपित किया
जाएगा ताकि इस विकल्प के प्रश्तांत निवेशित ६० 10,000/—
पांच वर्षों के बाद प्रतिदान के समय कम से कम रू० 18,622/हो जाएं। तथापि, निवेश की तिथि पर निर्भर करते हुए, मासिक
प्राथ विकल्प के प्रश्नर्गत सदस्यों को लागू सीमा तक, निवेशक
को 12.5 प्रतिशत प्र० व० की दर से 31 प्रवन्दर, 1997 तक
मुझावजा दिया जाएगा और उसे चेक के माध्यम से यूनिट प्रमाणपत्रों/सदस्यता सूचना के साथ भेजा जाएगा।

प्लान के अंतर्गत 12.5% प्रवन प्रतिलाभ का श्रीचित्य

मान सीजिए कि यह योजना 100 करोड़ रूपये एकतित करती है। प्रारंभिक रूपये 3 प्रतिशत है भीर उन्हें 3 वर्षों की प्रविधि के परवाद बट्टे खाते में डाला है (यह इसलिए कि 3 वर्षों के बाव पुरर्खरीद शुरू हो नाती है) पहरे वर्ष में उपलब्ध निवेश योग्य निधियों 97 करोड़ रूपये होंगी। 2 प्रतिशत भावतीं स्थय, पिछलों भविध में एकतित की गई उन्हों निधियों द्वारा पोर्टकोलियो भावित के परिकलन हुन, मान लिया गया है और सास्तविक रूपने इस निधि के प्रतिशत के प्रमुखार बदन सकता है। प्रयोग प्रास्ति वर्षों प्रतिश वर्षों प्रतिशत मास्ति, 2 प्रतिशत के इस प्रविधित हार्षों के प्रतिशत के इस प्रविधित हार्षों के विधि के प्रतिशत के प्रतिशत प्रास्ति, 2 प्रतिशत के इस प्रविधित हार्षों के विध वर्षों निवस प्राप्ति, है

्रिंगड़ी और होत्रजी गरीबन निकास ने निवेश करेगी।

निवेश योग्य निश्चियां	_ 1-रा। र ारश करगा। अमेक्सिल ग्राम (%)
8.7 30	14 00
9.70	6.6
87.3° 0.14*9:70*	0.066=12.86%

100 00

विकरप Il

निधि, 85% ऋण एवं मुद्रा बाजार लिखतों में भीर 15% इनिजटी संबंधिस लिजतों में नित्रेग हरेगी।

<b>जिख</b> श	निधियों का %	निवेश योग्य तिधियां	भ्रपेक्षित म्राय (%)
। इंग्रेंचर/बान्ड एवं मुद्रा बाजार लिखतें	85	82.45	14 00
्र्रेक्विटी पोर्ट्रफोलियो का भारित	1 5	14 55	6 <b>6</b>
मीसत प्र <sub>तिलाभ</sub>		82.45* 0 14 14.55* 0	055 = 12 50%
	<u> </u>	100	00

उपरोक्त उदाहरण स्वरूप है और प्लाप के आरम्भ हीने के समय मौनूद बाजार की स्थितियों पर आधारित है। उनपूक्त के बावजूद निवेश का अनुसास बाजार को स्थितियों और निवेश के लिए उपजब्ध अवसरों पर निभेर करते हुए मिबि प्रवंधक के स्वविवेक के अनुसार उपरोक्त से मिनन भी हो सकता है।

#### निवेशकों का वैंक विवरण:

### इलेक्ट्रानिक समामोधन सेवा :

हाल ही में भारतीय रिजर्श बैंक ने समाशोधन गृह के जिरए एक नई अवधारणा इलेक्ट्रानिक समाशोधन सेवा (ईसीएस) आरंभ की है जिसमें कागज के लिखतों को गारी करने तथा जनको संभालने की आवश्यकता का निराकरण किया जाए और इस प्रकार ग्राहक सेवा में सुधार करके उसे सुविधाजनक बनाया जा सके। ट्रस्ट द्वारा यह मुख्य रूप से अहमदाबाद कितकता विन्त ही नुंबई विल्ला में ऐसे निवेशकों का सहायता करने हे नु आरंभ किया गया है जिनकी साभाश से होने वालों आय एक एक ज लिखत के अनुसार रूठ 50,000 ने से कम है।

इस संत्रंत्र में मारतीय रिजर बैंक द्वारा जारी दिशानिर्वेशों के अनुसार निवेशक से अरेक्षित है कि वह ईतोएस
हेतु अपना अधिदेश आवेदन पत्न में दिए गए प्रारूप के
अनुसार उसमें सभी विवरण पूरा करके प्रस्तुत करें। इससे
ट्रस्ट को निदेशक के संबंधित बैंक खाते में आय की राशि
अतिशीध जमा करने में सहायता मिलेगी तथा आय वारट
के मुद्रण एवं प्रेषण संबंधी कार्य नहीं रहेंगे और वह निवेशकों
को बेहतर सेवा प्रदान कर सकेगा। वैंक शाखा सदस्य के
खातें में केखिट करेगी तथा पास बुक खाता विवरण में
केडिट प्रविष्टि को "ईसीएस" से निर्दिष्ट करेगी। जो
आबेदक यह सुविधा प्राप्त करमा चाहते हैं वे आवेदन पत्न
में अपने बैंक का नाम और पता, खाते का प्रकार और
नंबर, 9 अंकों वाली बैंक एवं शाखा कूट तंत्रवा इत्यादि
मरें।

ं यद्यपि इस मुक्तिया का लाभ यान्त करना अनिवार्य नहीं है।

यदि इस सुतिया पर मिली प्रतिकिया इसके संचालन हैत पर्याप्त नहीं है या कोई अन्य कारण से इसका संघालन नहीं किया जा सके तो "ईतं एस" के मंतर्गत आय का भुगतान करने के बजाय ट्रस्ट उत्तरोत्ता नुसार आयं वारंट जारा करके आय की अदायगी कर सकता है।

आय वितरण वारंटों के खो जाने गलत स्थान पर पहुंचने के कारण उनके संभावित कपटपूर्ण नकदीकरण के विरुद्ध सावधानी के तौर पर आवेदकों से अनुरोध किया जाता है कि वे रिकार्ड के लिए आवेदन फार्म में उपयुक्त स्थान पर तथा पावती रसीद वाले भाग पर अपने बैंक खाते का पूरा विवरण (अर्थात खाते का प्रकार एवं खाता गंड्या, वंक का नाम) दें। तब आय वितरण वारंट इस प्रकार से निर्दिष्ट किए गए उनके खाते में जमा करने के लिए बैंक के पक्ष में तैयार कर उन्हें में गें गाएंगे। सदस्य कथित वैंक में अपने खाते में जमा (केडिट) करने हेत् उस आय वितरण वारंट को प्रस्तुत कर सकते हैं। यदि बैंक गंबंधी पूरा विवरण नहीं दिया जाता है तो आय वितरण वारंट सदस्य के नाम से जारों किया जाएगा।

#### अनिवासी भारतीय निवेशक को आय वितरण

प्लान के अंतर्गत आय मुद्रा नियंद्यण विनियमों के अनुसार अदा की जाएगी। आय के भुगतान की वर्तमान स्थिति इस प्रकार है:

- (i) बारंड निवेशक के नाम जोरी किया जा तक ना है तथा सदस्य के रनशर्द्ध राश्वरणो बाते में जना करने के निर्जन के किया है के रिस्तेश हो में जा जा सकता है नो मारत का निवासो हो, सब ना
- (ii) बारंट किसो ऐसे रिशोबार के नाम जारो किया जासकता है जो भारत का जिलाओ हो नर्या उसे भोजाजा सकता है निर्धित कह अपने बार्गि जैना कर सके।

मिसक आय थोजना 1997 (IV) [एमआईएस' 97 (IV)] का ब्यौरा जारी

III. इस योजना से संबंधित आस्तियों का मूल्यांकन :

- (1) अवरुद्ध अविध के अधीन बाले निवेणों सहिश उधृत निवेशों का मूल्यांकन, मूल्यांकन की तारीख को बाजार में बन्द मूल्य पर या मूल्यांकन की तारीख से साठ दिन पूर्व की अविध में बिल्कुल हाल ही की उपलब्ध दर पर किया जाता है। यदि मूल्यांकन की तारीख से साठ दिन पूर्व की अविध हेतु कोई भाव उपलब्ध नहीं है तो उसे अनोधृत निवेण माना जाता है।
- (2) उधृत डिवेंचरों और बाण्डों के मामले में, बाजार दर, जो ब्याज सहित है उसे ब्याज तस्व, यदि कोई हो, के लिए समायोजित किया जाता है।
- (3) अनोधृत/गैर-ध्यापारिक इक्षिटी शेयरों का मूल्यांकन प्राप्तियों के पूंजीकरण और बही मूल्य (विश्लेषित मूल्य) के औंसल में से 10% घटाकर अथवा बहो मूल्य पर जो भी कम हो, किया जाता है।
- (4) अनोधृत डिबेंचर, बाण्ड और अंतरणीय नोट परिपक्षता पर प्रतिफल के आधार पर जैसा कि ट्रस्ट के न्यासी मंडल द्वारा निर्धारित हो, मूल्यांकित किए जाते हैं।
- (5) अनोधृत वारंट, पड़े हुए शेयरों की बाजार दर पर, आय तत्व, यदि कोई हो, के लिए बट्टा काटकर तथा वैय प्रायोगिक मूल्य से कम करके, लिए जाते हैं। जिन मामलों में इस तरह लिए गए मूल्य से प्रायोगिक वैय मूल्य ज्यादा हो, वहां वारंटों का मूल्य धून्य लिया जाता है।
- (6) कोनस/अधिकार पान्नता को पूर्व बोनस/पूर्व राइट्स तिथियों को लिया जाता है।
- (7) परिवर्तनीय डिबेंचर और बाण्ड, जहां मिश्र बाजार मान उपलब्ध न हो, वहां परिवर्तनीय भाग का मूल्यांकन, संबंधित इनिवटी शेयरों, जिनमें लाभांग तत्व, यदि कोई हो, के लिए बट्टा काट कर किया जाता है। ऐसे डिबेंचरों एवं बाण्डों का अपरिवर्तनीय भाग, यदि कोई हो, का मूल्यांकन, परिपक्वता पर प्रतिफल के आधार पर, जैसा कि ट्रस्ट के न्यासी बण्डल द्वारा निर्धारित हो, किया जाता है। जहां परिवर्तनीय भाग के लिए परिवर्तन की मतें विनिर्दिष्ट न हों, वहां उन्हें लागत पर लिया जाता है।
- (8) मुद्रा बाजार लिखतों का मूल्यांकन एक से अधिक डीलर या दलाल से प्राप्त भाव के आधार पर किया जाता सकता है।
- (१) सरकारी प्रतिभूतियों का मूल्यांकन, प्रचलित बाजार दरों पर ग्राक्षारित, परिषक्यता पर प्रतिफल (बाई०टी०एम०) ग्राह्मार पर किया जाएगा।
- (10) उपरोक्त पैरा (1) से (9) तक के अनुसार यथासंगणित निवेशों के सकल मूल्य की तुलका ऐसे निवेशों की कृल लागत से की जाती है और परिणामी मूल्यहास, यवि कोई हो, को राजस्व लेखें से प्रभारित किया जाता है।

1V. शुद्ध श्रास्ति मूल्य (एन० ए० बी०) का परिकलन श्रीर पकटीकरण:

योजना के श्रंतर्गत जारी यूनिटों के शुद्ध श्रास्ति मूल्य का परिकलन योजना के उपचयों श्रीर उपबंधों को ध्यान में रखते हुए योजना की श्रास्तियों के मूल्य को निर्धारित कर और योजना की देयताश्रों को घटाकर किया आएगा। प्रति यूनिट शुद्ध श्रास्ति मूल्य का परिकलन योजना के एन० ए० वी० में उस तिथि को जारी श्रीर बकाया यूनिटों की कुल संख्या से भाग वे कर किया जाएगा। योजना का एन० ए० वी० मासिक श्राय विकल्प श्रीर पूंजी वृद्धि विकल्प के लिए श्रलग-सलम निर्धारित किया जाएगा। ज्ञाट के श्रारंभ होने के छः माह बाद श्रीर उसके बाद मासिक श्राधार पर शुद्ध श्रास्ति मूल्य (पूर्ववर्ती श्राक्षार पर) समाचार पत्रों में श्रकाशन हेत् जारी किया काएगा।

## V. (क) निवेश उव्वेश्य ः

योजना का नियेश उद्देश्य मुख्यतः ग्राहक को नियमित मासिक आय उपलब्ध कराना तथा योजना की परिपक्वत। पर ग्राहक की पूजी में वृद्धि के लिए प्रयत्न करना भी है।

योजना के अन्तर्गत संग्रहोत निधियों का सभी प्रारंभिक परिचालन पूर्व और परिचालनगत खर्चों का प्रावधान करने के बाद सामान्यतः निम्न स्पामें निवेश किया जाएगा:

- (1) निधियों का कम से कम 80 प्रतिशत नियत आय प्रतिभृतियों एवं मुद्रा बाजार लिखतों में निवेश किया जाएगा । निवेश का जोखिम तत्व न्यून से मध्यम होगा ।
- (2) निधियों का 20 प्रतिशत इक्विटी, इक्विटी सम्बन्धी लिखतों में निवेश किया जाएगा। जोखिस तत्व इक्विटी निवेश में उच्च हो सकता है।
- (3) भुद्रा बाजार में लिखतों में निवेश, इस सम्बन्ध में सेबी द्वारा समय-समय पर जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप होगा ।

पूर्वोक्त के बाअजूद, बाजार की स्थितियों/निवेश के लिए उपलब्ध अवसरों पर निर्भर करते हुए निधि प्रबंधक के स्विविवेक के अनुसार निवेश का अनुपात तथा प्लान के दोनों विकल्पों के अन्तर्गत संग्रहीत विकी का प्लान के अन्तर्गत कुल बिकी से अनुपात घट-बढ़ सकता है।

ऊपर बताए गए निवेश उद्देश्यों के अनुसार योजना की निधियों के प्रतिभूतियों में विनियोजन किए जाने तक ट्रस्ट योजना की निधियों का निवेश अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के अल्पावधि जमाओं में कर सकता है।

# (ख) निवेश नीतियां

(1) सभी ऋण लिखतें जिनमें योजना द्वारा निवेश किया जाता है, उनके निवेण दर्जें का निर्धारण समय-समय पर मान्यता प्राप्त किसी केंखिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा किया जाएगा, बगर्ते यदि ऋण लिखत का निर्धारण नहीं किया गया हो, तो निवेश के लिए ट्रस्ट के न्यासी मंजल से विशिष्ट अनुमोदन लिया जाएगा।

- (2) इस योजना द्वारा कोई सावधि ऋण नहीं दिये जाएंगे।
- (3) इस योजना से दूसरी योजना/ज्नान में अंतरण कैयल तभी किया जाएगा जब:---
  - (क) उब्रुत लिखतों के लिए प्रचलित बाजार मूल्य पर ऐसे अंतरण स्पाट आधार पर किए गए हों।
  - (ख) ऐसी अंतरित प्रतिभूतियां उस योजना∤प्लान के निवेश उद्देश्यों के अनुरूप हों जिनमें ऐसे अंतरण किए जाते हैं।
  - (ग) प्लान की असूचीबंद्ध या उधृत न किए गए निवेशों का ट्रस्ट की अन्य योजना/प्लान में अंतरण यू०टी०आई० के न्यासी मंखल द्वारा निर्धारित नीतियों के अनुसार किया जाएगा ।
- (4) योजना ट्रस्ट या किसी दूसरे म्यूनुअल फंड की किसी अन्य योजना/प्लान में कोई शुक्क प्रभारित किए बिसा निवेश कर सकती है, बशर्ते ट्रस्ट की सभी योजनाओं द्वारा किया गया कुल अन्तरथोजना निवेश या किसी दूसरी आस्ति प्रबंधन कंपनी ब्रारा प्रबंधित योजनाओं में किया गया निवेश ट्रस्ट के शुद्ध आस्ति मूल्य के 5 प्रतिशत से अधिक न हो।
- (5) ट्रस्ट प्रतिगृतियों का कथ विकय सुपूर्विगयों के आधार पर करेगा और खरीद के सभी मामलों में सम्बन्धित प्रतिभृतियों की सुपुर्दगी लेगा और बिकी के सभी मामलों में प्रतिभृतियों की सुपुर्दगी करेगा और किसी भी मामलों में खुद को ऐसी स्थिति में नहीं डालेगा जिससे इसे मंदि आ बिकी करनी पड़े या सौदे का वायदा (कैरी फारवर्ड) करना पड़े या बदला में लिप्त होना पड़े।
- (6) जब भी निवेश दीर्घावधि प्रकृति के होने वाले हों, द्रस्ट योजना की ओर से प्रतिभूतियों की खरीद या अंतरण ट्रस्ट के नाम से करवाएगा।
- (7) योजना यूनिटों की पुनर्खरीद, प्रतिदान या ब्याज की अदायगी या सदस्यों को आय अदा करने के लिए नकदी की अस्थाई जरूरतों की पूरा करने के लिए उधार लेने के सिवा उधार नहीं लेगी। परन्तु उधार योजना की मुद्ध आस्ति के 20% से अधिक नहीं लिया जाएगा और इस तरह के उधार की अवधि छ: माह से अधिक नहीं होगी।

प्तान की प्रतिमूर्तियों के लेन-देन के लिए शेयर-दलाली फर्म और यूटीआई की सहायक संस्था यूटीआई सिक्योरटीज एक्सचेंज लिमिटेड (यूटीआई-एसईएल) की सेवार्ये ली जा सकती हैं जो नीतियों के अनुसार हों और ट्रस्ट के न्यासी मंडल द्वारा तय की गई सीमाओं के अधीन हों। यूटीआई एस ई एल 1994 में स्थानिस की गईथी। यह निबे-शकों की आवश्यकताओं के अनुरूप उचित, पारदर्शी और कुशल सेवाएं प्रदान करती है। इसका पंजीकृत कार्यालय मुंबई में है।

(ग) स्वापि, उत्तर खण्ड III, IV और V (ख) के सबंघ में किसी भी बात के होते हुए, आस्तियों का मूल्यांकन, गुढ़ आस्ति मूल्य का अभिकलन, पुनर्खरीव मूल्य और उनके प्रकटीकरण का अंतराल सेबी द्वारा समय-समय पर जारी सेबी (एमएक) विनियमों के प्रावधानों/दिशा निर्वेशों ग्रीर निर्देशों के अनुसरण में होगा।

VI. योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के प्रयोजनार्थ ट्रस्टों को स्वीकृति और मन्यता नहीं विया जाना :

- (1) जो व्यक्ति सदस्य के रूप में पंजीकृत है और जिसके नाम से सदस्यता सूनना/यूनिट प्रमाणनत्र जारी किया गया है, वही व्यक्ति द्रस्ट द्वारा सदस्य के रूप में मान्य होगा और चूंकि ऐसे यूनिटों में उसका अधिकार, हक और हिन है, इसिल वे द्रस्ट ऐसे सदस्य को उसके पूर्ण स्वामी के रूप में मान्यता देगा और इस योजना से तबंधित यूनिटों के हक को प्रभावित करने वाले किसी त्यास या इक्जिटी या अन्य हित को मान्यता देने के लिए यहां स्पष्ट रूप से किए गए प्रायधान या किसी सक्षम प्राधिकार वाले त्यायालय के आदेश को छोड़कर किसी विनरीत नोटिस या किसी न्यास के निष्पादन पर ध्यान देने के लिए बाध्य नहीं होगा।
- (2) जब कोई व्यक्ति, किसी अन्य व्यक्ति जो मानसिक रूप से विकलांग है, के लाभ के लिए आवेदन करता है और दूस्ट द्वारा उसे स्वीकार किया जाता है तो यह नहीं माना जाएगा कि दूस्ट ने किसी विश्वास को ध्यान में रखा है। दूस्ट योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के अंतर्गत सभी प्रयोजनों के लिये आवेदक या आवेदक को मृत्यु होने पर आवेदन पत्न में वैकल्पित आवेदक के रूप में उल्लिखित व्यक्ति के साथ व्यवहार करेगा।
- VII. यूनिटों का अंतरण/गिरवी रखा जाना/समनुदेशन : इस योजना के अंतर्गत जारी यूनिटें निम्नलिखित शर्ती के अधीन अंतरणीय/गिरवी रखें जाने योग्य/समनुदेश-नीय होंगी :
- (क) इस योजना के प्रावधानों के अनुसार जारी यूनिट प्रमाणपत्न (सदस्य सूचना नहीं) परकाम्य है और जैसाकि इस प्लान के प्रावधानों के खण्ड III में उल्लेख किया गया है इसे व्यक्तिगत, व्यक्त या अन्य श्रेणियों को अंतरित किया जा सकता है।
- (ख) यूनिट धारण करने की क्षमता रखने वाले अंतरणकर्त्ता और अंतरिती के द्वारा और बीच अंतरण प्रभावकारी होगा। किसी अन्य अंतरण को मान्यता देने के लिए ट्रस्ट बाध्य नहीं होगा।

- (ग) संबंधित यूनिट प्रमाणपत्नों के साथ अंतरण वस्तावेज और अंतरण माह सिंहत और तक अनम्तावे गए बारंट (मासिक आप विकल्प के मामने में) तथा द्रस्ट क्षारा समय-समय पर निर्धारित शुलक इस कार्य हेतु तिपृक्त किए जा सकते हैं।
- (घ) ट्रस्ट के कियों भी कार्याना में प्रस्तृत या कार्यातय द्वारा स्त्रीकृत अंतरण तलेख नजवीक के रिजस्ट्रार के कार्यालय में अग्रेषित किए जाएंगे।
- (क) प्रत्यंक प्रंतरग लिखत पर अंतरगकर्ता तथा अंतरिती के हस्ताक्षर होंगे और रिजिल्ट्रार द्वारा अंतरितो का नाम धारकों के रिजिल्टार में दाखित करते तक अंतरण-कर्ता को हो पूनिट का धारक समझा जाएगा।
- (च) प्रतरमकर्ता के स्वत्वाधिकार या उसके यूनिटों का प्रंतरण करने के अधिकार के समर्थन में रिजिस्ट्रार ऐसा कोई सबूत मांग सकते हैं जो उन्हें आवश्यक लगे।
- (छ) यदि यूनिट प्रतागनम् जो गया हो, चुरा जिया गया हो, नष्ट हो गया हो तो कुछ अनेसाओं, जिन्हें रजिस्हार जरूरो सनझे, को पूरा करने के बाद मूत यूनिट प्रमाग-पत्न को प्रस्तुति के तंत्रेय में रजिस्हार कूट देंगे।
- (ज) दूतिटों के प्रंतरण का गंत्रोकरण होते पर प्रंतरण के सभी जिब्रत और यूतिट जनाण नज रजिल्ह्रार के पास रहेंगे।
- (स) अंतरण को मान्यना देने बाले नया बंबी कृत करने बाले रिजिस्ट्रार, उन्त अंतरण एवं प्रमाणकों तथा बारटों की जारो करने के तंबंध में देन प्रमाण को अद्यानमें तथा कहानी तथा बारटों के बाद, मूल प्रमाणका पूर्विक प्रमाण नज्ञ और आम विजरण बारड, यदि कोई हों (नालिक आय विकस्प के मानने में) अतरितों को जारो करेंगे।
- (इन) परि होई नंदियों अविहारिक जनता के कारण विधि के परिवान से पा निर्दो जागू हो। पर नानू विज बैंक पूनिटों का बारक बन नाता है तो इन्धुह अंत-रितो पूनिटों के बारण के लिए अन्या पात्र हो। पर रिजस्ट्रार ऐसे साक्ष्य जिसे पर्याप्त सनकीं, के अस्तुती-करण के अधीन अंतरण प्रमावी करेंगे।
- (ट) इतनें कार उल्तिबान प्रान्धानों के अभीन ट्रस्ट अंतरण को पंजीकृत करेगा और यूनिट प्रमाग पन्न दाखिल करने को तिथि से 30 दिनों के भोतर अंतरितों को आय बारट, यदि कोई हो, सहित यूनिट प्रमाण पन्न अंतरण संबंधों सभी लिखतों के साथ बागस करेगा।
- VII. विकास प्रारक्षित निधि (डी०मार०एक०) में संगरान :
  प्रत्येक वर्ष मासिक भौसत गुद्ध प्रास्ति मूल्य का 0 25 %
  दूस्ट के डी०मार०एक० में अभावान के रूप में रजा कालगा
  डी० ग्रार० एक० ग्रंगदान प्रावर्ती व्यव का ग्रंग होगा।

ट्रस्ट ने इस निधि की स्थापना एक सामान्य निधि के रूप में 1983-84 में की थी ताकि दूस्ट नई योजनान्नों को लागू करने के संबंध में अनुसंधान एवं विकास कार्यों को करने, नई पद्धतियों और प्रक्रियाओं का ग्रवधारणा के स्तर पर प्रवर्तन करने तथा उत्पादन एवं विकास से संबंधित ऐसे बहुत से भ्रन्य कार्यों जो किसी विशेष योजना से जुड़े प्रथवा संबंधित न हों, पर होने वाले क्ययों को पूराकर सके। इस निधिका उपयोग ग्राधिक ग्रीर बंजी बाजार, अनुसंधान, प्रबंधन और व्यावसायिक प्रशिक्षण, ट्रस्ट के लिए सर्वेक्षण एवं बाजार अनुसंधान, मार्केटिंग भीर कार्पोरेट के छवि निर्माण संबंधी ऐसे प्रयासों जो किसी विशेष योजतासे जुड़े हुए न हों तथा भान**य**ः संसाधन विकास संबंधी प्रयासों जिनका दीर्घकालिक प्रभाव हो ग्रीर जो दूस्ट के भविष्य के कार्यकलायों से संबंधित हों, तथा ट्रस्ट की किसी भी योजनाओं में विए गए ग्रास्वासित प्रतिकत की दर में कती होते पर, उनकी पूर्ति करने के लिए भी किया जा सकता है।

कर्मचारी कल्याण ट्रस्ट में श्रंशदानः

प्रत्येक वर्ष मासिक भौसत शुद्ध प्रास्ति मूल्य का 0.10 प्रतिशत कर्मचारी कल्याण ट्रस्ट में मंगदान के रूप में रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारी कल्याण ट्रस्ट की स्थापना श्रपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए की है जिसमें विपत्ति में सहायता, विकि सा सहायता, स्वास्थ्य सहा-यता भयवा इसी प्रकार के मध्य प्रयोग शामित हैं।

#### X. लेखों काप्रकाशनः

दूस्ट प्रत्येक वर्ष 30 जून के बाद प्रयागोध्न बोई द्वारा विनिद्धिष्ट रीति से लेखों को प्रकाशित करेगा, जिसमें उस तिथि को सनाप्त प्रविश्व का यो का और उसके प्रन्तर्गत बने प्लान के कार्यों का विवरण होगा। दूस्ट सेबी को विधिवत रूप से परीक्षित त्लनरत सहित वार्षिक लेखों की प्रतिया भीर राजस्व लेखा, भपरीक्षित अर्ध वार्षिक लेखों भीर एन०ए०बी० में हुए उसार चड़ाव का एक तिमाही पोर्ट फोलियो विवरण पिछली प्रविध में हुए परिवर्तनों सहित भेजेगा। दूस्ट निवेशकों को वह जानकारी देगा जो उनके निवेश पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने के बारे में हो और जिनका सूचित किया जाना भावश्यक हो। दूस्ट, सदस्य से लिखित रूप में भन्रोध प्राप्त होने पर, उसे प्रकाशित लेखों श्रीर विवरणों की एक प्रति भेजेगा।

XI योजना और उसके भन्तर्गत बने प्लान में परिवर्धन भीर संशोधनः

> बीर्ड समय-समय पर इस योजना और इसके प्रश्तांत बने प्लान में परिवर्धन या अन्यया संशोधन कर सकता है भीर उसमें किए गए परिवर्धन/संशोधन की ध्रिधसूचना सरकारी राजनत में को जाएगी। कितो तगोधन के मामल में सेवी का पूर्व धनुमोदन लिया जाएगा।

जब योजना की मूल विशेषताओं या द्रस्ट या शुल्क या देय प्रभारों में या श्रन्य कोई ऐसा परिवर्तन किया जाना हो जिससे योजना परिवर्तित हो जाए या सदस्यों के हिसों पर प्रभाव पड़े तो ऐसे परिवर्तन करने के लिए तीन-चीयाई से ग्रधिक सदस्यों को सहपति सी जाए:

परन्तु यह कि तब तक ऐसा कोई परिवर्तन म किया जाए जब सक तीन-चौयाई सदस्यों ने अपती, सहमति न दे दी हो और जो अपती सहमती न दें उन्हें योजना से अपनी घारिताएं मोचित करने की अनुमति है।

स्पब्सिकरण: इस खण्ड के प्रयोजन के लिए "मूल विशेष-ताम्रों" का भ्रयं है निवेश उद्देश्य तथा योजना की सर्ते।

## XII योजना भौर उसके भ्रन्तर्गत बने प्लान की समाप्ति :

- (क) प्लान 31-10-2002 को पूर्ण रूप से समाप्त किया जाएगा, सदस्यों के बकाया युनिटों की पुनर्खरीद की जाएगी ग्रीर सवस्यों को उनके यूनिटों के मृत्य की ग्रदा॰ यगी उक्त मनिध के दौरान ग्रन्तिम पुनर्वरीय के लिए निर्धारित पुनर्जरोज मुख्य पर की जाएगी। निर्धारित पूनर्जरीय मृत्य की प्राप्ति के ग्रलावा बाद की किसी अप्रविधिके लिए पुनर्बरीय मृत्य में वृद्धि या श्राय के रूप में किसी प्रकारका कोई अतिरिक्त लाभ उपित नहीं होगा। फिर भी, ट्रस्ट, सेबी की पूर्व अनुमति से इस योजनाको ठवर्षीसे मार्गेब झाने का प्रविकार सुरक्षित रखता है। ऐसी स्थिति में सदस्यों को विकल्प दिया जाएगा कि या तो वे यूनिटों को वापस ट्रस्ट को बेच दें अथवाइस योजनामें बने रहें। ट्रस्ट द्वारा निवेशक को यह विफल्प भी वियाजासकता है कि वह पुनर्बरीय की राशि को बारम्भ की गई अथवां उस सनय परिचालन में रहने वालो किसी भी यो जना में परिवर्तित कर सके।
  - (ख) द्रस्ट योजना श्रीर उसके श्रन्तर्गत बनाए गए प्लान को निम्नलिखित परिस्थितियों में समाप्त कर सकता है:
    - (i) प्लान के पांच वर्ष पूरे होते पर अर्थात् 31 अक्तू-यर, 2002 को अथवा 5 वर्ष के आगे ऐसी तारीख की समाप्ति पर जो ट्रस्ट द्वारा ययानि अरिस हो।
    - (ii) कोई ऐसी घटना घटित होने पर जिससे द्रस्ट की राय में योजना और उसके अन्तर्गत बने प्लान की समाप्ति आवश्यक हो, या
    - (iii) योजना के 75 % सदस्यों द्वारा योजना को समाप्त करने का संकल्प पारित करने पर, यां
    - (iv) सपस्यों के हित में सबी ऐसा करने के लिए निर्देश दें।
    - (ग) जहा उपयूक्त उप खण्ड (ख) के अनुसरण में योजना की समाप्ति की जाती है, ती ट्रस्ट योजना को समाप्त करने नाले कारणों की सूचना, समापन के कम से कम एक सप्ताह पहले सेवी को भीर ग्रखिल भारतीय स्तर पर

- परिचालित होने बाले दो दैनिक समाचार पत्नों में श्रीर मुम्बई में एक स्थानीय भाषा के समाचार पत्न में देनी होगी।
- (घ) योजना की समाप्ति संबंधी विज्ञापम की तिथि को श्रीर उस तिथि से ट्रस्ट---
  - (i) इस योजना से संबंधित कोई भी ष्यावसायिक कियाकलाप नहीं करेगा।
  - (ii) इस योजना के प्रन्तर्गत यूनिटों को उत्पन्न ग्रीर रवृद करना बंध करेगा।
  - (iii) इस योजना में यूनिटों को जारी करना श्रीर . यूनिटों का प्रतिश्वान भी बंद करेगा।
- (ङ) न्यासी मण्डल सदस्यों की एक बैठक बुलाएगा जिसमें उपस्थित सदस्यों द्वारा विचार किया जाएगा तथा साधारण बहुमत से आवश्यक संकल्प पारित किया जाएगा और मतदान द्वारा न्यासियों अथवा किसी अन्य व्यक्ति की योजना की समाप्ति हेन् कदम उठाने के लिए प्राधिकृत किया जाएगा।

परन्तु यवि योजना परिपक्ष्वता अवधि के पूरा होने पर संमाप्त को जाती है तो बैठक आवश्यक नहीं होगी।

- (च) (i) न्यासी मंडल या योजना के उन खंड (ड) के अन्तर्गत प्राधिकृत व्यक्ति योजना से सम्बन्धित आस्तियों को योजना के सवस्यों के सर्वोत्तम हिंत में निषदाएगा ।
  - (ii) उत्पर दिए गए खण्ड (च)(i) के अनुसार कीं
    गई बिकी की राणि को पहले दृष्टान्त में,
    योजना के अन्तर्गत ऐसी देयताओं के उन्मौचन
    के लिए उपयोग किया जाएगा जो उचित रूप
    से देप हों और ऐसी समाप्ति से सम्बन्धित व्ययों
    की चुकाने के लिए उचित प्रायक्षान करने के
    बाद समाप्ति का मिर्णय लेने वाली तिथि को
    योजना की आस्तियों में यूनिट धारकों के हित
    के समानुपात में उन्हें शेष राशि का मुगतान
  - (छ) समाप्ति पूरी होने पर, ट्रस्ट सेकी और सदस्यों को समाप्ति के बारे में एक रिगोर्ट प्रेषित करेगा जिसमें ऐसी परिस्थितियां, जिनके कारण योजना समाप्त हुई, समाप्ति से पूर्व आस्तियों के निपटान के लिए उठाए गए कदम, समाप्ति के लिए की गई योजना का ब्यय, सदस्यों की वितरण के लिए उपलब्ध सुद्ध आस्तियों के विवरण और योजना के लेखा परीक्षकों से प्राप्त एक प्रमाण पन्न भेजेगा।
  - (ज) इसमें ऊपर दी गई किसी भी बात के बावजूब, सेबी (म्यूचुअल कंड) विनियम 1996 के प्रावधान, अर्थवाधिक रिपोर्ट और वाधिक रिपोर्ट के प्रकटोकरण के लिए लागू रहेंगे ।

- (क्त) खण्ड XII (छ) में संदक्षित रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद यदि सेवी संतुष्ट हो जाती है कि योजना समाप्त करने की सारी कार्यवाही पूरी हो गयी है तो योजना समाप्त हो जाएगी।
- (ङा) द्रस्ट द्वारा पुनर्खारीद के लिएं अनुरोध पत्न के साथ सदस्यता सूचना/ विधिवत् रूप से उन्मोजित यूनिट प्रमाणपत्न प्राप्त होने पर और अन्य प्रक्रिया और परिचालन सम्बन्धी औपचारिकताएं पूरी करने पर यथाशीझ पुनर्खारीद मूल्य का भुगतान किया जाएगा। सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्न पुनर्खारीद के लिए प्राप्त अनुरोध पत्न और अन्य फार्म, यदि कोई हों, द्रस्ट द्वारा रहकरण के लिए रखा लिए जाएंगे।
- (ट) अनिवासी निवेशकों के मामने में पुनर्वरीष/परिपक्षता राणि निवेश के स्रोत रह निर्भर हरते हुए निस्नानुसार विप्रेणिस की जाएगी:
  - (i) जब यूनिटों की खरीद विदेश से विशेषित विदेशी
    मुद्रा से की गई हो अथवा सदस्य की एफ सी ।
    एन आर जनाओं की राशि से की गई हो
    अथवा सदस्य के भारत में स्थित अनिवासी(बाह्र)
    खाते में घारित निधियों से की गई हो तो प्राप्तियां,
    सदस्य को विदेशी मुद्रा में विशेषित की जा
    सकती हैं।
  - (ii) जब यूनिटों को खरोद सदस्य के अनिकासी (सामान्य) खाते में धारित निक्षियों से की गई हो तो परिपक्वता चेक भारत में निवेशक के रिक्ष्तेदाफ को प्रेषित किया जाएगा।

#### XIII. उपबंधों के अर्थ निर्धारण का अधिकार:

योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के किसी भी उपबंध की व्याख्या में कोई मंदेह उत्पन्न होते पर केत्रल अध्यक्ष और यदि उस समय कीई अध्यक्ष नियुक्त न हो, तो कार्यपालक न्यासी को योजना और उसके अंतर्गन बने प्लान के उपबंधों के अर्थ निर्धारण का अधिकार होगा। ऐसा अर्थ किसी भी रूप में प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला या योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की मूल संरचना के विपरीत नहीं होगा तथा ऐसा निर्णय निश्चायक, बाध्यकारी और अंतिम होगा। इसके अंतर्गत बने योजना के प्रावधान और प्लान के प्रावधान, जैंसे योजना में कहा गयाहै, एक दूसरे के साथ पढ़े जाएं।

#### XIV उपबंधों में दील:

केवल अध्यक्ष और यदि कोई अध्यक्ष नियुक्त न हो तो ट्रस्ट का कार्यपालक न्यासी कठिनाइयों को कम करने के उद्देश्य से या योजना और उत्तके अंग्यंत बने प्लान के निर्वाध और सहज संचालन के लिए योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के किसी भी उपभंध में सेबी को सूचित करते हुए ढील दे सकता है, बशर्से किसी सदस्य या सदस्य वर्ग के लिए ऐसा करना समीजीन हो। पेशकश वस्तावेज में कोई परिवर्तन सेवी के पूर्व अनु-मोदन के बाद ही किया जाएगा ।

XV योजना भौर उसके अंतर्गत बना प्लान सदस्यों के लिए बाध्यकारी होगा:

इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान की शतों के साथ समय-समय पर इनमें किये गये संशोधन और परि-वर्तन प्रत्येक सदस्य और उसके माध्यम से दावा करने वाले हरेक अन्य व्यक्ति के लिए इस प्रकार बाध्यकारी होंगे, मानो वह इसके लिए सहमत हो कि योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के उपबंधों में अंतर्विष्ट किसी विपरीत बात के बावजूद ऐसा करने के लिए वाध्म हो ।

#### XVI. सदस्यों को लाभ:

योजना और उसके अतर्गत बने प्लान की समाप्ति के समय पूंजी, प्रारक्षित निधि और अधिशेष के सम्बन्ध में योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में उपिचत सभी लाभ केवल उन्हीं सदस्यों को प्राप्त होंगे जो योजना और उसके ग्रंनर्गत बने प्लान की समाप्ति तक पूरी अवधि के लिए यूनिट के धारक रहे हों।

प्लान के सदस्यों का अनुगोदन निस्तलिखित परिस्थितियों मौंगा जाएगाः

- (i) सदस्यों के हित में जब कभी सेवी बाराऐसा किया जाना अनेक्षित हो; या
- (li) प्लान के तीन-चौथाई सदस्यों द्वारा जब कभी माग करने पर ऐसा किया जाना आवश्यक हो;
- (iii) जबन्यासियों ने बहुमत से समाप्त करने का निर्णय लिया हो या यूनिटों का समयपूर्व प्रतिदान किया जाए, या,
- (iv) जब कोई परिवर्तन योजना के खण्ड XI में उल्लिखित मूलभूत विशिष्टताओं में या गुल्क और देय व्यय में किया जाना हो या अन्य कोई परिवर्तन जिससे प्लान संशोधित होता हो या सदस्यों का हिन प्रभावित होता हो, तो ऐसा प्रस्तावित परिवर्तन तब तक न किया जाए जब तक तीतवनीयाई सदस्यों की सह-मति न ले ली जाए।

कर मार्गेदर्भक कर रियायलें

प्लान के ग्रंतर्गत आय और पूंजी वृद्धि पर कराधान प्रचिलत कर कानूनों के अवीन होगा । वर्तमान कराधान कानूनों के अनुसार "एम०आई०पी०-97 (LV)" सिहत ट्राइ की सभी योजनाओं के अन्तर्गत सभी निवासियों और अनिवासियों (यदि यूनिटों की खरीद अनिवासी खाते से अवायगी के जरिए की नई हो, व्यक्तियों एवं ए च०यू०एफ० को हुई आय से हो) को यूनिटों से प्राप्त आय पर आयकर अधि नियम, 1961 की धारा 80 एन के अंतर्गत 15,000/- तक की कुल सीमा तक आय से कटौती उपलब्ध होगी ।

इस प्लान के अंतर्गत होने वाला कोई भी दीर्घावधि पूंजी अभिलाभ आयकर अधिनियम 1961 की धारा 48 और 112 में दिए गए निर्वेणों के अधीन होगा।

इस प्लान के अंतर्गत मुनिटों में किए गए निवेश का मूक्य धनकर से मुक्त है।

धारा 54 ई ए के अंतर्गत पूंजीगत अभिलाभ कर छूट

दीर्घावधि, पूंजीगत म्रास्तियों के मन्तरण से प्राप्त होने वाली सम्पूर्ण या म्रांशिक शृद्ध राणि का एम० माई० पी०—97(IV) में किया गया निवेश मायकर म्रधिनियम, 1961 की धारा 54-ई ए के मन्तर्गत पूंजीगत मिलाभ कर छूट के लिये पात होगा, बशर्त पुनर्खरीव /मन्तरण/गिरवीकरण, यूनिटों की मावंटन तिथि मे तीन वर्षों के बाद कियं/जाये। रखें जायें।

## पास्न ट्रस्टों के लिये

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 11(2) (बी) के प्रन्तर्गत यूनिट स्वीकृत प्रतिभूतियां हैं। मतः यूनिटों में निवेग कर रहे पात ट्रस्ट प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 11 ग्रीर 13 के भन्तर्गत ग्राय ग्रीर निधि के लिये ग्रावश्यक कर छट के योग्य होंगे।

### स्त्रोत पर कर की कटौती

#### निवासी

वर्तमान कराधान कामूनों के प्रमुक्तार धारा 194 के, के प्रधीन ट्रस्ट द्वारा इस प्लान के मासिक प्राय विकल्प के प्रन्तगंत व्यक्तिगत सदस्यों को देय प्राय पर 15% की दर से स्रोत पर प्रायकर की कटौती की जायेगी बगर्ते वितीय वर्ष के दौरान यह प्राय रू० 10,000/- से प्रधिक हो।

इसी प्रकार, हिन्दू अभिनक्त परिवारों (एव० यू० एक०) को देय आय से स्रोत पर 15% की घर से कर की कटौती की जायेगी यदि यह आय वित्तीय वर्ष के दौरान क० 10,000/-से अधिक हो।

इसी प्रकार, कम्पिनयों को देय आय से स्रोत पर 20% की दर से कर की कटौती की जायेगी यदि यह आय वितोय वर्ष के दौरान 10,000/- से अधिक हो।

#### भ्रतिवासी

वित्त प्रधिनियम 1995 के प्रनुसार, आयकर प्रधिनिप्रम, 1961 की धारा 196 ए को प्रनिवासी द्वारा यू० टी० आई० की किसी भी योजना के यूनिटों के संदर्भ में प्राप्त आय पर 20% की दर से स्रोत पर कर को कटौती किये जाने हेतु प्रतिस्थापित कर दिया गया है जिन्हें उन्होंने अनिशासी (सामान्य) खाते से प्रदायगी करके प्रजित किया हो।

भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, द्वारा जारी विनांक 24 जनवरी, 1996 के परिपत्न सं० 734 एक० सं० 500/4/96-एफ० टी० डी० के प्रृतुसार यू० ए० ई० में रहते वाले अनिवासी सदस्यों को डोहरे करांबार में बवाब हो,

जहां निधि को स्रोत एन० आर० स्रो० खाता है, स्रोत पर 15% की रियायनी दर से कर कड़ीती की जायेगी। कर कड़ीती नहीं

#### निवासी :

सदस्य (कम्पनी या फर्म को छोड़कर) जो स्त्रोत पर कर की कटौती के बिना आय चाहते हैं उन्हें ट्रस्ट को लिखित रूप से निर्धारित कार्म सं० 15-एच पर दो प्रतियों में घोषणा प्रस्तुत करनी चाहिये और उसे इस आशय की निर्धारित ्रीति से सत्यापित किया जाना चाहिये कि उसकी गत वर्ष की अनु-मानित कुल आय पर कर "गून्य" होगा। स्रोत पर कर की कटौती नहीं करने सम्बन्धी निर्धारित फार्म आवेदन पत्र के साथ तथा उत्तरवर्ती वर्षों के लिये आय वितरण वारंटों के मेजे जाने के कम से कम तीन माह पूर्व प्रस्तुत किये जाने चाहिये, ऐसा न करने पर प्रचलित कराधान कानूनों के अनुसार कर कटौती की जायेगी।

ग्रायकर ग्रीविनियम, 1961 की धारा 11 अवशा 12. भणवा 10(22) श्रवदा 10(22 ए) श्रवता 10(23) श्रवता 10(23 एए) अथवा 10(23 सी) के श्रन्तर्गत भाने वाले पात द्रस्टों द्वारा आवेदन पत्र में उपलब्ध कराएं गर्मे प्राक्त में बीयणा किये जाने के श्राक्षार पर उन पर कर की कटीती नहीं की जायेगी।

### ग्रनिवासी

स्रितिशासियों के मामने में, यदि यूनियों को खरीद सीत्रे विदेशी मुद्रा के विदेषण के जरिये अथवा भारत में रखे गये श्रिनिवासी (बाहर) खाते के जरिये स्रथवा एफ सी० एन० आर जमास्रों को राशि से की गई है तो ऐने यूनिटों से प्राप्त आय पूर्णतया ग्रायकर से मुक्त है।

उपरोक्त भामते में यू० टी० आर्द० स्रोत पर कर की कटौली नहीं करेगा, भैसे ही आय की राश कितनी भी हो।

ग्रायकर/धत-कर/उपहार-/कर पूंजीगत ग्रभिलाभ कर, ग्रनिवासी भारतीयों/ग्रो० सी० बी०/एक० ग्राई० ग्राई० द्वारा किये गये ित्रेगों के संबंधित प्रकरीकरण प्रवित्त ग्रायकर ग्रिधिनियम, फेरा ग्रीर रिजर्व बैंक के निरेगों और ग्रनुनित्यों के अनुरूप हैं।

## सदस्यों के अधिकारः

- 1. प्लान के प्रधीन सदस्यों को प्लान की ग्रास्तियों के लामकारी स्वामित्व तथा प्लान-द्वारा घोषित भ्राय में समानु-पातिक ग्रधिकार है।
- 2. सबस्यों को न्यासियों से ऐसी कोई भी जानकारी प्राप्त करने का प्रधिकार है जो उनके निवेगों पर प्रतिकृत प्रभाव रखती हो तथा सबस्यों को ऐसी जानकारी देने के लिख् न्यासी बाध्य होंगे।

3. सदस्यों को "िनरीक्षण के लिये उपलब्ध दस्तावेज" शीर्षक के अन्तर्गत स्चीबद्ध किये गये सभी दस्तावेजों का निरीक्षण करने का अधिकार है।

#### ग्रभि रक्षक

भारतीय स्टाक धारिता निगम के साथ 17 जनवरी, 1994 को हुए करार के धनुसार हमारी सभी बोजनाओं धीर प्लानों का धिमरक्षक भारतीय स्टाक धारिता निगम है जिसका कार्यालय मित्तल कोर्ट, बी० विंग, नरीमन प्लाइंट, मुम्बई—400021 में स्थित है।

श्रीभरक्षकों से यह अपेक्षा है कि वे ट्रस्ट की योजनाओं क्षण्डों/प्लानों की सभी प्रतिभूतियों की सुपुर्वगी लें श्रीर उन्हें अपनी अभिरक्षा में रखें। अभिरक्षक प्रतिभूतियों की सुपुर्वगी के बल ट्रस्ट के अनुदेशों के अनुसार और प्रतिभल प्राप्त करने पर ही करेंगे। जब तक ट्रस्ट द्वारा अन्यया निर्वेश म दिया गया हो, अभिरक्षक, एजेंट के रूप में उसके द्वारा धारित प्रतिभूतियों, अन्य आस्तियों की बिकी, खरीय, अन्तरण एवं अन्य लेन देन से संबंधित अभिरक्षा सम्बन्धी सामान्य कार्यों का पालन करने के लिये सभी गैर-विवेकाधीन एवं प्रक्रियात्मक ट्यौरों के लिये सामान्यतया प्राधिकृत होगा।

अभिरक्षक सभी सूचनायें, रिपोर्ट शचवा ट्रस्ट की योजनाओं |
फण्डों/प्लानों से संबंधित प्रतिभूतियों के बास्तविक रूप से
सस्यापन एवं मिलान और लेखा परीक्षा के प्रायोगित है। ट्रस्ट
अथवा ट्रस्ट के लेखा परीक्षकों द्वारा मांगा गया कोई भी स्पष्टीकरण उपलब्ध करायेंगे।

#### लेखा परीक्षक

मैसर्स एस० के० करूर एण्ड कं०, 16 98, एल० आई० सी० बिल्डिंग, दी माल, कानपुर—208001 और मैसर्स चार्वेदी एण्ड कम्भनी, सनवी लेखाकार, 60, बेंटिक स्ट्रीट, कलकता-700069। योजना के लेखा परीक्षकों की नियुक्त आई० डी० बी० आई० द्वारा की जाती है, और वे प्रत्येक वर्ष बदले जाने के अधीन हैं।

### निवेशकों की शिकायतें

01-07-96 से 30-06-97 तक की अवधि के लिये प्राप्त शिकायतों की संन्या, जिनका निजारण किया गया और जो निवारणाधीन हैं, उन्हें नीचे दिया गया है:

	शिकायती	की संख्या		· >: > &
योजनाका नाम	प्राप्त शिकायतें	जिनकानिवारण कियागया	नित्रारणाधीन	ल प्राप्त में से निवार- णाधीन शिकायतें
1	2	3 .	4	5
सी सी एफ	1000	930	70	7.00%
सीजीजीएफ .	9142	8985	157	1.72%
सी जी एस-83	533	450	83	15.57%
सी जी यू एस-91	4273	4245	28	0.66%
सी भार टी एंस	329	327	2	0.61%
डी ग्राई पी-91	2481	2446	35	1.41%
डी माई यूपी-93	398	398	0	0.00%
डी ब्राई यूपी−95	1514	1513	1	0.07%
डी आई यू एस-90	1853	1825	28	1.51%
डी भाई यू ए स-91	3655	3598	<b>57</b> .	1.56%
डी श्राई यू एस-92	2295	2248	47	2.05/
ई ग्रो एफ	948	947	1	0.11%
दी सी जी <b>ग्रा</b> ई	26332	25817	<sub>,</sub> 515	1.96%
जी एम ब्राई एस-91	17833	17541	292	1.64%
जी एम आई एस-92	7500	7370	130	1.73%
जी एम आई एस-92 ( <sup>I</sup> I)	720	710	10	1.39%
जी एम भाई एस बी-92	271	271	0	0.00/
जी एम आई एस बी-92 (ÎI)	1891	1859	32	1.69/
ग्रेंडमास्टर –93	1108	1103	5	0.45%

<b>नु</b> ल	609552	592950	16802	2.72
यू एस-92 —	5443	5424	19	0.35%
पू• एस-64	140705	37112	3593	2.55
यूलिय	6710	6086	624	9.30%
यू जी एस-5000 यू जी एस-5000	5207	4875	332	6.38
य जी एस-2000	6734	6289	445	6, 61%
वरिष्ठ नागरिक यूनिट प्लान	497	471	26	5.23
सेवा निवृत्ति लाभ प्लान	9 <del>-9</del> 7	868	129	12.94
राजलक्ष्मी युक्तिट प्लान	3804	3710	94	2.47
प्राह्मरी इनिवटी फण्ड	179	160	19	10.61
्रामनी प्लान	46	40	6	13 04,
एम प्राई एस जी-91	2058	2043	1.5	0.73
एम् <b>माई एस जी</b> –90(I <sup>I</sup> )	1720	1706	14	0.81
र्मधाई एस जी−90 (I)	297	276	21	7.07
एम भाई एस की−93	3971	3938	33	0.83
एम ब्राई पी-97	147	143	4	2.72
एम प्राईपी-96 (IV)	7012	6270	742	10.58
एम श्राई पी-96 (III)	5552	5444	108	1.95
एम झाई पी∸96 (II)	4793	4708	85 <sup>-</sup>	1.77%
एम माईपी-96	5164	5102	62	1.20%
र्भ भाई पी−95 (III)	67-27	5654	73	1.27%
एम माई पी−95 (II)	6691	6620	71	1.0.6%
रम ब्राईपी-95	6074	6021	53	0.87%
एम ग्राई पी-94 (III)	7199	7085	114	1.58%
रम भाई पी-94 (11)	2761	2693	68	2.46
एम बाई पी-94 (1)	2522	2463	59	2.34%
एम भाई पी~93	2615	2594	21	0.80%
रुम <b>ई</b> पी−97	1	1	. 0	0.00%
र्म <b>ई</b> पी–96	3208	4184	24	0.57%
<b>एम ई</b> पी−95	9399	9303	96	1.02%
र्म <b>ई पी−9</b> 4	24696	24244	452	1.83%
रम ६प1−92 (म ६पी−93	15259 46090	45923	167	0.36%
(म ई.पी91 एम ई.पी92	3631	3523 14747	108 512	$egin{array}{c} 2.97\% \ 3.36\% \end{array}$
गस्टर शेयर-86	<b>"22253</b>	21335	918	4.13%
गस्टर प्लस−91	11707	11333	374	3.19%
गस्ट <i>र ग्रो<b>थ</b>−9</i> 3	3465	3438	27	0.78%
<b>गस्ट</b> र गेम- 92	148646	43109	537	3.72°
गई प्राई एस एफ यू एस	. 3	- 3	0	0.00%
ह् लक्ष्मी यूनिट प्लान गवास यूनिट योजना	275	11 <b>7</b> 3 256	19	3.69% 6.91%
	1218		45	

<sup>4—339</sup>GI/97

### शिकायतें लिम्बिस रहने के कारण:

- (1) संग्रहणकर्ता बैंकों से ग्रावेदन पत्त∫निधियों का प्राप्त ने होना।
- (2) अधिवन पक्ष में निवेशक के पते, नाम और हस्ताकर सहित अपूर्ण विवरण।
- (3) निवेशक के पते में हुए परिवर्तन को सुर्जित नहीं किया जाना/प्रदातन नहीं किया जाना।
  - (4) मार्ग में ही खो जाना।
  - (5) डाफ सेवा में विलम्ब।
  - (6) श्रन्तरण/मृत्युं वाघों/पुनर्खरीव के मामलों में भपेकित दस्तावेजों का उपलब्ध नहीं कराया जाना।
  - (7) शिकायतें भेजते समय अपूर्ण भ्यौरा।
  - (8) कमीशन प्राप्त न होना/विलम्ब से प्राप्त होना ।
- (9) पत्नों/दस्तावेजों को गलत कार्यालय/रजिस्ट्रार को भेजा जाना।

सभी निवेशक अपनी शिकायतें निवेश सम्बन्धी पूर्ण विवरण देते हुए सम्बन्धित निवेशक सम्पर्क कक्ष को निम्न-लिखित पते पर भेज सकते हैं:

पश्चिमी संचलः

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

निवेशक सम्पर्के कक्षा, कामसे सेंटर 1, 28वीं भंजिल, विश्व व्यापार केन्द्र, जी० डी० सोमानी मार्ग,

कि परे**ड, मुम्बई-400005।** टेली०: 218 0172/218 1600

पूर्वी अचल:

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

निवेणक सम्पर्क कक्ष, 2, फेयरली प्लेस, 2री मंजिल,

कलकत्ता-700001

देलो : 243 4581

दक्षिणी ग्रंचलः

भारतीय युनिट ट्रस्ट

निवेशक सम्पर्क कक्ष,

यू ० टी० भाई० हाऊस, 29, राजाजी सालै,

चेशई-600001 ।

देली०ः **ธ17101 विस्तारितः 3**60<u>/</u>364

उत्तरी श्रंचल:

भारतीय यूनिट ट्रस्ट 🕝

तिवेशक सम्पर्क कक्षा,

हेराल्ड हाउस, 2री मंजिल;

5 ए, बहादुरशाह जफर मार्ग,

नई दिल्ली-110002 ।

टेखी०: 332 9860

रजिस्टार

मैसर्स एम० सी० एस० लिमिटेड को रिजिस्ट्रार के रूप मैं कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

यह सुनिश्चित कर लिया गया है कि रिजिस्ट्रार के पास भवेदन पत्नों, अंतरण फार्मी एवं पुनर्वरीद आप्रहों की प्रोसेसिंग करने, सदस्यता सूचनाश्रों/यूनिट प्रमाण पत्नों एवं साथ वारंटों को निर्धारित समय के भीतर प्रीपत करने और निवेशक की किकामतों को दूर करने जैसी जिन्मेशरियों का निर्थहन करने की पर्याप्त क्षमता है।

आवेधन पत्रों की प्रोतेसिंग भीर विकी के पश्चात् सेवायें रिजिस्ट्रार की निम्नलिखित गाखाओं द्वारा प्रधान की जायेंगी यू० टी० भाई० निवेशक सेवा लिभिटेड

पश्चिमी अंचल (गुजरात को छोड़कर) : श्री पद्यावित भवन, प्लाट नं ॰ 93, रोड नं ॰ 16, एम॰ आई० डी० सी॰ एरिया, श्रन्धेरी (पूर्व), मुम्बई-400093, टेजी॰ नं ॰ 8201785, 8205741।

केवल गुजरात राज्य के लिये : 101, पट्दल काम्पतैक्स, शंकी मंजिल, श्राश्रम रोड, नवरंगपुरा, श्रहगरावाद-380009, टेलीफोन नं० 442878।

पूर्वी श्रंचल: श्री वेंकटेश मंगलम, 24/26, हेमन्ता बासु सरणी, कलकता-700020, टेलीफोन: 2102805/61

दक्षिणी श्रंवतः श्री वेंकटेश तवन, 35, श्रमेंनियन स्ट्रीट,

उत्तरी श्रंचल: श्री वेंकटेश भवत, 212 ए, शाहपुर जाट, मई दिली-110049, टेलीफोन: 6213830/11

निरीक्षण के लिये उपलब्ध दस्तावेज

निम्नलिखित धस्तायेज निरीक्षण के लिये केन्द्रीय निवेशक सम्पर्क कक्ष, भारतीय यूनिट ट्रस्ट, एस० एन० डी० टी०, प्रक्षिता विश्वविद्यालय, बेसमेंट द्वार नं० 1, सर विट्ठल धास क्रकरसी मार्ग, मुम्बई-400020 में उपलब्ध रहेंगे

- **●**यूं०टी० स्नाई० स्रधिनियम
- ●सामान्य विनियम
- ●प्रभिदक्षक, रजिस्ट्रार भौर संग्रहणकर्ता बैंकों के साथ किये गये करार∵
  - ●पेशकण वस्तावेज एम आई पी 97 (IV) की प्रति

भाग I∏-—काण्ड 4].	भारत	का राजपत्र, नवस्य	र 22, 1997 (अप्रहा	ष्ण 1, 1919)	3539	
		यूटीआई के पि	छक्ते पांच मासिक आय	प्लानों का विवरण		
प्लान	एमआईवी '96' (III)	एमआईपी' 96 (IV)	एमआईपी' 97	एमआईपी' 97 (II)	एम आईपी' 97 (I <sub>I</sub> I)	
आरम्भ होने की तिथि	01-10-1996	1-1-1997	1-5-1997	1-7-1997	1-9-1997	
समाप्ति की तिथि	30-9-2001	31-12-2001	30-4-2002	30-6-2002	31-8-2002	
मासिक लाभांण	पहले वर्ष के लिए	पहले <b>वर्ष के लिए</b>	सभी 5 वर्षों के लिए	सभी 5 वर्षों के लिए	ए सभी 5 वर्षी के लिए	
	१ ५ प्रतिशत	१ ५ प्रतिशत	1 4 प्रतिशत	1 4 प्रतिशत	ं 13 प्रतिणत	
	স০ ৰ০	সে০ ব০	সংব ০	प्र० व०	স৹ ৰ৹	
<b>संचयी</b> विकरुप	<del></del>	·	<b>र</b> ० 2,000/∸	ব০ 2,000 –	₹0 5,000/-	
			कम से कम बनते हैं	कम से कम बनते हैं	कम से कम बनते हैं	
	•		60 4,012 -	स० 4,012	₹0 9,543 -	
संग्रह की गई राशि	ব০ 376.08 ্	৳৹ 827.38	ৰ৹ 1142.30	বঁ০ 1495.93	र्० 582.98	
-	करोड़	करोड़	करोड	कारोक	* करोड़ <sup>₩</sup>	
<b>आवेदन</b> पत्नों की संख्या	137819	326839	3,25,649	4,12,238	1,20,911*	
*दिनोक 1-9-97	तक ।	,				
		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	साइमी.			
ऋ०सं० प्लान		वार्षिक आय - प्रदत्त ∤देय मासिक		परिपन्यता पर पूंजी वृद्धि (प्रतिशत)		
*	·		भारवासिस	वास्तविक	प्रदत्त दिय	
1. 2	<del></del>	3	4	5	6	
 परिपक्ष्य योजनाएं			*	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
1. एमआईएस-1	12 प्रति	शत प्र.० व०		6	<b>=</b> ± <del>y=</del>	
2. एमआईएस-2		शत प्र० व ०	## <u>1</u>	7	,	
3. एमआईएस~3		शतप्र० व०	<del></del>	8		
4. एमआईएस-4		शत प्र० व०	<del></del>	8		
5. एमआईएस-5		शिस प्र०व०	- April	10	···	
6. एमआईएस-6	•	शत प्र० व०	2	5.5	1.5	
7. एमआईएस-7		शत प्र० थ०	2	6	1.5	
8 एमआईएस-8		शत प्र० व०	2	7	1.5	
9 एमआईएस~9		शत प्र० व०	2	9	1.75	
10. एमआईएस-10		गत प्र० व०	2	9	2.00	
11. एमआईएस-11		रात प्र० व०	2	11	2.25	
12. एमआईएस-12		सत प्र० व०	2	28	2.25	
13 एमआईएस-13		ति प्र <b>ं</b> ब०	2	40	3.00	
14. जीएमआईएस∹		वी के लिए	मासिक आय	5.6	<b></b>	
	7	तिशत प्र० व०	विकल्प के	***		
	और अनि		मामले में स्युनतम			
		ए 15 प्रतिशत	2 प्रतिशत परिपंत्रवता			
	प्रवाद		<b>पर</b>			
			संचयी विकस्प		ı	
5. एमआईएसजी' 9	0 12 प्रतिव	गत प्र० ४०	- · · · ·	8	i प्रतिशत प्रत्येक वर्षको समाति पर देव	
16. जीएमआईएस'	92 पहले 3	उदवीं के लि <b>ए</b>	मासिक आय	5	Andrea (d. 1.4. Alias)	
(II)		तिशत प्र० ब०	विकल्प के	<del>-</del>		
` /		तम 2 वर्षों के लिए	गामले में स्यूमतम			
		ाम पंत्र कात्र स्थान	ा परिचय समित्रिक			

2 प्रतिशत परिपंत्रवता पर

15 प्रसिशत प्र० व०

: . <u>:</u> -		3	4	5	6
	 स्त योजनाएं	J	4	<del></del>	
. 7 .	6 6 1-	13 प्रतिशत प्र० व०		_	2 प्रतिशत, 3 रे वर्ष की समाप्ति पर घोषित और अतिरिक्त 2 प्रतिशत बोनस 5वें वर्ष की समाप्ति पर घोषित।
18.	एमआईएसजी '91	13 प्रतिगत प्र० व०	<b>***</b> *	guillann	3 प्रतिशत, 3रे वर्ष की समाप्ति पर घोषित और अतिरिक्त 3 प्रतिशत बोनस लाभाग 5वें वर्ष की समाप्ति परदेय ।
19.	जीएमआईएस '91 (एमआईपी 96 (IV) में	14.5 प्रतिशत प्र <b>०व</b> ० पहले 3 वर्षों के लिए और 15 प्रतिशत प्र०व० अन्तिम 2 वर्षों के लिए	मासिक आय विकरूप के मामले	3.7	<b></b>
	31-12-20 <b>0</b> 1 त <b>क</b> रोल ओवर)	जात्तम ४५५। चराचर	में न्यूनतम 2 प्रतिशत परिपन्यता पर संचयी विकस्प	1.7	·
80.	जीएमआईएसबी '92	14.5 प्रतिगत प्र०व० पहले 3 वर्षों के लिए और 15 प्रतिगत प्र०व० अंतिम 2 वर्षों के लिए	मासिक आय विकल्प के मामले में न्यूमतम 2 प्रतिशत परिपक्षता पर संज्यों	वसरंप	2 प्रतिणत बोनस लाभाण बोषित और परिपक्षता पर वैया
1:	जीएमआईएसबी '92 (II)	14 प्रतिशत प्र०व पहले 2 वर्षों के लिए और 14.5 प्रतिशत प्र०व० अन्तिम 3 वर्षों के लिए	— <b>य</b> ही <b>—</b>	·	. 2 प्रतिशत, 3रे वर्ष की समाप्ति पर घोषित और परिपक्षतापर देय ।
2.	एमआईएसबी' 93	14प्रतिणंत प्र० व०	<b>वही</b>	) <del>                                     </del>	3 रेवर्षं की समाध्यि पर शूच्य बोनस घोषित किया गया।
3.	एमआईपी' 93	13.5 সনিমান স <b>০ ব</b> ০	<b>⊶वही</b>		2 रे वर्ष की समाप्ति पर शूस्य बोनस घोषित किया गया। 4ये वर्ष की समाप्ति पर बोनस घोषित किया जा सकता है और वह परि- पक्ता पर देय होगा।
4.	एमआईपी' 94	पहले 2 वर्षों के लिए अर्थात् फरवरी, 96 तक 13 प्रतिशत प्र० व० और मासिक आय विकल्प के अन्तर्गत 13.5 प्रतिशत प्र० व० की वर से और संचयी विकल्प के अन्तर्गत 1-3-96 से	<b></b>		
5.	एमआईपी' 94 ( <sup>II</sup> )	28-2-98 * की अवधि के. लिए 14 प्रतिशत प्र० व० की स 13 प्रतिशत प्र० व० पहले थो वर्षों के लिए मासिक आधार पर देय 14 प्रतिशत प्र० व० अगले दो वर्षों	·		<del></del>

1	2	3	- 4	5	6 -
6.	एमआईपी' 94	12 प्रतिशत प्र० व० 1 ले			
	(III)	वर्ष के लिए और 13	<u>-</u>		•
	( · /	प्रतिशत प्र० व० 2रे वर्ष			
		के लिएदेय। 1-1-1997			
		से 31-3-1997 तक की			
		अवधि के लिए 13 प्रतिशत			
		प्र <b>ब</b> ० 1-4-1997 से			
		31-3-1998 कं तक के ′			
		लिए 13 प्रतिशत प्र० व०			
<b>7</b> .	एमआईपी' 95	13 प्रतिमात प्र० व० 1 ले	عيادا		
	74-14 11 00	वर्ष के लिए और 14			
		प्रतिसत प्र०व० दूसरे वर्ष			
		के लिए 1-7-199 <b>7 से</b>			
		अ: (लप् ४०) - 1997 स 31-3-1998 <b>= तक</b> के			
		लिए 14 <b>प्रतिशत प्र०व०</b>			
8.	एमआईपी' 95 (II)	13.5 प्रतिशत प्रव्यव 1ले			
ь.	एमआध्या ४३ ()	वर्ष के लिए और 14. प्रतिमत	<del></del> -		. —
		प्रव व दूसरे वर्ष के लिए,			
		1-4-1997 में 31-3-1998*			
		तक के लिए 14. प्रतिशत प्रवव			
		14 प्रतिशत प्र० व० 1ले			
Э.	्एमआईपी'.95 (III)	मर्घ के लिए 1-1-1997 से	70		
		भव का तर्थः 1—1—1997 त 31—3—1997 तक की			
		अवधि के लिए 14 प्रतिगत			
		1-4-1997 से 31-3-1998*			
		तक के लिए 14 प्रतिशत			
-		•			
).	एमआर्द्वपी' 96	14.5 प्रतिगत प्र० व०	<del></del>		
		1से वर्ष के लिए। 1-5-1997			
		से 31-3-1998* तक के			
		लिए 14.5 प्रतिशत			
•	एमआईपी' 96 (II)	• 15 प्रतिशत प्र०व० 1ले	<u> </u>		<del>~</del>
		वर्षं के लिए 1 ~ 7 ~ 1997			
		से 31-3-1998 में तक के			
		लिए 15 प्रतिशत			
	एमआईपी' 96 (III)	15 प्रतिगत प्र०्व० 1 ले	<b></b>		
		वर्ष के लिए 1-10-1997 से			
		31-3-1998* तक के लिए 15 प्रतिशत	Г		
·	एमआईपी' 96 (IV)	15 प्रतिमत प्र०व० 1ले	depend a production		, <del></del>
		वर्ष के लिए 1-1-1998			
		से 313-1998* तक के			
		लिए 15 प्रतिशत			
	एमआईपी' 97	14 प्रतिशत प्र० व० सभी 5 वर्षी के लिए			-
	एमआईपी $^{\prime}$ 97 ( $I^{1}$ )	14 प्रतिशस प्रव्यवसभी 5 वर्षों के लिए			
	एमआईपी' 97 (III)	13 प्रतिशत प्रव्यवसभी 5 वर्षों के लिए	·		

<sup>\*</sup>बाद के वर्षों के लिए आगदर पिछले वर्ष की समान्ति परया उसके पहले घोषित की जाएगी।

	·			·	पूर्ववितित मार	ह के
		1993-9	4			
पूर्ववर्ती सांख्यिकी	एमआईएस ए पूल	मआईएसजी ः 90 पूस	जीएम आईएस पूल	जीएमआईएसबी 92 पूल	एमआईएसबी 93 पूल	"एमआईपी 94 पूल
(क) मुद्ध आस्ति मूल्य, प्रति यूनिट (ख) सकल आय प्रति यूनिट में विभक्तः	14.86	11.36	13.00	11.71	10.96	10.06
<ul> <li>(i) निषेशों की बिक्री पर लाम के अतिरिक्त आय, प्रति यूनिट</li> <li>(ii) निवेश के अन्तर योजना विक्रय/अन्तरण</li> </ul>	1, 99	1.44	1.53	1.63	0.90	0.55
(ii) तियस के अन्तर योजनी विकया किस्तरण पर लाभ से आय, प्रति यूनिट (iii) तृतीय पक्ष को निवेशों की विकी पर	3.26	***	0.35		0.10: F	
े लाभ से आय, प्रति यूनिट (iv) पिछले वर्ष के प्रारक्षित से राजस्य	0.17	0.02	0.04	. 0.07	0.05	. <del></del>
लेखे में अन्तरण, प्रति यूनिट (ग) कुल व्यय अपलिखित, परिशोधन एवं प्रभार प्रति यूनिट	0.10	0.03	0.05	0.05	0.07	0.06
<ul> <li>(च) गुद्ध आय, प्रति यूनिट</li> <li>(ङ) निवेशों के मूल्य में अप्राप्त मूल्यवृद्धि/</li> </ul>	5.33	1.44	1.88	1.64	0.97	0.49
मूल्यहास, प्रति यूनिट (भ) बाजार मृल्य उच्चतम	-0.12	0.80	1.71	1.00	0.86	0.0
स्यूनतम पुनर्खरीद मूल्य उ <del>च्</del> यतम						
म्यूनसम बिक्री मूल्य उ <del>च्च</del> तम						
न्यूनतम लाभ उपार्जन अनुपात						
(छ) औसत मुद्ध आस्तियों पर प्रति यूनिट व्यय का अनुपात प्रतिमत में	0.65	0.23	0.36	0.45	0.65	0.5
(ज) औसत शुद्ध आस्तियों पर प्रति यूनिट सकल आय का अनुपात प्रतिशत में (गत वर्ष के आरक्षित से राजस्व लेखें में अन्तरण को छोड़कर परन्तु अप्राप्त निवेशों में बढ़ोत्तरी को सम्मिलित करतें हुए)	36.49	19.95	28 . 01.	23.03	17.41	5.4
(झ) प्रति यूनिट शुद्ध आस्ति मूल्यः	14.86	11.36	13.00	11.71	10.96	10.00

मासिक आय योज	नाएं ————				· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·			
			· · ·	1994-95				
एमकाईजी:94	'ए <del>मआईए</del> सजी - 90	<b>जीएममाई</b> एस 91	जीएमआई एस बी 92	एमआईएसबी 93	एमआईपी 94	एमआईपी 94	एमआई पी 94	एमआईपी 95
(II)	पूल	पूल	पूल	पूल	•	II	111	
10.10	10.91	13.03	11:49	10.78	9. 87	9.58	9.47	10.05
0.05	1.40	1.72	1.64	1.34	0₹96	0.67	0.17	0.06
		0.03	0.17	0.08	- Carrier		0.03	-
_	0.04	0.05	<del>гайста</del> .	- despera	0.01	0.01	-0.03	~~
0.04	0.05	0.06	0.07	0.06	0.07	0.07	0.07	0.01
0.02	1.40	1.74	1.74	1.36	0.90	0.60	0.10	0.05
0.09	0.28	1.00	0.05	0.27	-0.42	-0.40	-0.44	-0.02
0.35	0,46	0.49	0.56	0.55	0.66	0.76	0.69	0.1
1.42	15.49	21.51	16.06	15.47	9.73	2.84	-2.87	0.42
10.10	10.91	13.03	11.49	10.78	9.87	9.58	9.47	10.0

# पूर्ववर्ती म्नाकड़े-मासिक म्नाय योजनाएं

पूर्वंबर्ती		<u> </u>	, <b></b>	
सांख्यकी		एममाईएसजी 90	जीएमग्राईएस	जीएमग्राईएस बी 92
در د		पूल	पूल	पूल
1		2	3	4
(क) शुद्धन्नास्ति मूल्य, प्रतियूमिट	•	10.89	13.95	12.57
(i) निवेशों की बिकी पर लाभ के ब्रतिरिक्त ग्राय, प्रति यूनिट		1.40	1.74	1.6
(ii) निवेश के अंतर योजना विकयां अंतरण पर लाभ से भाय, प्रति प्तिट	٠.		0.05	0 10
(iii) तृतीय पक्ष को निवेशों की निकी पर साभ से धाय, प्रति यूनिट		0.06	0.51	0.13
(iv) पिछते वर्ष के प्रारक्षित से राजस्थ लेखे में प्रांतरण, प्रति यूनिट				0.04
<ul><li>(ग) कुल व्यय, ग्रपिलिखत, परिशोधन एवं प्रभार, प्रति यूनिट</li></ul>		0.04	0.07	0.07
(घ) गुद्धभाय, प्रति यूनिंट		1.43	2.22	1.84
<ul> <li>(क) निवेशों के मूल्य में भ्रप्राप्त मूल्यवृद्धि/मूल्यह्नास, प्रति युनिट</li> </ul>	•	0.26	072	0.41
(च) बाजार मूह्य				
जन्मतम् <sup>°</sup>				
न्यूनतमे				
पुनर्ख रीद मूल्य				
उच्चतम				
न्यू <b>नतम</b>				
बिकी मूल्य				
उच्च <b>तम</b>				
न्य <b>्नतम</b>				
लाभ उपार्जन मनुपात				
(ছ) শ্লীसत शुद्ध শ্লাस्तियों पर प्रति यूनिट • • •		0.34	0.54	0.60
व्यय का मनुपास प्रतिगत में		a.		
(ज) ग्रौसत गुद्ध ग्रास्तियों पर प्रति यूनिट	•	15.82	22.39	19.30
सकल ग्राय का ग्रनुपात प्रतिशत में				
(गति वर्ष के घ्रारक्षित से राजस्व लेखे				
में ग्रंतरण को छोड़कर परंतु मंत्राप्त				
निवेशों में बढ़ोतरी को सम्मिलिस करते हु				
(झ) प्रतियूनिट गु <b>द्ध</b> भास्ति मूल्य		10.89	13.95	12.57

1995-96									
एमप्राईएसबी 93 पूल	एमप्राईती 94	एमब्राईनी 94 (U)	•	एमप्राईगी 95	एमप्राईपी 9 <b>5</b> (11)	एमग्राईवी 95(III)	•	एमब्राईपी 96 (ए)	
5 .	6	7	8	9	10	11	12	13	
. 11. 44	10.44	9.76	9.61	10.35	10.89	10,98	10.29	9.96	
1.45	1.60	1.15	1.20	1.38	1.19	0.83	0.27	0.05	
0.02	0 11	0.01	0.02		<b>,</b>	0.01	0.01		
0.03	0.08	0.06	0.03	0.02	0.11	0.02		,	
<del></del>	-0.01	`							
0.07	0.08	0.07	0.07	0.07	01.09	0.06	0 04	0.03	
1.43	1.70	1.15	1.17	1.33	1.22	1.79	0.24	0.02	
0.40	-0.39	$-0 \ 42$	-0 49	0.03	0 55	0.82	0.43	0.07	

0.60	0.80	0 73	0 . 7 <sub>.</sub> 5	0.71	0.81	0.58	0.44	0.28
17.09	17.55	12.61	13.03	14.33	16.97	15.21	6. 89	1.16
11.44	10.44	9.76	9 61	10.35	10.89	10 98	10 29	9.96

					वैवर्ती आंकडे
			·	01-0	)7 19 <b>9</b> 6 से
पूर्व वर्ती सांख्यिकी	एमआईएस भी 90 पूल	श्रीएमआई एस पूल	जीएमआई एसबी 92 पूल	एमआईएस भी 93 पूस	एमआईपी 94
1	2	3	4	5	8
(क) शुद्ध आस्ति मूरुय, प्रति युनिट (ख) सकल आय प्रति युनिट में विभक्तः (i) निवेशों की बिकी पर लाभ के बतिरिक्त साथ,	10.59	13.35	12,51	11.18	í0.34
प्रति युनिट (ii) निवेश के <sup>-</sup> अंतर योजना विकी/अं <b>तरण पर लाभ से</b>	0.69 <b>माय</b> ,	1.67	0.84	0.62	0.47
प्रतियुनिट (ili) तृतीय पक्ष को निवेशों की बिकी पर काभ से आय,		0,30	0.01		
प्रति युनिट (iv) पिछले वर्ष के प्रारक्षित से राजस्य नेखे में अंतरण,	0.01	0.34	<del></del>	0.01	0.02
प्रति यूनिट (ग) कुल व्यय, अपलिखित, परिशोधन <b>एवं प्रमा</b> र,	0.04		0.05		0.10
प्रति यूनिट	0.02	0.07	0.08	0.03	0.04
(भ) ण्द्र आय, प्रति यूनिट (क) निवेश के म्ल्य में अप्राप्त म्ल्मवृद्धि/मृल्यहास,	9.71	3.24	0.86-	0.59	0,55
प्रति यूनिट (च) बाजार मूह्य एक्वतम स्यानतम पुनर्खरीय मूह्य एक्वसम स्यानतम स्यानतम स्यानतम स्यानतम स्यानतम स्वानी मूह्य एक्चातम	-0.01	0.09	0.02	-0.05	-0,58
म्भूनतम लाभ उपार्जन अनुपात					
(छ) अप्रैसत शुद्ध आस्तियों पर प्रति यूनिट व्यय का अनुपात प्रतिशत में (अ) अप्रैसत शुद्ध आस्तियों पर प्रति यूनिट सकल आय का अनुपात प्रतिशत में (गत वर्ष के आरक्षित से राजस्य लेखे में अंतरण की छोड़कर परंतू अप्राप्त निवेशों में	0.21	9.54	0. <b>29</b> .	<b>0</b> .30	0.35
बढ़ोत्तरी को सम्मिलित करते हुए )	6.78	18 . 24	7.63	5.69	5,84
(m) प्रति युनिट शु <b>३</b> आस्ति मू <del>र</del> य	10.59	13.35	12.51	11.18	10.34

मारि	सक	श्राय	योजन	πď

एयआईपी 94 (II)	एमबा <b>र्</b> पी 94 (ÎII)	<b>एमगाईपी</b> 95	एमआईपी 95- (II)	एमबाईपी 95 (गाः)	एमआईपी 96	एमआईपी 96 (II)	एमआईपी 96 (III)	एमआईपी 96 (IV)
7	8	9	10	11	12	13	14	15
9.58	9.47	10.46	11.01	10.84	10.37	10.26	9.99	10.09
0,41	0.41	0.72	0.74	0.72	0.66	0.51	0.31	<b>0</b> .10
<del></del>		<del></del>		0.02	0.02	-		
0.03	0.03	-0.02	0.03	· 0.04	-0.02	-0.02		ستدر ويوسان
0.17	0.13							
0.03	0.03	0.03	0.08	0.05	0.05	0.05	0.04	0.01
0 . 58	0.54	0.67	0.72	0.73	0.61	0.44	0.27	0.08
-0.70	-0.74		0.44	0.50	0,42	0.44	0,27	

035	0.34	0.29	-0.44	0,45	0.81	0.50	0.37	0.15
							11.52	
9.58	9.47	10.46	11.01	10.84	10.37	10.26	9.99	10,09

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

कार्पोरेट कार्यालय

मुंबई-400020

#### आंचलिक कार्यालय

पश्चिमी ग्रंचल : कामर्स सेंटर-1, 28वीं मंजिल, विश्व क्यापार केन्द्र, कफ परेड कोलाबा, मृंबई-400005, दूरध्विन 2181600। पूर्वी अंचल : 2, फेयरली प्लेस, दूसरी मंजिल कलकत्ता-700001, दूरध्विन : 2209391। दक्षिणी अंचल : यूटीआई हाऊस 29, राजाजी साल, चेन्नई-600001, दूरध्विन 517101। उत्तरी अंचल : जीवन भारती, 13वीं मंजिल, टावर ॥, कनाट सर्कस, नई दिल्ली-110001, दूरध्विन : 3329860/3329858।

## पश्चिमी अंचल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले शाखा कार्यालय

अहमदाबाद: बी० जे० हाऊ स, दूसरी, तीसरी और चौथी म जिल, आश्रम रोड, अहमदाबाद-380009, 6423043। बड़ौदा: मेवबतुष, चौयो और पांचनों मंजिल, ट्रान्स्रोक सर्कल, रेम कोर्स रोड, बड़ौदा-390015, दूरध्वति : 332481 । भारतः पहना मजिन, गंगा जनुना कामशियल काम्पलेक्स, प्लाटन ० 202, महाराणा प्रतार नगर, अचल-1, स्कोम-13, हबोब गंज, भोपाल-462001, दूरध्विन : 558308। इन्दोर: सिटो सेंटर, दूसरो म जिल, 570, एम० जी० रोड, इन्दीर-452001, दूरध्विन: 22796। मुंबई: (1) यूनिट सं 0 2, ज्लाक 'बी' गुलमोहर फास रोड नं 0 9, अधेरी (पश्चिम), मुंबई-400049, दूरध्वनि: 6201995। (2) पर्सेपोलिस बिल्डिंग तोसरो मंगिन, आंध्र बैंक के ऊपर, संक्टर 17, वागा नत्रो मुबई-400703, दूरध्विन : 7672607। (3) लाइन कार्ड (बेल्डिन, 196, जमगेदजी टाटा रोड, बैकबे रिक्तनेशन, मुंबई-400020, दूरध्वनि : 28508211 (4) श्रद्धा शार्थिंग अर्फोड, पहनो मंजिल, एम० यो० रोड, बारिवनो (पिवना), मुबई-4000921 दूरध्यनि: 8020521। (5) सागर बानांजा, पहलो मंजिल, खोत लेन, घाटकोपर (पश्चिम), मुंबई-400086 । दूरध्विन: 5162256। कोल्हापुर: अयोध्या टावर्स, सी०एस०नं० 511, केएव-1/2, 'ई' वार्ड, दाभोलकर कार्नर, स्टेशन रोड, कोल्हापुर-416001, दूरध्वनि : 657315 । श्री मोहिनी कास्पलेक्स, तीसरी मंजिल, 345, सरदार वल्लभनाई पटेल रोड, नागपुर-440001, 536893: नासिक: सारदा नकुल, दूसरी मंजिल, एन० जी रोड, नासिक-422001, दूरध्वनि : 72166 : पणजो : ई०डी०सो० हाऊस, भूतल, डा०ए०बो० मार्ग, पगजो, गोवा-403001, दूरध्यनि : 222472 । पुणे : विलास, नोसरो मंजिल, 1183, फर्ग्युसन कालेन रोड, शिवाजी

नगर, पुणे-411005 । दूरध्वति : 325954 । राजकोट : लल्ल्भाई नेन्टर, जौथी मंजिल, लखाजी राज रोड, राजकोट-360001। दूरध्विन : 35112। सूरत : सैको बिल्डिंग, डच रोड, ननपुरा, सूरत-395001। दूरध्विन : 434550। ठागे : यू टी आई हाऊस, स्टेशन रोड, ठाणे- (प०)-400601, दूरध्विन : 5400905।

## पूर्वी अंचन के क्षेत्राधिकार के अंगर्गन आने वाले शाखा कार्यालय

भुवनेश्वर ओतो एच तो बिल्डिंग, ाली एवं 2री मंजिल, 24, जननथ, खारबेला नगर, राम मंदिर के समीप, भुवनेश्वर— 751001। दूरध्वनि : 410995। कणकता: 2, फेपरली प्लेस, कन्मता—700001। दूरध्वनि : 2209391। दुर्गापुर : तीसरी एडिमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, दूसरी मजिल, आसनसील दुर्गापुर विकास प्राधिकरण, सिटो सेंटर, दुर्गापुर—713216। दूरध्वनि : 546136। गुवाहाटी : हिन्दुम्तान बिल्डिंग, 1ली मंजिन, एम० एल० लेह इरोब, पानबाजार, गुवाहाटी—781001। दूरध्वनि : 543131। जमसेंदपुर : 1—ए, राम मंदिर परिसर, भूतल और दूसरी मंजिल, बिस्तूपुर. जमसेदपुर—831001। दूरध्वनि : 425508। पटना। जीवन दीय विल्डिंग, भूतल और पोचवीं मंजिल, एकिजबिशन रोड, पटना—800001। दूरध्वनि : 235001। सिलीगुड़ी : जीवन दीय म्रान, गृह नान ह सरगा, दिनागुड़ी—734401। दूरध्वनि : 433155।

### दक्षिणी अंजन के क्षेत्राधिकार के अनर्गत आने वाले शाखा कार्यालय

बंगलीर : रहेना टावर्स, 24/27, 12नीं मंनित, पश्चिम विंग, एम० जो० रोइ, बंगलोर–560 001 । दूरध्वति : 509 5150। कोबोन : जोबन प्रकाश, पानत्रों मंजित, एम० जी० रोड, एनक्रिजम, कोचिन-682 011। दूरध्वनि : 362 3541 कोयम्बतूर : चेरन टावर्ष, तोवरो मंजित, 6/25, आर्टस् कालेज रोड, कोयम्बत्र-641 018। दूरध्वनि : 214 973। हबलो : कालबर्गी मेंशन, 4थों मंजित, लेमिंगटन रोड, हुबली-580 020 । दूरध्वितः : 363 963 । हैदराबादः : पहलो मंजिल, सुरमो आर्केंड, .5-1-664, 665, 669, बैंक स्ट्रीट, हैदराबाद-500 001 । दूरध्वनि : 511 095 । चेन्नई : यू०टो० आई० हाऊत, 29, राजाजी सराई, चेन्नई→ 600 001 । दूरध्यति : 517 101 । मदुरई : तमिलनाडु सर्वोदय संघ बिल्डिंग, 108, तिरुपरनकुन्द्रम रोड, मदुरई→ 625 001 । दूरध्वान : 38186 । मंगलोर : सिडाथ बिल्डिंग, पहली मंजिल, बाल-मत्तारोड, मंगलोर--575 001 । दूरध्वनि : 426 258 तिरुअनंतपुरम : स्वस्तिक सेन्टर, तीसरी मंजिल, एम • आर० रोड, तिरुअनंतपुरम-695 001 । दूरध्यनि : 331-415 । त्रिवो : 104, सताई रोड, वोरेपूर निविचरापल्ली-620 003 । दूरध्वनि : 27060 । त्रिचूर : 28/876/77, वेस्ट पहिलाथामाम बिस्डिंग, करणाकरण नंबियार रोड,.

राउड नार्थ, तिस्रूर-680020, दूरध्विन : 331 259. विजयवाड़ा : 27-37-156, बन्दर रोड, मनोरमा होटल के आगे, विजयवाड़ा-520002, दूरध्विन : 74434. विशाखापट्टनम् : रत्ना आर्केड, तीसरी मंजिल, 47/15/6, स्टेणन रोड, द्वारका नगर, विशाखापट्टनम, 530 016, दूरध्विन : 548121.

# उत्तरो अंचल के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आनेवाले गाखा कार्यालय

आगरा : भूतल, जीवन प्रकाश, संजय प्लेस, महात्मा गांधी रोड, आगरा $-282\,002$ , दूरध्विन : 54408. इलाहाबाद : यूताइटेड टावर्स, तोमरो मंजिल, 53, लीडर रोड, इलाहाबाद $-211\,003$ , दूरध्विन : 50521 अमृतसर : श्री द्वारकाधीश काम्प्ले 34, दूसरी मंजिल, क्विन्स रोड, अमृतसर $-143\,001$ , दूरध्विन :  $210\,367$ . चंडीगढ़ : जीवन प्रकाश, एल० आई० सी० बिल्डिंग, सेक्टर 17-बी, चंडीगढ़ $-160\,017$ , दूरध्विन :  $543\,683$  देहरादून : दूसरो मंजिल, 59/3, राजपुर रोड, देहरादून $-248\,001$ ,

दूरध्वनि : 26720 फरीदाबाद : बी-614-617, नेहरू ग्राउंड, एन० आई० टी०, फरीवाबाद-121 001, दुरध्वनि : 210 010. गाजियाबाद : 41, नवयुग मार्केट, सिर्घानी गेट के समीप, शाजियाबाद-201 001, दूरध्वित : 752 040. जयपूर: आनंद भवन, तीसरी मंजिल, संसार चन्द्र रोड, अयपुर-302 001, दूरध्वनि : 365 212. कानपुर : 16/79k, सिविल लाईन्स, कानपुर-208 001, दूरध्वनि : 317 278. लखनऊ : रिजेन्सी प्लाजा बिल्डिंग, 5, पार्क दूरध्वनि : 232 501 लखनऊ—226 001, लिधियाना : सोहन पैलेस, 455, वि माल, लिधियाना-141 001, दूरध्विन : 400 373 नई दिल्ली : गुलाब भवन, दूसरी मंजिल, 6, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली 110 002 दूरध्वनि : 331 8638, शिनला: 3, माल रोड, पहली मंजिल, 9 जानकीदास एण्ड कं० डिपार्टमेन्ट स्टोर के ऊपर, शिमला-171 002, दूरध्वनि: 4203 बाराणसी पहली मजिल, डी-58/2ए-1, भवानी मार्केट रथयात्रा, वाराणसी-221 001, दूरध्वनि: 54306.

# RESERVE BANK OF INDIA (CENTRAL OFFICE)

# DEPARTMENT OF BANKING OPERATIONS AND DEVELOPMENT

### Mumbai-400005, the 21st October 1997

No. BC. 116/12-01-001/97-98.—In exercise of the powers conferred by the Proviso to Sub-section (1) of Section 42 of the RBI Act; 1934 (2 of 1934) and in supersession of its Notification No. DBOD. BC 140/12.01.001/96-97 dated October 19, 1996, the Reserve Bank of India hereby specifies that the average Cash Reserve Ratio (CRR) required to be maintained by Scheduled Commercial Banks (excluding Regional Rural Banks) shall, from effective dates mentioned below, be at the percentage points as indicated thereagainst.

Effective Date (i.e. fortnight beginning from)	CRR on net demand and time liabilities (Percent)
October 25, 1997	9.75
November 22, 1997	9.50
December 20, 1997	9.25
January 17, 1998	9,00
February 14, 1998	8.75
February 28, 1998	8.50
March 14, 1998	8.25
March 28, 1998	8,00

8. GURUMURTHY Executive Director

# THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta-700 071, the 13th October, 1997

# (Chartered Accountants)

No. 3 ECA/8/1/97-98:—In pursuance of Regulation 10(1)(iii) of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members have been cancelled with effect from

the dates mentioned against their names, as they do not desire to hold their certificates of Practice.

S. No.	MRN	Member Nine & Address Canc. Date
1	2	3 4
2.	010158	Mr. DE Arabinda, FCA, 01-04-97 10 UA Mani Towers 31/41 Binova Bhave Road Calcutta-700 038 Mr. Bhurat Poonam Chand, FCA, 01-04-97 140 Mahatma Gandhi Road
3.	050092	Calcutta-700 007.  Mr. Bajoria Mahesh Kumar, FCA, 01-06-97  Townhall Road  Cuttack-753 009.
4.	051097	Mr. Choudhury Bimal Kanti, FCA, 18-09-97 41B/5 Gariahat Road (South) Calcutta-700 031.
5.	051283	Mr. Das Gautam, ACA, 07-07-97 12, Ballyganj Terace, Calcutta-700 029.
6.	052625	Mr. Singh Inder Mohan, FCA, 02-06-97 700 BLVD East 4J Weehawken NJ 07087 USA-0
7.	053335	Mr. Marodia Deepak, FCA, 28-06-97 34A Metcalfe Street Suite 4F 4th Floor Calcutta-700 013.
8.	053732	Mr. Mehta Surendra Kumar, 01-04-97 FCA, 78/A Motilal Nehru Road Calcutta-700 029.
9.	053874	Mr. Kothari Sudhir Kumar, ACA, 07-04-97 10/1 Deodar Street Calcutta-700 019.

		*	·
1	2	3	4
10.	054061	Mr. Goel Raj Kumar, FCA, Tata Zambia Ltd. P.O. Box 30074 Lusaka Zambia-0	31-03-97
11.	054536	Mr. Mohta Rajesh Kumar, ACA, 12D Ram Chandra Moitra Laue Calcutta-700 005.	01-04-97
12,	054648	Mr. Agarwal Binay Kumar, FCA, 196 Lake Town Block-A, Ground Floor Calcutta-700 089.	10-05-97
13.	055780	Mr. Chatterjee Rabindra Michael, ACA, 7, Ahiripukur Road Calcutta-700 019.	01-04-97
14:	0 <b>5594</b> 5	Mr. Basu Tarun, ACA, Agroinvest · Ministry of Agriculture, Room 15 Republic Square Almaty-4800 Kazakstan-0.	14-07-97
15.	055974	Mr. Modi Raj Kumar, ACA, C/o Bharat Food Products & Bis Bhai Purs hottam Das & Co. Bldg 1st Floor, Station Road, Raipur-492 001.	01-04-97
16.	056166	Mr. Tiwari Gautam, ACA, Venkatesh Apartment Flat No. 005 115 Dakhindari Road Calcutta-700 048	01-04-97
17.	056237	Mr. Panpalia Navin, ACA, C/o Shri N.S Panpalia C-34 Mandir Side Dt: 24 Parganas (South) Birlapur-743 318.	04-08-97
18.	056248	Mr. Agarwalla Mandoj, ACA, 2 Princep Street 1st Floor, Suite No. 5 Calcutta-700 072.	01-07-97
19.	057277	Mr. Basu Sudhendu Kumar, ACA 3 Chhaku Khansama Lane Calcutta-700 009.	, 01-08-97
20,	057592	Mr. jai 1 Alok Kumar, ACA, P 203D Lake Town Block B Calcutta-700 089.	01-04-97
21.	057962	Ms. Mehta Dimple, ACA, Padmaneer Flat 503 43 Sarat Bose Road Bhawanipore Calcutta-700 020.	01-04-97
22.	<b>058</b> 068 -	Mr. Chattopadhyay Debdulal, ACA, pandua Station Road P.O. Pandua Hooghly-712 149.	2 <b>7-07-9</b> 7
23.	058105	Mr. jayaswal Necraj, ACA, 76 Raja Rammohan Roy Sarani Calcutta-700 009	03-06-97

1	2	3	4
24.	058247	Mr. Jain Anand Kumar, ACA, 153/I Jessoro Road Baisakhi & Srawanti Apartment Flat H-2 2n.1 Floor Calcutta-700 074.	08-05-97
25.	058277	Mr. Aga wal Vinod, ACA, 29A Nakuleshwar Bhatia Charjee Lane Calcutta-700 026.	<b>28-05-9</b> 7

ASHOK HALDIA, Secy.

# EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPO-RATION

New Delhi, the 20th October 1997

No. N-15/13/11/2/95-P&D—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st November, 1997 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Punjab Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Punjab namely:—,

SI. No.	Name Villa		Revenu	e 	Had Bast No.	District
1. M	auli	•		•	105	Kapurthala
	malpur				106	Kapurthala
3. Mo					89	Kapurthala
4. Sa				•	86	Kapurthala
			<del></del>			

L. K. PATTANAIK, Jt. Director (P&D)

# MINISTRY OF LABOUR

# OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

New Delhi-110066, the 8th October 1997

No. 2/1959/EDLI/Exemp/89/Pt./2423—WHEREAS M/s. Nagarjuna Fertilizers and Chemicals Limited, Nagarjuna Hills, Hyderabad-500082 (AP/4573) have applied for exemption under sub-Section 2(B) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, THE CENTRAL PRO-VIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2B) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-I annexed hereto, The CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner Hyderabad from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-3-94 to 28-2-97.

#### SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as fite Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Poard of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the vaid Scheme are enhanced so that the

benefits available under the Group Lisurance Scheme are more favourable to the employees than the bunefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure promot payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

D. K. MARWAH Regional Provident Fund Commissioner

### UNIT TRUST OF INDIA

The 23rd October 1997

No. UT/DBDM/SPD-71-R/R-97-98:—The Offer Documents of the Monthly Income Plan 1997 (IV) formulated under section 19(1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) in relation to the unit scheme the Monthly Income Scheme 1997 (IV) made under Section 21 of the said Act approved in the Executive Committee Meeting held on 9th July, 1997, is published here below.

A G JOSHJ General Manager Business Development and Marketing

# MONTHLY INCOME PLAN 1997 (IV) OFFER DOCUMENTS

Offer open from September 16, 1997 to October 25, 1997

The Monthly Income Plan 1997 (IV) has been formulated under section 19 (1) (8) (c) 9 of the Union Trust of India Act 1963 (52 of 1963), in relation to the unit scheme, the Monthly Income Scheme 1997 (IV) made under section 21 of the said Act by the Board of Trustees of UTI.

\*The plan particulars have been prepared in accordance with Securities and Exchange Board India (Mutual Funds) Regulations, 1996, and the units offered for public subscription have been approved or disapproved by the SEBI, has the SEBI crertified on the accuracy or adequacy of the Offer Document.

### Plan Objective

This is an income oriented Plan. The Plan aims at meeting the needs of investors by providing either regular income on a monthly basis or cumulation of income over a period of 5 years.

# Highlights

- •A five year close ended plan.
- Omen to resident and non resident adult individuals/mentally handicapped persons/minors/HUFS Trusts/Societies/Regd. Co-operative Societies Bodies Corporate including Companies and Banks Overseas Corporate Bodies (OCBs)/Army/Navy Air Force/Paramilitary Funds/Partnership Firms.
  - The Trust shall pay an assured income @12.5% p. a. payable monthly (yield 13.24%) for all the five years of the plan. The income will be naid through post dated monthly warrants. Depending on the earning of the plan additional income could be paid on maturity.
  - •Under the monthly income option, income warrants for the period upto March 1998 will be sent alongwith the membership advice/unit certificate. Thereafter income parrants will be sent in advance for every April-March period. For receiver full year's income distribution the investor should hold the units for a full year.
  - Ounder the Cumulative Option Rs. 10,000/-will atleast become Rs. 18,622/- on maturity (yield 13.24%). However, for income above Rs. 10,000/- in a year, tax is deductible at source as per income Tax Act, 1961.

- Repurchase allowed from 1st November 2000 at NAV based repurchase price under both the options.
- Scheme shall be listed on the wholesale debt segment of the NSE within six months from the closure of subscription.
- It is guranteed that the carital invested in the scheme will be protected on maturity i.e. units will not be redeemed below par. There is no such guarantee for premature repurchases and the repurchase price in such cases will be as per prevailing NAV.
- There is scope for capital appreciation as a part of investment will be in equities.
- Income and Repurchase/Redemption preceds for NRIs and OCBs are fully repartriabe, where the investment is made by remittances from abroad or by debit to the NRE account or by cheque/draft issued from proceeds of FCNR deposits.
- Tax benefits U/S 80L and U/S 48 0211201 income Tax Act, 1961 on income distributed and capital gains from capital appreciation.
- Capital gains tax exemption U/S. 54EA of the Income Tax Act, 1961 subject to lock-in for three years from the date of acceptance.

Special attention of investors is invited to the highlights on income distribution, repurchase and listing indicated in the above paragraph in bold fonts.

### Risk Factors

- ●There is no guarantee of protection of capital for premature repurchases and the renurchase price in such cases will depend on the NAV.
- ■Investments in units of the Plan are subject to market risks and the NAV of the Plan may go up or down depending on the influence of market forces on the plan's portfolio.

Performance of the previous schemes/plans not necessarily an indication of futuresults.

●Monthly Income Plan 1997 (IV) is only the name of the Plan and does not in any manner indicate the quality of the Plan. Investors are urged to study the terms of the offer carefully before they invest in the Plan.

Management's Perception of Risk Tactors:

Trust has been in operation for over 32 years and has built up expertise in managing functs of around Rs. 58,000 erores from over 50 million investors. Table indicating performance of thirty six Monthly Income Plans of the Trust launched till date is given on page number 20.

# Constitution of UII.

Unit Frust of India was set up as a statutory body under UTI Act, 1963, with a view to encouraging saving and investment and participation in the income, profits and gains accruing to the Trust from the acquisition, holding, management and disposal of securities. It started functioning with effect from 1st July 1964.

### Management of UTI

The Management of the affairs and business of the Trust are vested in the Board of Trustees with a full time Chairman appointed by the Government of India.

Besides the Board, there is a statutory Executive Committee comprising the Chairman, the Executive Trustee and two other Trustees nominated by the Industrial Development Bank of India. This Committee is competent to deal with any matter within the competence of the Board.

### Roard of Trustees

6-339GI/97

Board of Trustees:	
1. Shri G.P. Gupta	Chairman, Unit Trust of India
2. Dr. P.J. Nayak	Executive Trustee, Unit Trust of India
3. Shri R.V. Gupta	Deputy Governor, Reserve Bank of India
4. Shri S.H. Khan	Chairman, Industrial Development Bank of India
5. Shri N.S. Sekhsaria	Managirig Director, Gujarat Ambuja Coments Ltd.
6. Shri P.R. Khanna	Chartered Accountant
7. Shri G. Krishnamurth	Current-in-charge and Managing Director, L.I.C.
8. Shri M.S. Verma	Chairman, S.B.1.
9. Shri N. Vaghul	Chairman, ICICI Ltd.

10 Shri Rashid Iilani,

Chairman & Managing Director, Punjab National Bank.

# DETAILS OF THE MONTHLY INCOME SC HEME 1997 (IV) [MIS' 97 (IV)]

### Short Title and Commencement:

- (1) This Scheme shall be called the Monthly Income Scheme 1997 (IV) [MIS 97 (IV)].
- (2) The Scheme shall be for a period of five years i.e. from 1st November 1997 to 31st October 2002.
- (3) Units will be on sale from 16th September 1997 to 25th October, 1997 for 40 days. Provided, however the Executive Committee of the Board of Trustees of the Unit Trust/Chairman may suspend the sale of units under the Scheme at any time in circumstances like war, disruption of trading in Stock Exchanges and other socio-economic factors after giving 7 days notice in newspapers or in such other manner as may be decided by the Unit Trust.

# II. Definitions:

In this scheme and plan made thereunder unless the context otherwise requires:

- (a) "Acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or repurchase of units by the Trust means the day on which the Trust, after being satisfied that such application is in order, accepts the same.
- (b) The "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963; (52 of 1963).
- (c) "Alternate applicant" in case of minor means the parent other than the parent who has made the application on behalf of minor.
- (d) "Applicant" means a person who is eligible to participate in the scheme and plan made thereunder who is not a minor and shall include the alternate applicant mentioned in the application form when units are sold for the benefit of a mentally handicapped person and makes an application under Clause III of the Plan.
- (e) "Eligible institution" means an eligible trust as defined in the Unit Trust of India General Regulations 1964.

- (f) "firm", "partner" and "partnership" have the meanings assigned to them in the Indian Partnership Act, 1932 (9 of 1932), but the expression partner shall also include any person who being a minor is admitted to the benefits of the partnership.
- (g) "Listed" means the listing of units for the purpose of trading on the wholesale debt segment of the NSE.
- (h) "Member" used as an expression under the Scheme and Plan made thereunder shall mean and include the applicant who has been allotted units under the Scheme.
- (i) "Mentally handicapped person" means any individual who suffers from mental disability of such a nature which prevents him from carrying out normal activities of life.
- (j) "Non Resident Indian (NRI)", means Non Residents of Indian nationality/origin. A person shall be deemed to be "person of Indian origin" if he/she or either of his parents or any of the grand parents, how-soever high in degree or ascent, whether of paternal side or maternal side, was born in India, as defined in the Government of India Act, 1935, as originally enacted.
- (k) "Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and remaining outstanding.
- (1) "Overseas Corporate Bodies (OCBs)", include overseas companies, partnership firms, societies and other corporate bodies which are owned, directly or indirectly, to the extent of atleast 60% by individuals of Indian nationality or ogigin resident outside India as also overseas trust in which atleast 60% of the beneficial interest is irrevocably held by such persons.
- (m) "Person" shall include an eligible institution as defined above.
- (n) "Registrars" means a person whose services may be retained by the Trust to act as the Registrars under the Scheme from time to time.
- (o) "Regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43(1) of the Act.
- (p) "SEBI" means the Securities and Exchange Board of India set up under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992. (15 of 1992).

- (q) "Society" means a society established under the Societies Registration Act of 1860 or any other society established under any State or Central law for the time being in force.
- (r) "Trading" means the dealing in by buying or selling units through the wholesale debt segment of the National Stock Exchange (NSE) after the first allotment of units.
- (s) "Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital.
- (t) "Unit Capital" means the aggregate of the face value of units sold under the scheme and outstanding for the time being.
- (u) "Unit Trust" or "Trust" means the Unit Trust of India established under Section 3 of the Act.
- (v) All other expressions not defined herein but defined in the Act/Regulations shall have the respective meanings assigned to them by the Act/Regulations.
- (w) Words importing singular shall include the plural and all reference to masculine gender shall include the feminine and vice versa. The other provisions of the scheme are available from page No. 11 to page No. 16.

DETAILS OF THE MONTHLY INCOME PLAN 1997 (IV) [MIP'97 (IV)] FORMULATED UNDER THE MONTHLY INCOME SCHEME 1997 (IV) [MIS'97 (IV)] ARE GIVEN HEREAFTER.

### I. Definitions:

The words not defined in the Plan and defined in the Scheme and the Act/Regulations shall have the respective meanings assigned to them in the Scheme/Act/Regulations.

# II. Face value of each unit:

The face value of each unit issued under the scheme shall be ten rupees.

# III. Application for units:

(1) Application for units may be made by residents and also non residents.

### Residents:

- (a) individuals either singly or jointly with another or upto two other individuals.
- (b) a parent, step-parent or other lawful guardian on behalf of a resident minor. An application cannot be made by an adult and minor jointly.

- (c) an eligible institution as defined under the scheme including Private Trust being irrevocable trust and created by an instrument in writing.
- (d) an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person.
- (e) a society as defined under the scheme.
- (f) a registered co-operative society.
- (g) other bodies corporate including companies formed under the Companies Act, 1956 and Banks.
- (h) Hindu Undivided Family.

- (i) Army/Navi/Air Force/Paramilitary Funds.
- (i) a partnership firm.

# Non-Residents On fully repatriable basis by

- (a) Non resident adult individuals either singly or jointly with another or upto two other individuals.
- (b) Father/Mother/Step-parent/Lawful Guardian on behalf of Non-resident minor.
- (c) Non-Resident HUF
- (d) Non-resident Company/Overseas Corporate Bodies owned by NRIs to the extent of at least -60%.
- (2) An application by a partnership firm shall be made by not more than four members of the firm and the first named person shall be recognised by the Trust for all practical purposes as the member.
- (3) Application shall be made in such form as may be approved by the Chairman/Executive Trustee of the Trust.

## IV. Minimum amount of investment

Application shall be made for a minimum of Rs.10000/-under both the options-Monthly & Cumulative. There will be no maximum limit for investments not in multiple of Rs. 10/-, units will be allotted in fractions upto three places after the decimal. In case of investment of Rs. 50,000/- and above, the investor is advised to furnish Income Tax P.A.N./G.I.R. number and IT Circle address if he/she is having so.

### V. Minimum target amount to be raised

Amount of Rs. 100 crores is targeted to be raised under the scheme. Over subscription, if any, will be retained by the Trust in full.

The Trust shall by A/C payee cheque/refund order refund not later than six weeks from the date

of closure of the sale of units under the scheme the entire amount collected under the scheme, if the said targeted amount of Rs. 100 crores is not subscribed.

In the event of failure to refund the amounts within the period stipulated above, the Trust shall be liable to pay interest to the applicants @15% per annum of the expiry of six weeks from the date of closure of the sale of units.

# VI. Limitation on expenses:

Initial issue expenses shall not exceed 6% of the funds raised under the Scheme. Initial issue expenses of the Scheme is estimated to be as under:—

Expenses				%
Printing & Postage .				1.50
Publicity & Marketing				- 1.75
Commission to agents				1.50
Registrars Charges .	•	-		0.50
Bank Charges			4	0.25
Stamp fees & Custodial	Fees			0.50
	· <del></del>	·		<del></del>
Total	-	•		6.00

Thus for every Rupee invested by an investor not less than 94 paise will be invested in the Scheme.

In addition to the initial issue expenses, the following expenses will be charged to the scheme on a recurring basis. Estimated recurring expenses are as under:—

Expenses					%
Administrative Expe	nses	,			0.90
Custodial Fees .	-				0.50
Development Reserv	e Fun	d ·			0.25
Staff Welfare Trust					0.10
Registrars Fees	. •	٠.	•	•	0.50
Total .	,	•		4	2.25

The above expenses are estimated and are subject to change inter se as per actual expenses incurred. However the total expenses would be within the limit of 6% of the funds collected for initial issue expenses, in accordance with SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996.

The total annual recurring expenses of the scheme excluding initial issure expenses and redemption expenses but including administrative epenses,

contribution to Development Reserve Fund and Staff Welfare Trust shall be subject to the following limits:

- (1) On the first Rs. 100 crores of the average monthly not assets-2.25%
- (ii) On the next Rs. 300 crores of the average monthly net assets-2.00%
- (iii) On the next Rs. 300 crores of the average monthly net assets-1.75%
- (iv) On the balance of the assets-1,50°

Administrative expenses, contribution to Development Reserve Fund and contribution to Staff Welfare Trust will not exceed the limits specified under clause 2 of regulation 52 of SEBI(MFs) Regulations, 1996. UTI does not charge any investment management and advisory fees as provided in the SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996. However, UTI will ensure that the initial issue expenses and the annual recurring expenses shall remain within the limits specified under regulation 52 of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996.

# VII. Mode of Payment

(1) (i) The payment for units by an applicant shall be made by him alongwith the application in cash, cheque or draft. Where applications are submitted at UTI branch offices, cheques or drafts should be drawn on branches of banks within the city where the UTI branch office at which the application is tendered is situated. Provided, however, that the applicant who wishes to apply from a place other than where the Trust has its branch office/collection centre/franchise office may do so by sending the application to the branch office of the Trust alongwith the bank draft after deducting therefrom charges payable for bank draft as per guidelines of Indian Banks Association. The collection centres/franchise offices are authorised to accept applications alongwith cheque payable locally or demand draft payable at places upto which the scheme is decentralised in which case the applicant may deduct charges as per the guidelines of Indian Banks Association, e.g. if the application amount is Rs. 10,000/- the bank draft charges for this amount is Rs. 20/-. Thus the draft can be prepared for Rs. 9,980/- (i.e. Rs. 10,000 less Rs. 20/-). The draft commission charges will form a part of the initial issue expenses of the Plan.

However, in case of applications received alongwith local bank draft where the Trust.

- has its branch office/collection centre/ franchise office bank draft commission will have to be borne by the investor.
- (ii) If the payment is made by cheque, the acceptance date will, subject to such cheque being realised, be the date on which the application is received by the branch office of the Trust or authorised collection centre.

If payment is made by draft, the acceptance date will, subject to such draft being realised, be the date of issue of such draft, provided the application is received by the branch office of the Trust or authorised collection centre within 7 days from the date of issue of draft. If the application amount is less than the minimum investment under the plan, the entire amount shall be refunded to the applicant at his cost in such manner as the Trust may deem fit.

(iii) Mode of Investment with repatriation benefits

The investments by NRIs/OCBs shall carry the right of repariation of capital invested and income extract thereon and capital appreciation (if applicable), as long as the investor continues to be resident outside India. Investment in these cases can be made through one of the following modes:

- (a) Draft in foreign currency.
- (b) Draft in rupces issued in favour of UTI by foreign banks/Exchange House drawn on their Indian correspondent banks.
- (c) By cheque drawn on investor's NRL account maintained with a Bank in India.
- (d) By cheque/draft issued from the proceeds of FCNR deposits.

Further, payment in Nepalese and Bhutanese currencies are not accepted. Investment in units is made in rupees, all foreign currency drafts are converted into Indian rupees at the rate of exchange ruling at the time of such conversion.

Shortfall, if any, will have to be remitted by NRI investors.

In view of the above it is advisable that NRI/OCB investors make payment by instruments mentioned at (b) & (c) above.

(iv) Mode of investment without repatriation, benefits:

Where funds held in NRO accounts are utilised for purchase of units, the funds so invested and capital appreciation (if applicable), will not qualify for repatriation out of India.

However as per RBI circular A.D (M.A Series) No. 18 dated August 19, 1994 the entire income carned thereon during the financial year 1996-97 and onwards will qualify for full repatriation.

While in such cases UTI will make payment in Rupees for credit to NRO A/C, investors are advised to contact their banks/Tax consultants if they desire remittance of income on units.

(2) (a) Right of the Trust to accept or reject application:

The Trust shall have the right at its sola discretion to accept and/or reject application for issue of units under the Scheme and the Plan made thereunder. The Trust shall reject an application for issue of units in the following circumstances:

- I. the application is received with less than the minimum investment of Rs. 10,000/-
- II. the application has not been signed by the first applicant and
- III, the applicant is not eligible to invest in the scheme. Any decision of the Trust about the eligibility or otherwise of a person to make an application under the Scheme and the Plan made thereunder shall be final.
- (b) Incomplete Application Liable For Rejection In case the application is found to be incomplete, the same will be liable for rejection and refund of such application money will be made by the Trust as soon as possible without incurring any liability whatsoever for interest or other sum.

Refund will be made after compliance of requisite operational and procedural formalities.

(3) Applicant to comply with requirements, under the Scheme and the Plan made thereunder before being issued units:

Persons applying for units under the seneme and the Plan made thereunder shall be bound to satisfy, the Trust about their eligibility to make an application and comply with all requirements of the Trust such as Trust deed, Resolution by the Managing Body to buy units in case of application from Trusts, Birth Certificate in case of application on behalf of minor, certified copy of partnership deed in case of application on behalf of partnership firms etc. depending on the category of the investors. The compliance or otherwise to the satisfaction of the Trust of such requirements shall be at the sole discretion of the Trust.

Person who holds units under a false declaration shall be liable to have the membership cancelled and the name deleted from the register of members.

The Trust shall have the right in such an event to repurchase the units at par after deduction of 25% as penalty or at such price as may be decided by the Trust, and recover the Income Distribution wrongly paid from out of the repurchase proceeds and return the balance.

The amount shall not carry any interest irrespective of the period it takes the Trust to effect the repurchase and to remit the repurchase proceeds to the applicant.

# VIII. Sale of Units:

The sale price of units during the period of offer shall be at par. The contract for sale of units by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date. On such conclusion of the contract for sale, the Trust shall as soon thereafter as possible issue to the a plicant Membership Advice/Unit Certificate at his option. A Membership Advice/Unit Certificate issued by the Trust to the eligible institution, firm or body corporate shall be made out in the name of the eligible institution/firm/body corporate. The Trust shall not incur any liability for loss, damage, misdelivery or non-delivery of the Membership Advice/Unit Certificate so sent.

The Trust shall sond the Membership Advice/Unit Certificate not later than 6 weeks from the date of closure of sale of units under the Plan

### IX. Repurchase of units:

(1) Repurchases under the plan will commence after three years from the date of commencement of the plan i.e. from 1st November, 2000 under both the options. There shall be no repurchase during the first three years of

the Scheme and Plan made thereunder except for settlement of death claim cases. The repurchase price will be based on the NAV of units (on historic basis) and shall be issued to the press for publication six months from the date of commencement of the plan i.e. on 01-05-1998 and on a quarterly basis thereafter till 31-10-2000. From 01-11-2000 the repurchase price will be announced at intervals of not more than one month.

On maturity of the scheme, it is guaranteed that the repurchase price will not be less than the par value of units ie. Rs 10/-. However there is no such guarantee for premature repurchases and the repurchase price will depend on NAV.

Further as a portion of the investments will be made in equities, there is scope for capital appreciation.

# (2) Monthly Income option

The Trust will offer to repurchase the units after three years from the date of commencement of the Scheme and the Plan made thereunder. Repurchase price will be based on historic NAV and shall be issued to the press for publication after six months from the date of commencement of the plan i.e. on 01-05-98 and on a quarterly basis thereafter till 31-10-2000. From 01-11-2000 the repurchase price will be announced at intervals of not more than one month. While calculating the repurchase price the Trust shall be at liberty to deduct administrative cost and other charges not exceeding 5% of the NAV per unit. Repurchase will be effected on receipt of the Membership Advice alongwith a request letter on plain paper duly signed by all the holders and duly witnessed by another person giving his name, occupation and address/Unit Certificate duly discharged. Partial repurchase shall be permitted subject to the member maintaining a minimum balance of Rs. 10000/- (face value). The member while making an application for repurchase shall be bound to surrender all the unencashed Income Distribution Warrants remaining outstanding subsequent to and inclusive of the month of repurchase to the Trust.

In the event of repurchase in full the Trust shall not on accepting the Membership Advice along with the request letter for repurchase/Unit Certificate duly discharged be bound to pay any Income Distribution on the units for the month of acceptance or future months nor shall any interest be payable on the repurchase proceeds.

All the documents and the unencashed Income Distribution Warrants if any, received shall be retained by the Trust for cancellation. In the event of partial repurchase, depending on the number of units retained by him, the member shall be issued a fresh membership advice/unit certificate and a fresh set of income distribution warrants for the remaining period including the month of acceptance. No interest shall be payable on the repurchase proceeds.

- (3) Notwithstanding anything contained in the foregoing sub-clauses, the Trust shall be at liberty waile repurchasing the units, in the event of failure of the member to surrender the Income Distribution Warrants which are then outstanding to deduct from the repurchase proceeds such amount representing the amount of the Income Ditribution Warrant payable in future as have not been surrendered and pay the balance to the member. On acceptance of the Membership Advice and the request letter for repurchase/ Unit Certificate duly discharged by the Trust, and in the event of full repurchase, the members' right to receive future Income Distribution including the Income Distribution for the month of acceptance will cease and the Trust shall have a claim on the amount represented by such outstanding Income Distribution.
  - (4) A member to be entitled to a full year's Income Distribution paid out on a monthly basis should have held the units for a full year. A member who holds units for a part of the year shall be entitled to receive proportionate Income Distribution for the period of holding which shall always be full English Calendar months of holding, part of a month of whatever length being always ignored.
- (5) In the event of the death of the members and on surrender to the Trust by the legal representative or nominee of the Membership Advice/Unit Certificate, the request letter for repurchase and the unencashed Income Distribution Warrants outstanding to the deceased member, the Trust shall on

compliance with the requirements laid down in connection with the recognition of claim, repurchase the units in the manner prescribed in sub-clause (2) and (3) hereinabove in accordance with such rules and guidelines as may be formulated by the Trust and pay the outstanding proportionate monthly income distribution upto the date of settlement of the claim.

# (6) Cumulative Option

The Trust shall in case of units issued under Cumulative Option offer to repurchase the units after three years from the date of commencement of the scheme and the plan made thereunder i.e. from 1st November 200. Repurchase price will be based on historic NAV. While calculating the repurchase price the Trust shall be at liberty to deduct administrative cost and other charges not exceeding 5% of the NAV per unit.

Partial repurchase will be permitted subject to the member maintaining a minimum balance of Rs. 10000/- (face value).

(7) Payment for units repurchased by the Truts after the deductions, if any, shall be made within 10 working days (provided the application is in order) from the date of receipt of the membership advice alongwith the request letter for repurchase/unit certificate duly discharged and dividend warrants if any at the centre where the repurchase requests are processed.

No interest shall, on any account, bepayable on the amount due to the applicant and the cost of remittance (including postage) or realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

- (8) In case of non-resident investors, repurchase proceeds will be remitted depending upon the source of investment as follows:
  - (a) When units have been purchased from remittance in foreign exchange from abroad/by cheque/draft issued from funds held in member's Non-Resident (External) Account kept in India, the proceeds can be remitted to the member in foreign currency (any exchange rate fluctuation will be borne by the member) or can be sent to the member's relative in India for crediting the member's Non-Resident (Externa 1) Account provided he continues to be resident broad. It can also besent for crediting to his

- compliance with the requirements laid down

  Non-Resident (Ordinary) Account if
  desired by the member.
  - (b) When unit, have been purchased from funds held in member's Non-Resident (Ordinary) Account, the proceeds will be sent to the member's relative in India for crediting to the member's Non-Resident (Ordinary) Account.

# X. Restriction on repurchase of units

Notwithstanding anything contained in any provision of the Scheme and the Plan, made thereunder the Trust shall not be under any obligation to repurchase units:

- (i) on such days as, are not working days; and
- (ii) during the period (as notified by the **Trust**) when the register of members is closed for any purpose as notified by the **Trust**.

Explanation: For the purpose of this Scheme and the Plan made thereunder the term "working day" shall mean a day which has not been either

- (i) notified under he Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other States where the Trust has its offices; or
- (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the office of the Trust will be closed.

### XI. Listing:

The units issued under the scheme shall be listed on the wholesale debt segment of NSE within six months from the date of closure of subscription. An application for listing shall be made to NSE in no listely on receipt of the approval of the scheme from SEBI as per Regulation 32 of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996

## XII. Membership Advice Units Certificate :

The Trust shall issue Membership Advice/Unit Certificate at the option of the member.

A unit certificate is transferable while a membership advice is not. Both are however equally valid evidence of admission of the investor into the plan. Investors may choose to receive either a membership advice or a unit certificate by ticking at the appropriate place in the application form. Generally investors who may wish to transact in the stock exchange on listing the scheme may opt for unit certificate. However, if no preference is indicated in the application form the investor will be sent a membership advice.

The non resident Indian may choose any one of the following modes of despatch of Membership Advice/Unit Certificate:

- (a) At the applicant's Intain/Foreign address OR
- (b) At the applicant's relative's address in India.

# XIII: Manner of preparation of Membership Advice and Unit Certificate:

hall be in such form as may be decided by the Executive Director of the Trust.

The Unit Cortificate may be engraved or lithographed or printed as the Board may from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Unit Trust. Every such signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method No Unit Cortificate shall be valid unless and until it is so signed. Unit certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon may have ceased to be a person authorised to sign unit certificates on behalf of the Unit Trust.

Provided that should be Unit Certificate so prepired contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the Certificite, the Unit Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the Certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The Unit Certificate of issued shall also be valid.

XIV. Exchange of Membership Advice/Unit Certificate and procedure when Membership Advice/Unit Certificate is mutilated, defaced, lost etc.:

## Membership Advice

For the purpose aforesaid the member under the Scheme and the Plan made thereunder shall follow such rules/guidelines/procedures and execute such the rule as would be formulated required by the Frust from time to time.

### Unit Certificate

- (1) In case any Unit Certificate shall be mutilated or worn out or defaced, the Unit Trust at its discretion, may issue to the person entitled a new Unit Certificate representing the same
- aggregate number of units as the mutilated or defaced unit Certificate. In case any unit

Certificate should be lost, stolen or destroyed, the Unit Trust may, at its discretion, issue to the person entitled a new Unit Certificate in lieu thereof.

No such new Unit Certificate shall be issued unless the applicant shall previously have:

- (i) furnished to the Unit Trust evidence satisfactory to it of the mutilation, wearing out defacement, loss, theft or destruction of the original Unit Certificate;
- (ii) paid all expenses in connection with the investigation of the facts;
- (iii) (in case of mutilation or wearing out or defacement) produced and surrendered to the Unit Trust the mutilated or worn out or defaced Unit Certificate; and
- (iv) furnished to the Unit Trust such idemnity as it may require.

The Trust shall not incur any liability for issuing such Certificate in good faith under the provisions of this clause.

Before issuing any Unit Certificate under the provisions of this clause, the Unit Trust may require the applicant for the Unit Certificate to pay a fee of Rupee Five per Unit Certificate issued by it together with a sum sufficient in the opinion of the Trust to cover stamp duty, if any, or other charges that may be payable in connection with the issue and despatch of such certificate.

Notwithstanding the above, the member under the scheme shall follow such rules/guidelines/procedures and execute such documents as would be formulated/required by the Trust from time to time.

### XV. Register of Members:

The following provisions shall have effect with regard to the registration of members—

- (1) A register of the members shall be kept by the Trust and there shall be entered in the register inter alia:
  - (a) the names and addresses of the members;
  - (b) the number of the Membership Advice; Unit Certificate and the number of units held by every such person; and
  - (c) the date on which such person became the holder of the units standing in his name.

- (2) Any change of name or address on the part of any member shall be notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require, shall alter the register accordingly. Any change pursuant to the death of of an applicant who had applied for units for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person shall be entered in the register accordingly.
- (3) Except when the registers are closed in accordance with the provisions in that behalf hereinafter contained, the register shall during business hours (subject to such reasonabl restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any member without charge and in connection with his own investment.
- (4) The register will be closed at such times and for such periods as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 45 days in any one year. The Trust shall give notice of such closure by advertisement in newspapers or other media.
- (5) No notice of any trust express, implied or constructive shall be entered on the register in respect of any unit.

# XVI. Application by and registration of eligible institutions, minors, an applicant for the benefit of a mentally handicapped person etc.:

- (1) Eligible institutions, body corporate, and societies (including co-operative societies) may be registered as members.
- (2) An adult, being a parent, step-parent or other lawful guardian of a minor may hold units and deal with them in accordance with and to the extent provided, in sub-secti on (2A) of Section 21 of the Act. Such adult if so required shall furnish to the Trust, in such manner as may be specified, proof of the age of the minor and the capacity to hold and deal with units on behalf of the minor. The Trust shall be entitled to act on the statements made by such a adult in the application form without any further proof.
- (3) Where an application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the Trust shall act on the statements furnished 7—339 GI/97

- and in doing so the Trust shall be deemed to be acting in good faith. The Trust shall be entitled to deal only with the applicant and in the event of his death, the alternate applicant for all practical purposes and any payment in respect of the units by the Trust to the said applicant or the alternate applicant shall be a good discharged to the Trust.
- (4) Eligible institutions, bodies corporate or societies shall whenever required submit to the Trust all the relevant documents showing the applicant's competence to invest in units, such as Memorandum and articles of association, Bye-laws etc. and authorised copy of the resolution by the managing body etc. authorising investment in units and a copy of the requisite Power of Attorney.
- (5) A firm shall be registered as a member and the membership advice/unit certificate shall be made in the name of the firm.

# XVII. Receipt by member to discharge Trust:

The receipt of the member for any moneys paid to him in respect of the units represented by the Scheme and the Plan made thereundershall be a good discharge to the Trust.

# XVIII. Nomination by members:

- (1) Nomination facility is available only for individuals sapplying on their own behalf i.e. singly or jointly upto two. Applicants can nominate one person. Minors and Non-Resident Indians can also be nominated. Non-Resident Indians can be nominated apper the guidelines issued by the RBI frontime to time. Applicant can change the nomination at any time during the currency of the plan.
- (2) Members being either parent or lawful guardian on behalf of a minor and an eligible institution, societies, bodies corporate, HUF, partnership firms and an applican twho has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person shall have no right to make any nomination.

Other provisions will be to the extent p a vided in the regulations.

## XIX. Death of a member:

(1) In case of death of either of the joint members of units, the 'survivor(s) shall be the only

person recognised by the Trust as having title to or interest in the units represented by the scheme and plan made thereunder

Provided that nothing herein contained shall affect any right which any other person may have as against such survivor in respect of the said units.

- (2) In the event of death of a single member, the nominee shall be the person recognised by the Frust is the person southed to the amount payable by the Trust in respect of units.
- (3) In the absence of a valid nomination by single member, the executor or administrators of the deceased member or a holder of succession corrificate issued under part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the units.
- (4) Any person becoming entitled to the units consequent upon the death of a member(s) may, 1901 personal such evidence as to his litle as the Trust shall consider sufficient, be paid the repurchase value of all units to the credit of the deceased after all he formulates in connection with the claim have been connected with by the claimant.
- (5) In the event the nominee/legal heir is a person eligible to hold units then at the desire of the said nominee/legal heir, the nominee/legal hoir may instead of receiving the reparch is value of all units to the credit of the deceased shall be permitted to held the units as a member and continue to r main registered as a member and shall be issued a Manbership Advice/Unit Certificate in his name indicating units so desired to be held subject to the conditions regarding minimum heldings.
- (6) In the event of the leath of the applicant who has applied for units for the benefit of a municily handicapped person, the Trust shall deal with the alternate applicant as if he were the applicant. Further, in the event of the death of the applicant or the alternate applicant, as the case may be, the exising applicant shall appoint another individual as his alternate applicant.
- (7) In the event of death of a single member during the lock-in-period the Trust shall settle the claim after compliance with necessary for natities and pay the local heir no nation and repeat the replacement of a settled in the relevant clause(s) or arrived at by any other method as may be decided by t Trust.

- (8) In case of death or non-resident member(s) the reputch ise proceeds of the units can be remitted to the non-resident nominee or legal heir(s) provided:
  - (a) units were bought out of funds remitted

    i on the funds, from funds held in

    101-stident (E) account in India or

    from 2000000 of FCNR doposits; ad
  - (b) he adminee continues to be residing outside India.

Name it is have been purchased from funds hald in NRO accounts the reparchase proceeds in also of non-resident inchinee on legal axis(s) will not qualify for repatriction but of latin. Cases of claims where named was resident at the time of naminature by about 10 appared to RBI for mode of remittance of the proceeds.

(Carrier Describation and cumulation of income:

The member shall have the right to exercise an option to participate in the Monthly Income Option or The Danal tive Option. This shall be done at the time of investment in the scheme and the option once exercised will be final. In the absence of any specific point only exercised by the applicant it shall be treated as Monthly Income Option.

The return assured under the plan and the protection of avoital invested on muturity is guaranteed by the Divelopment, Reserve Fund of the Trust.

The provisions of the scheme and the plan made thereunder will be applied to both the options and where the provisions vary the relative details are given accordingly.

(1) Monthly Income Option

Under this option, the Trust shall pay assured income @ 12.5% p.a. for the five years of the plan by means of post dated monthly warrants.

Based on the investment objectives and policies of the Plan as also prevailing and likely yields from the instruments in which funds of the scheme will be invested, the scheme would be able to generate sufficient returns to pay income @ 12.5% p.a. payable monthly under the plan.

(2) The income distribution for each month shall be made payable at the beginning of the following month and will be paid by the Trust under such prepayment arrangements by means of Income Distribution Warrants or any instrument encashable at par at the branches of such bank as the Trust may specify.

Such of those units which have been sold under an application accepted by the Trust on or before the 15th day of a month shall be eligible for income distribution for the whole month and the units sold after the 15th day of the month shall be eligible for income distribution for that half month.

The entitlement of income will be as follows:

16-09-1997 to 30-09-1997

Half Month's income

01-10-1997 to 15-10-1997

Full month's

income

16-10-1997 to 25-10-1997

Half Month's income

(3) Depending upon the date of investment one Income Distribution Warrant for the period upto 31st January, 1998 (dated 1st December '97) and 2 postdated Income Distribution Warrants for the period February '98 to March '98 will be sent alongwith the Membership advice/unit certificate.

The Income Distribution Warrants for the subsequent years will be issued in the month of March/April every year depending upon changes in tax laws and sent in advance. The despatch of warrants for the subsequent years will be as per the following schedule:

Period Despatch of warrants by 01-04-1998 to 31-03-1999 March-April 1998 01-04-1999 to 31-03-2000 March-April 1999 01-04-2000 to 31-03-2001 March-April 2000 01-04-2001 to 31-03-2002 March-April 2001 01-04-2002 to 31-10-2002 March-April 2002 The Income Distribution Warrant for the month of March will be dated 31st March every year.

(4) Subject to the provisions of sub-clause (3), the warrants for payment of income distribution on a monthly basis will be sent to the member in advance.

The warrants will be so dated that the member shall encash each one of the warrants on becoming mature for payment. Every warrant shall have validity for three months. The Trust shall not be bound to pay interest in the event of any of the warrants not reaching the members before the expiry of the validity period or in the event of their becoming stale.

- i) In the event of a rejurchase, the number upon non-surrender of unencashed warrants shall be entitled to encash these warrants which are due for the subsequent menths and reneiring in the custody of the nen ters on the dates of maturity of warrants and the amount represented by such Income Distribution Warrants shall be deducted from the repurchase proceeds.
- (6) In the event of the death of the member if the nominee/legal heir is eligible to held units and desires to continue to hold the units, then the nominee/legal heir shall be bound to return all the unencashed warrants for the future months for necessary rectification.

However, such a nominee/legal heir desiring to continue to hold the units shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased member to those in favour of the newly admitted member.

- (7) In the event of death of an applicant where the application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the alternate applicant shall be bound to return all the unencashed Income Distribution Warrants for future months for necessary rectification. However, such alternate applicant shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased applicant to those in favour of the newly admitted applicant.
- (8) Cumulative Option

No income will be distributed under this option: Income will be cumulated at the rate of 13.24% p.a. such that Rs. 10.000/-invested under the option will become atleast Rs. 18.622/- at the time of redemption after five years. However, depending upon the date of investment, the investor will be compensated @ 12.5% p.a. upto 31st October, 1997 to the extent applicable to members under the monthly income option by means of cheque which will be sent alongwith the unit certificate/membership advice.

Justification of the return of 12.5% p.a. under the

Assume the scheme collects Rs. 100 crores. The nitial expenses are 3% and are written of (N) a

period of 3 years (this is because repurchase starts after 3 years). The investible funds available in the first year would be Rs. 97 crores. An annual recurring expense of 2% has because as an addition the calculation of the portfolio yield going by te size of similar funds mobilised in the past and the actual expenses may vary according to the size of this fund. The expected yields stated against each of the asset classes is net of this assumed annual expense of 2%.

# Option I

The Fund will invest 90% in debt and money market instruments and 10% in Equity and Equity related Instruments.

Instrument	% of funds	Investible funds	Expected yield	
Debentures/Bonds &		87.30	14.00	
Money Market Insts Equity	10	9 .70	6.6	

The weighted average yield of the portfolio=
87.3\* 0.14+9.70\* 0.067

100.00

# Option II

The Fund will invest 85% in debt and money market instruments and 15% in Equity and Equity related Instruments.

---- =12.86

Instrument	% of funds	Investible funds	Expected yield (%)
Debentures/Bonds & Money Market Inst		82 .45	14.00
Equity	15	14.55	6.6

The weighted average yield of the portfolio=
82.45\* 0.14±14.55\* 0.066

100.00

The above is illustrative and based on market conditions at the time of launch of the plan. Notwithstanding the aforesaid, the proportion of investment could be varied at the discretion of the fund manager depending on the market conditions/investment

- = 12.50

Bank particulars of investors:

avenues available.

Electronic Clearing Service:

Reserve Bank of India has introduced the concept of Electronic Clearing Services (ECS) through the clearing house to obviate the need for issuing and handling paper instruments and thereby facilitate improved customer service. This is being introduced by the Trust mainly to help the small investors of Ahmedabad/Calcutta/Chennai/Mumbai/New Delhi, whose income is less than Rs. 50,000/- vide one single instrument.

As per guidelines issued by RBI in this regard, the investor is required to give his mandate for ECS as per the format given in the application form with all the details completed therein. This will help the Trust to credit the income amount to investors account with the concerned bank at the earliest and eliminate the work of printing and despatch of income warrants and serve him better. The bank branch will credit the members account and indicate the credit entry with "ECS" in the passbook/statement of account. The applicant who desires to avail of this facility may fill up the particulars of name and address of his bank, nature and number of account, 9 digit Bank and branch code no. etc. in the application form.

It is however not compulsory to avail of this facility.

In case the response to this facility is not sufficient enough to handle or for any other reasons, instead of paying income under "ECS", the Trust may pay the income by issue of income warrant as mentioned above.

As a matter of precaution against possible fraudulent encashment of Income Distribution Warrants due to loss/rnisplacement, applicants are requested to give the full particulars of their bank account (i.e. nature of account and account number, name of of bank) at the appropriate space in the application form as well as on the acknowledgment receipt portion for record. Income Distribution Warrants will then be made out in favour of the bank for crediting their account so specified and sent to them. Members may deposit the Income Distribution Warrants in the said bank for credit of their account. In case the complete bank particulars are not given, Income Distribution Warrants will be issued in the name of the member.

Income Distribution to Non Resident Indian investor

Income under the Plan shall be paid as per the Exchange Control Regulations. The present position regarding payment of income is as follows:

(i) The warrant can be issued in the name of the member and sent to a relative who is resident in India for crediting the NRE/NRO account of the member. OR

(ii) The warrant can be issued in the name of a relative who is resident in India and sent to him for crediting his account.

# DETAILS OF THE MONTHLY INCOME SCHEME 1997 (IV) [MIS '97(IV)] CONTINUED

- (iii) Valuation of assets pertaining to this Scheme:
- (1) Quoted investments including those under lock-in-period are valued at the closing market rates on the valuation date or the latest available quote within a period of sixty days prior to the valuation date. If no quotes are available for a period of sixty days prior to the valuation date the same is treated as unquoted investment.
- (2) In case of quoted debentures and bonds, the market rate being cum-interest, the same is adjusted for the interest element, if any.
- (3) Unquoted/non-traded equity shares are valued at the average of capitalisation of earning and the book-value (break-up value) minus 10% or the book-value, whichever is lower.
- (4) Unquoted debentures, bonds and transforable notes are valued at yield to maturity, based on the rating of the instrument as determined by the Board of Trustees of the Trust.
- (5) Unquoted warrants are valued at the market rate of the underlying shares discounted for dividend element, if any, and reduced by the exercise price payable. In cases where the exercise price payable is higher than the value so derived, the value of warrants is taken as nil.
- (6) Bonus/right entitlements are recognised on ox-bonus/ex-rights dates.
- (7) Convertible debentures and bonds where composite market quetations are not available, the convertible portion is valued at the market rate relevant to equity shares, discounted for dividend element, if any. The non-convertible portion if any, of such debentures and bonds are valued at yield to maturity, as determined by the Board of Trustees of the Trust. Where terms of conversion are not specified in respect of the convertible portion, the same is valued at cost.
- (8) Monoy Market instruments may be valued on the basis of quotations obtained from more than one dealer or broker.

- (9) Government Securities are valued at yield to maturity (YTM) based on the prevailing market rates.
- (10) The aggregate value of investments as computed in accordance with (1) to (9) blocke is compared to the aggregate cost of such investments and the resultant depreciation, if any, is charged to revenue account.
- IV. Computation and disclosure of Net Asset Value (NAV):

The Not Asset Value of the units issued under the scheme shall be calculated by determining the value of the scheme's assets and subtracting the liabilities of the scheme taking into censideration the accruals and provisions. The Net Asset Value per unit shall be calculated by dividing the NAV of the scheme by the total number of units issued and outstanding on that date. The NAV of the Scheme shall be determined separately for the Monthly Income Option and for the Cumulative Option. The NAVs (on historic basis) shall be issued to the press for publication within six months from the closure of subscription and on a monthly basis thereafter.

# V(a), Investment Objective:

Investment objectives of the Scheme is to primarily provide regular monthly income to the subscriber and also to endeavour providing capital appreciation to the subscriber on maturity of the Scheme.

Funds collected under the scheme shall after providing for all initial preoperative and operational expenses generally be invested as follows:

- (i) Atleast 80% of the funds will be invested in fixed income securities and money market instruments. The risk profile of investment will be low to medium.
- (ii) Upto 20% of the funds will be invested in equities and equity related instruments 71.0 risk profile of equity investments could be high.
- (iii) Investments in money market instruments will be consistent with the guidelines issued by SEBI, if any, in this regard from time to time.

Notwithstanding the aforesaid, the propertion of investment could be varied at the discretion of the fund manager depending on the market conditions and the investment avenues available.

Pending doployment of funds of the scheme in securities in terms of the investment objective stated above the Trust may invest the funds of the scheme in short term deposits of scheduled commercial banks.

# (i) Invistment Policies

- (i) All 13b instruments in which investments are made by the scheme should have been rated as investment grade by a credit rating agoncy which may be recognised from time to time: Provided that if the debt instrument is not rated, the specific approval of the Board of Trustees of the Trust shall be taken for investment.
- (ii) No term loans will be advanced by this scheme.
- (iii) Transfer of investments from this scheme to another Scheme/Plan of the Trust shall be done only if-
  - (a) such transfers are done at the prevailing market price for quoted instruments on spot basis.
  - (b) the securities so transferred shall be in conformity with the investment objective of the Scheme/Plan to which such transfer has been made.
  - (c) Transfer of unlisted or unquoted investments from the Plan to another Scheme/Plan of the Trust shall be done as per the policies had down by the Board of Trustees of the Trust.
- (iv) The scheme may invest in another Scheme/Plan of the Trust or any other mutual fund without charging any fees, provided that aggregate interscheme investment made by all schemes of the Trust or in schemes under the management of any other asset management company shall not exceed 5% of the net asset value of the Trust
- (v) The Trust shall buy and sell securities on the basis of deliveries and shall in all cases of Purchases, take delivery of relative securities and in all cases of sale, deliver the securities and shall in no case put itself in a position whereby it has to make short sale or carry forward transaction or engage in badla finance.
- (vi) The Trust shall, get the securities purchased or transferred in the name of the Trust on account of the scheme, wherever investments are intended to be of long term nature.
- (vii) The scheme shall not borrow except to meet temporary liquidity needs of the scheme for the purpose of repurchase, redemption of units or payment of interest or income to the members.

provided that the scheme shall not borrow more than 20% of the net asset of the scheme and the duration of such a borrowing shall not exceed a period of six months.

The services of UTI Securities Exchange Limited (UTI SEL) a stock-broking firm and subsidiary of UTI may be utilised for securities transactions of the plan as per the policies and subject to the limits laid down by the Board of Trustees of the Trust. UTI SEL was set up in 1994. It is a high technology company offering fair transparent and efficient services to suit investors requirements. Its registered office is at Mumbai

- (c) However, notwithstanding anything contained in respect of clauses III, IV and V (b) above, the valuation of assets, computation of NAV, repurchase price and their frequency of disclosure would be in accordance with the provisions of SEBI (MF) Regulations/Guidelines/Directives issued by SEBI from time to time.
- VI. Trusts not to be admitted and recognised for the nurpose of the Schone and the plan male thereunder
  - (1) The Person who is registered as the member and in whose name a Membership Advice/
    Unit Certificate has been issued shall be the only person to be recognised by the Γrust as the member and as having any right, title or interest in or to such units; and the Trust may recognise such member as absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take any notice of the execution of any Trust save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction ordered, to recognise any Trust or equity or other interest affecting the title to any units represented in the scheme.
  - (2) When an application is made by an individual for the benefit of another individual who is mentally handicapped and accepted by the Trust, the Trust shall not be deemed to be taking notice of any trust. The Trust shall deal, for all purposes, under the Scheme and the plan made thereunder with the applicant or the person mentioned as alternate applicant in the application form in the event of the applicant's death.

### VII. Transfer/pledge/Assignment of Units:

Units issued under the Scheme are Transferable/pledgeable/Assignable subject to the following terms:

- (a) The unit certificate (and not membership advice) issued in accordance with the provisions of the scheme is negotiable and can be transferred to the individuals, expressed and such other categories as are mentioned in Clause III of the provisions of the plan.
- (b) Transfers may be effected only by and between transferors and transferees who are capable of holding units. The Trust shall not be bound to recognise any other transfer.
- (c) Transfer instruments with the relative unit certificate and unencashed warrants subsequent to and inclusive of the month of transfer (in case of monthly income option) and accompanied by such fee as may be prescribed from

time to time by the Trust shall be lodged with any of the offices of the Registrars appointed for the purpose.

- (d) Any transfer deed lodged with or accepted by any of the offices of the Trust shall be forwarded to the nearest office of the Registrars.
- (e) Every instrument of transfer shall be signed by the transferor and the transferee and the transferor shall be deemed to hold units until the name of the transferce is entered in the register of members by the Registrars.
- (f) The Registrars may require such evidence as they may consider necessary in support of the title of the transferor or his right to transfer units.
- (g) The Registrars may subject to compliance with such requirements as they deem necessary dispense with the production of the original unit certificate, should it be lost, stolen or destroyed.
- (h) Upon registration of a transfer of units all instruments of transfer and the unit certificate may be retained by the Registrars.
- (i) The Registrars recognising and registering a transfer may issue the original or fresh unit certificate and income distribution warrants, if any, (in case of monthly income option) to the transferce upon payment and realisation of such charges as are payable in connection with the transfer and issue a certificate and warrants.
- (j) If a transferee becomes a holder of units in an official capacity, by operation of law or a scheduled bank upon enforcement of pledge then the Registrars shall subject to the production of such evidence which in their opnion is sufficient, proceed to effect the transfer, if the intended, transferee is otherwise eligible to hold units.
- (k) Subject to the provisions contained hereinabove the Trust shall register the transfer and return the Unit Certificate alongwith income warrants, if any, to the transferee within 30 days from the date of lodgement of Unit Certificate together with the relevant instrument of transfer.
- VIII. Development Reserve Fund (DRF) contribution:

  0.25% of the monthly average Net Asset Value shall be set aside as contribution towards the DRF of the Trust every year.

DRF contribution will be part of recurring expenses.

The Trust instituted this fund in the year 1983-94 as a common fund to enable the Trust to meet the expenditure in respect of research & developmental work in connection with the introduction of new Schemes, innovation of new systems and procedures at the conceptual stage and also various other productional & developmental work not related to or linked with any particular Scheme itself. Funds is also utilised for Economic and Capital Market Resource, Management

professional Training, Surveys and Market Research for the Trust, Marketing and Corporate image building efforts that are not connected to any specific Scheme, Human Resource Development efforts with long term effects and which may relate to the Trust's future activities and for meeting the shortfall, if any, in the assured rate of return of any of the schemes of the Trust.

### IX. Staff Welfare Trust Contribution:

0.10% of monthly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Trust. The Trust has instituted the Staff Welfare Trust for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.

#### X. Publication of Accounts:

The Trust shall as soon as may be after the 30th june of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board showing the working of the Scheme and the plan made thereunder during the period ending as of that date. The Trust shall furnish to SE3I copies of duly audited annual accounts including the balance sheet and Revenue accounts as also unaudited half yearly accounts and the quarterly statement of movements in NAV and a quarterly portfolio statement including charges from the previous periods. The Trust shall make such disclosures to the investors as are essential to keep them informed about any information which may have an adverse bearing on their investments. The Trust shall, on request in writing received from a member, furnish him a copy of the accounts and statements so published.

# XI. Additions and Amendments to the Scheme and the plan made 'thereunder:

The Board may from time to time add to or otherwise amond this Schome and the plan made thereunder and any amendment/addition thereof will be notified in the Oficial Gazette, Incase of any amendments prior approval of SEBI shall be obtained.

When any change in the fundamental attributes of the scheme or the trust or fees and expenses payable or any other change which would modify the scheme or affect the interest of the members is proposed to be carried out the consent of not less than three-fourths of the members shall be obtained:

Provided that no such change shall be carried out unless three-fourths of the members have given their consent and who do not give their consent are allowed to redeem their holdings in the scheme.

Explanation: For the purposes of this clause "fundariental attributos" means the investment objective and terms of the scheme.

### XII. Termination of the Scheme and plan made thereunder:

(a) The scheme shall stand finally terminated on 31-10-2002, the outstanding units of the

members shall be repurchased and the members shall be paid the value of their units at the repurchase price fixed for the final repurchase during the above period. Besides receiving the repurchase Price determined, no further benefit of any kind either by way of increase in the repurchase value or by way of income for any subsequent period shall acthe Trust reserves with the crue. However pr or approval of SEBI the right to extend the scheme beyond 5 years. In such an event the member shall be given an option to either sell back the units to the Trust or to continue in the scheme. The Trust could also give the investor the option to convert the repurchase proceeds into any other scheme launched or in operation at that time.

- (b) The Trust may wind up the Scheme and the plan made thereunder under the following circumstances:
  - (i) on the expiry of five years of the scheme i.e. on 31st October, 2002 or on the expiry of such date beyond five years as may be decided by the Trust
  - (ii) on the happening of any event which in the opinion of the Trust requires the Scheme and the plan made thereunder to be wound up, or
  - (iii) if 75% of the Monbers pass a resolution that the scheme be wound up; or
  - (iv) if the SEBI so directs in the interest of the Members.
- (c) Where the Scheme is would up in pursuance of sub clause (b) above, the Trust shall give notice of the circumstances leading to the winding up of the Scheme to SEBI and in two daily newspapers having circulation all over India and also in a vemacular newspaper circulating in Mumbai at least before a week the termination is effected.
- (d) On and from the date of advertisement of the termination, the Trust shall—
  - (i) cease to carry on any business activities in respect of the Scheme.
  - (ii) cease to create and cancel units in the Scheme.
  - (iii) cease to issue and redeem units in the Schome.
- (e) The Board of Trustees shall can a meeting of the members to consider and pass necessary resolution by simple majority of the members present and voting at the meeting for authorising the Trustees or any other person to take steps for winding up of the Scheme.

Provided that a meeting shall not be necessary if the scheme is wound up at the end of the maturity period of the scheme.

(f) (i) The Board of Trustees or the Person authorised under sub clause (e) shall dispose of the assets of the scheme in the best interest of the members of the Scheme.

- (ii) The proceeds of sale made in pursuance of sub clause (f) (i) above, shall, in the first instance be utilised towards discharge of such liabilities as are properly due under the Scheme and after making appropriate provision for meeting the expenses connected with such winding up, the balance shall be paid to the members in proportion to their respective interest in the assets of the Scheme as on the date when the decision for winding up was taken.
- (g) On completion of the winding up, the Trust shal forward to the SEBI and the members a report on the winding up containing particulars such as circumstances leading to the winding up, the steps taken for disposal of assets of the scheme before winding up, expenses of the scheme for winding up, net assets available for distribution to the members and a certificate from the auditors of the scheme.
- (h) Notwithstanding anything contained hereinabove, the application of the provisions of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996 in respect of disclosures of half yearly reports and annual report shall continue.
- (i) After the receipt of the report referred to in clause XII (g) of the scheme, if the SEBI is satisfied that all measures for winding up of the scheme have been completed, the scheme shall cease to exist.
- (j) The Trust shall Fay the repurchase value as early as possible after the Membership Advice along with the request letter for repurchase Unit/Certificate duly discharged has been received by it and other procedural and operational formalities are complied with. The Membership Advice/Unit Certificate, the request letter for repurchase and other forms, if any, saah be retained by the Trust for cancellation.
- (k) In case of Juon-resident investors, repurchase/ maturity proceeds will be remitted depending upon the source of investment as given below:
  - (i) When units have been purchased from remittance in foreign exchange from abroad or from the proceeds of the member's FCNR deposits or from funds held in member's Non-Resident (External) Account kept in India, the proceeds can be remitted to the member in foreign currency.
  - (i) When units have been purchased from funds held in manuar's Non-Resident (Ordinary) Account, the maturity cheque will be despatched to the relative of the investor in India.

### XIII, power to construe provisions:

If any doubt arises as to the interpretation of any of the provisions of the Scheme and the plan made thereunder, only Chairman, and if no one is appointed as Chairman then, the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the Scheme and the plan made thereunder, in so far such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basis structure of the Scheme and the plan made

thereunder and such decision shall be conclusive, binding and final. The provisions of the scheme formulated hereunder and the provisions of the plan as stated in the scheme shall be read in conjunction to each other.

## XIV. Relaxation of provisions: .

Only Chairman, and if no one is appointed as Chairman then, the Executive Trustee of the Trust may in order to mitigate hardship or for smooth and easy operation of the Scheme and the plan made thereunder, relax an of the provisions of the Scheme and the plan made thereunder in case of any member or class of members upon such terms as may, be deemed expedient under intimation to SEBI.

Any changes in the offer document shall be with prior approval of SEBI.

Scheme and plan made thereunder to be binding on members:

> The terms of the Scheme and the plan made thereunder including any amendments, changes therefo from time to time shall be binding on each member and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding notwithstanding anything contrary contained in the provisions of the Scheme and the plan made thereunder.

### XVI. Benefits to the members:

All benefits accruing under the Scheme and the plan made thereunder in respect of capital, reserves and surpluses, if any, at the time of the closure of the Scheme and the plan made thereunder shall be available only to the members who hold the units for the full term of the Scheme and the plan made thereunder till its closure.

Approval of members of the plan shall be sought in following circumstances:

- (i) whenever required to do so by SEBI in the interest of the members; or
- (I') whenever required to do so on the requistion made by three-fourths of the members of the plan: or
- (lii) when the majority of the trustees decide to wind up or prematurely redeem the units; or
- (iv) when any change in the fundamental attributes detailed in clause XI of the scheme or fees and expenses Payable or any other change which would modify the plan or affect the interest of the members is proposed to be carried out unless the consent of not less than three-fourths of the members is obtained.

### TAX GUIDE

### Tax Concessions:

Taxation of income and capital appreciation under the plan will be subject to prevalent tax laws. As per the present taxation laws income from units to all residents and non-residents (if units are bought through payment from non-resident ordinary account, income of individuals and HUF) by way of income under all schemes of the Trust including 'MIP 97(IV)" will enjoy deduction from income upto an overall limit of Rs. 15,000/- under section 80L of Income Tax Act, 1961 8-339 GI/97

Any long term capital gains arising out of the plan will be subject to treatment indicated junder sections 43 and 113 of the income Tax Act, 1951.

Value of investment in units under the plan is exempted from wealth tax.

Capital Gains Tax Exemption under Section 54EA investment of entire or Part of net consideration arising out of transfer of long term capital assets in MIP-97(IV) will be eligible for capital gains tax exemption under Section 54EA of the Income Tax Act, 1961 subject to availability of repurchase/tránsfer/pledgo only after three years from the date of acceptance of the application

## For Eligible Trusts:

Units are approved securities under section 11(2)(b) of the Income Tax Act 1961, Eligible Trusts investing in units' will, therefore qualify for tax exemption in respect of income and corpus under section 11 and 13 of the Income Tax Act, 1961.

### Deduction of Tax at source

#### Residents:

As per the Present taxation laws the Trust is required under section 194K to deduct income tax at source@ 15% from the income payable to individual members under both the options of the plan if such income exceeds Rs. 10,000/- during the financial year.

Similarly, tax will be deducted at source @ 15% from the income payable to HUFs if such income exceeds Rs. 10,000/- during the financial year.

Similarly, tax will be deducted at source @ 20% from income payable to companies if such income exceeds Rs. 10,000/- during the financial year.

### Non-Residents:

As Per Finance Act, 1995, Section 196A of the Income Tax Act, 1961 has been substituted to provide for deduction of tax, at source at the rate of 20% on income received by NRIs in respect of units of any Schemes of UTI acquired by them through payment from Non-Resident (Ordinary) Account.

As Per circular No 734 F No. 500/4/96-FTD, dated 24th anuary, 1996 issued by the Govt. of India, Ministry of Finance, Deptt. of Revenue in order to avoid double exation for "Non-Resident members residing in UAE he tax will be deducted at source at a concessional ate of 15% where source of fund is NRO account.

No deduction of tax

### Residents:

Member (not being a company or a firm), desiring receipt of income without deduction of tax at source should furnish to the Trust a declaration in writing, in duplicate. in the prescribed form No. 15H and verified in the prescribed manner to the effect that the tax on his/its estimated total income of the assessment year will be Inil, in accordance with the income tax rules. The prescribed form No. 15H for non-deduction of tax at source should be submitted alongwith the application and for sofrequent years atleast three months before the despatch of income distribution warrants, falling which tax will be defacted at source as per the prevalent tax laws.

No deduction of tax will be made for Trusts which are covered under Sections 11 or 12 or 10(22) or 10(22A) or 10(23) or 10(23AA) or 10(23C) of the Income Tax Act, 1961 on the basis of a declaration in the format provided in the application form.

#### Non Residents:

In case of Non-Residents, if units are bought directly through remittance in foreign exchange or through payment from Non-Resident (External) account kept in India or from proceeds of FCNR deposits, income from such units is totally exampt from Income tax.

In the above case UTI shall not deduct income tax at source irrespective of the amount of income.

Disclosures regarding income tax/wealth tax/gift tax/capital gains tax, investments by NRIs/OCBs/FIIs are in conformity with the prevalent Income Tax Aut, FER 4 and RBI's directions and Permissions.

### Rights of Members:

- Members under the plan have a proportionate right in the beneficial ownership of the assets of and to the income declared by the plan.
- The members have a right to ask the Trusteen about any information which may have an adverse bearing on their investments and the Trustees shall be bound to disclose such information to the members.
- The members have the right to inspect all documents make listed under the heading "Documents available for inspection".

#### Custodians :

Stock Holding Corporation of India situated at Mittal Court, B Wing, Nariman Point, Mumbai-400 3021, have been functioning as custodian for all four schemes and plans as per the agreement entered into with them on January 17, 1994.

The custodians are required to take delivery of all securities belonging to schemes/Funds/Plans of the Trust and hold them in custody. The custodians will deliver the securities only as per instructions from the trust and on receipt of the consideration. The custodian shall be generally authorised to attend to all non-discretionary and procedural details for discharge of normal custodial functions on connection with the sale, purchase, transfer and other dealings with the securities, other assets held by them as an agent accept as may otherwise be directed by the Trust.

Custodians shall pravide all information, reports or any extanation sought by the Trust or the auditors of the Trust for the purpose of audit and for physical verification and reconciliation of securities belonging to the Secheme/Funds/Plans of the Trust.

### Auditors:

M/s. S.K. Kapoor & Co., 16/98, LIC Bidg., The Mail, Kanpur-208 001 and M/s. Chaturvedi & Company, Chartered Accounts, 60, Bentik Street. Calcutta - 700 069. The juditors of the Scheme are appointed by the IDBI and hey are subject to change from Year to year.

### investor Complaints :

Complaints received, redressed and Pending for the period 01-07-98 to 30-05-97 are given below ;

echemia N	Scheme Name					No. of	No. of complaints			
Denoting Haring		Received	Redressed	Pending	- to Total Recd.					
1					,		2	3	4	5
CCCF	•	•	•	•.	•	•	1000	930	70	7.00%
OGGF	•	•	•	•		•	9142	8985	157	1.72%
CGS-83		•	•,	•			533	450	83	5.57%
CGUS-91		•	,	•	•		<b>42</b> 73	4245	28	0.66%
CRT\$				-	•		329	327	2	0.61%
D1P-91	`.	. •	•	•	•		2481	2446	35	1.41%
DIUP-93			•				398	398	- 0	0.00%
DIUP-95		•		•			1514	1513	1	0.07%
DIUS-90		•		-	•	•	1853	1825	28	1.51%
DIUS-91							3655	3598	57	1.56%
DIUS-92			,		•	٠	2295	2248	47	2.05%
E.O.F.					•	•	948	947	1	0.11%
GCG1			•		• '		26332	25817	515	1.96%

				4 4	
1		2	3	4	5
GMIS-91		. 17833	71541	292	1 .64%
GMIS-92		. 7500	7370	130	1.73%
GMIS-92(ii)		. 720	710	10	1.39%
GM1S-B-92		. 271	271	0	0.00%
GMIS-B-92(ii)	•	. 1891	1859	32	1.69%
GRANDMASTER-93	• •	. 1108	1103	5	0.45%
Grihalaxmi Unit Plan.		. 1218	1173	45	3.69%
Housing Unit Scheme	• •	. 275		19	
			256		6.91%
IISFUS		. 3	3	0	0.00%
Master Gain-92		. 1 <b>4</b> 8646	143109	5537	3.72%
Master Growth-93	•	. 3465	3438	27	0.78%
Master Plus-91 .		11707	11333	374	3.19%
Master Share-86 .		. 22253	21335	918	4.13%
MEP-91 ,		. 3631	3523	108	2.97%
MEP-92	, .	. 15259	1 <b>474</b> 7	512	3.36%
MEP-93		. 46090	45923.	167	0.36%
MEP-94		. 24696	24244	452	1.83%
MEP-95	•	9399	9303	96	1 .02 %
MEP-96	•	. 4208	4184	24	0.57%
MEP-97	•	. 4208	1	0	
	•	-	2504		0.00%
MIP-93		. 2615	2594	21	0.80%
MIP-94(1)		. 2522	2463	59	2.34%
MIP-94 (ii)		. 2761	2693	68	2.46%
MIP-94 (iii)		. 7199	7085	114	1.58%
MIP-95		. 6074	6021	53	0.87%
MIP-95(ii)		. 6691	6620	71 72	1.06%
MIP-95(iii)	• •	. 5727	5654	73	1.27%
MIP-96	•	. 6164 . 4793	5102 4708	62 85	1.20%
MIP-96(ii)		. 5552	5 <b>444</b>	108	1.77% 1.95%
MIP-96(iv)		7012	6270	7 <b>4</b> 2	10.58%
MIP-97		. 147	143	4	2.72%
MIS-B-93		. 3971	3938	33	
MISG-90(i)		. 297	276	21	0.83 % 7.07 %
MISG-90(ii)		. 1720	1 <b>706</b>	14	0.81%
MISG-91		. 2058	2043	15	0.73%
OMNI-Plan		, 46	40	6	13.04%
Primary Equity Fund	. , .	179	160	19	10.61%
Rajlakshmi U. P.		. 3804	3710 860	94	2.47%
Retirement Benefit Plan	• •	. 997 . 497	86 <b>8</b> 471	129 26	12.94%
Senior Citizen U. P.		. 497	6289	445	5.23% 6.61%
UGS-2000. UGS-5000.		. 5207	4875	332	6.38%
ULIP		. 6710	6086	624	9.30%
US-64		. 140705	137112	3593	2.55%
US-92		. 5443	5424	19	0.35%
			<del></del>		

### Reasons for panding complaints are;

- Non-receipt of application/funds from the collecting banks.
- (2) theomplete details of the investor in the application including address, name and signature of the investor.
- (3) Change of address of investor not informed/not updated.
- (4) Loss in transit.
- (5) Postal delay.
- (6) Non compliance of required documents in case of transfer/i-rath claims/Repurchase.
- (7) Incomplete details while forwarding the complaints.
- (8) Non-receipt/delayed receipt of commission.
- (9) Letters/Documents sent to the wrong office/ Registrars.

All invotors could refer their grievances giving full particulars of investment to concerned Investors' Relation Cell at the following address;

### WESTERN ZONE:

Unit Trust of India Investors' relation Cell Commerce centre 1, 28th Floor, World Trade centre, G.D. Somani Marg, Calfe Parade, Mumbai-400 005, Tel.; 2186172/21816900.

### EASTERN ZONE:

Unit Trust of India Investors' relation cell 2, Fuffic Place, 2nd Floor, Calcutta-700 001. Tel: 2434581

### Southern Zone

Unit Trust of India nvestors' Relation Coll JPI-House, 29, Rajaji Safai, Chennai-600 001. Fol: 517101 Ext. 350/364

### NORTHERN ZONE:

Unit Trust of India Investors' Relation Cell Herald House, 2nd floor. 5A, Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi-110 002. Tel: 332 9860

### Registrars

M/s. MCS Limited have been appointed to work as Registrars:

It has been ascertained that the Registrars have adequate capacity to discharge its responsibilities with regard to processing of applications, transfer forms and repurchase requests, despatch of membership Advice/Unit Certificates and income warrants within the prescribed time frame and also handle investor complaints.

Processing of applications and after sales services will be handled from the following branches of the registrars.

West Zone (excluding Gujarat); Sri Padmavathy Bhavan, Plot No. 93, Road No. 16, MIDCArea, Andheri (E), Mumbai-400 093, Tel. No 820: 1785, 820 5741;

For the state of Guiarat only: 101 Shatdal Complex, 1st Floor, Ashram Road, Navrangpura, Ahmedabad-380, 009, Tel. No. 442 878,

East Zono: Sri vekatësh Mangalam, 24/26, Hemanta Basu Sarani, Calcutta-700 00. Tel. No: 210 2805/6.

South-Zone: Sri Venkatesh Bhavan, 35, Armenian Street, Chennai-600 001. Tel. No: 524 0116. 523 1849.

North Zone: Shree venkatesh Bhavan, 212A. Shahpur Jat. New Delhi-110 049.Tel. No1 621 3830/1.

### Documents available for Inspection

The following documents will be available for inspection at the central Investors relations Cell, Unit Trust of India, SNDT Women's University Basement, Door No. 1, Sir Vithaldas Thockersey Mary, Mumbai-400 020, Yithaldas Thackersey Marg, Mumbai-400 020;

- The UTI Act
- ●The general Regulations
- The agreements with the custodians, registrars and collecting banks.
- Copy of Offer Document of MIP 97 (IV).

### DETAILS OF FIVE PREVIOUS MONTHLY INCOME PLANS OF UTI

Plan		MIP'96(iii)	MIP'96(iv)	M1P'97	M1P'97(ii)	M1P'97(iii )
Date of Commencement		01-10-1996	01-01-1997	01-05-1997	01-07-1997	01-09-1997
Date of Termination		30-09-2001	31-12-2001	30-04-2002	30-06-2002	31-08-2002
Monthly Income		15%p.a. for	15% p.a. for	14% p.a. for	14% p.a. for	13% p.a. for
		the first year	. the first year	all the five	all the five	all the five
				years	years	years
Cumulative Option	٠	·		Rs. 2,000/-	Rs. 2,000/-	Rs. 5,000/-
				becomes	becomes	becomes
				atleast	atleas <sup>t</sup>	atleast
				Rs. 4,012/-	Rs. 4,012/-	Rs. 9.543-
Amount Collected		Rs. 376.08	Rs. 827.38	Rs. 1142.30	Rs. 1495.93	Rs. 582 .98
		Cr.	Cr.	Cr.	Cr.	Cr.*
No. of Applications		1,37,819	3,26,839	3,25,649	4,12,238	1,20,911*

<sup>\*</sup>As on 01-09-1997

	•	Table		
Sl. Plans No.	Annual Inc Paid/ Payable Mo	Appreciation (%		Bonus (%) paid/ Payable
1 2	3	4	5	6
Schemes Mature	d		, <u>, , , , , , , , , , , , , , , , , , </u>	
1. MIS-1	12 % p.a.	_	6	<b>→</b>
2. MIS-2	12 % p.a.	<del>-</del>	7	
3. M1S-3	12 % p.a.		8	<del>-</del>
4. MIS-4	$12^{\circ \gamma}_{\rho}$ p.a.		8	_
5. MIS-5	12 % p.a.	<del></del>	10	
6. MIS-6	12 % p.a.	2	<b>5.5</b>	1.5
7. MIS-7	12 % p.a.	2	6	1.5
8. MIS-8	12 % p.a.	2	7	1.5
9. MIS-9	12% p.a.	2	9	1.75
10. MTS-10	12 % p.a.	2	9	2.00
11. MIS-11	12 % p.a.	2	11	2.25
12. MIS-12	12 % p.a.	2	28	2.25
13. MIS-13	12 % p.a.	2	40	3.00
14. MIS-92	14.5% p.a. first 3 years 15% p.a. fe last 2 years	for the Minimum 2 % maturity in caper the of monthly	ise 1	<b>-</b> ,
15. MISG'90	12 %, p.α.	<u> </u>	8	1% payable at the end of each year
16. GMIS'92 (I	14.5% p.a first 3 years 15% p.a. fo last 2 years	s and maturity in ca or the of monthly	isc	-
Schemes in Opera	ıtion			
17. MISG'90 (I	I) 13% p.a	. —	_	2% declared at the end of 3rd year and Addl. 2% bonus declared at the end of 5 th year
18. MISG 91	13 % p.a	. <del></del>		3% declared at the end of 3 rd year. Addl. bonus dividend of 3% will be paid after 5 th year
19. GMIS'91 (Rolled ove MIP'96 (IV Upto 31-12-	) 15 % p.a. f	or the of Monthly income option	ase On	
		Cumulation option	1,7	<del></del>

<u> </u>	2	3	4	5	6
20.		14.5% p.a. for the first 3 years & 15% p.a. for the	Minimum 2% on maturity in case of monthly incme option		2% bonus dividend declared & is payable on maturity
21.	GM(SB'92,(II)	14% p.a. for the first 2 years & 14.5% p.a. for the last 3 years	Do.	_	2% declared at the end of 3rd year and will be paid on maturity
22.	MISB'93	14% p.a.	Do		Nil bonus declared at the end of 3rd year
23.	MIP'93	13.5%	Do.		Nil Bonus declared at the end of 2nd year Bonus may be declared at the end of 4th year and shall be payable on maturity
24.	MIP'94	13% p.a. for the first 2 years i.e. upto F '96 & @ 13.5% p.a. under the monthly income option & 14% p.a. under cumulative option for the period 1-3-96 to 28-2-98*	 eb	<del></del>	
25.	MIP'94 (U)	13% p.a. payable monthly for first 2 years 14% p.a. payable monthly for next 2 years*	_		
26.	MIP'94 (III)	12 % p.a. for the first year & 13% p.a. payable for the second year 13% p.a. for the period 1-1-1997 to 31-3-1997 to 31-3-1998*		~	<del></del>

1	2	3	4	5	6	
27.	WIB .82	13% p.a. for the first year & 14% p.a. for the second year 14% p.a. for p.a. for 1-7-1997 to $31-3-1998*$		<del></del> .		
28.	M1P '95 (I1)	13.5% p.a. for the first year & $14\%$ p.a. for the second year $14\%$ p.a. for 1-4-1997 to 31-3-1998*		_		
29.	MIP '95 (III)	14% p.a. for the first year. 14% p.a. for the period 1-1-1997 to 31-3-1997 14% p.a. for 1-4-1997 to 31-3-1998*	-		•—	
30.	MIP '96	14.5% p.a. for the first year 14.5% p.a. for 1-5-1997 to 31-3-1998*		·	-	
31.	MIP '96 (II)	15% p.a. for the first year, 15% p.a. for 1-7-1997 to 31-3-1998*	<del>-,</del>		-	
32.	MIP '96 (III)	15% p.a. for the first year, 15% p.a. for 1-10-1997 to 31-3-1998*	·	<del></del>	<b></b> .	
33.	MIP '96 (IV)	15% p.a. for the first year, 15% p.a. for the period 1-1-1998 to 31-3-1998*		Personal III		
34.	MIP '97	14% p.a. for all the five years			~	
35.	MIP '97 (11)	14% p.a. for all the five years		~		
36.	MIP '97 (111)	13% p.a. for all the five years				

<sup>\*</sup>Income rate for the subsequent years will be announced at/before the end of preceding years.

# HISTORICAL DATA—MONTHLY INCOME SCHEMES

•				1993-94									1994-95		
HISTORICAL STATISTICS	MIS POOL	MISG 90 POOL	GMIS Pool	GMIS B 92, POOL	MISB B 93 ' POOL	MIP 94	MIP 94 (II)	MISG 90 POOL	GMIS POOL	GMIS B 92 POOL	MSIL B 93 POOL	MIP 94	MIP 94(II)	MIP 94(III)	MIP 95
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	
(A) Net Assest Value,	<del></del>														
per unit	14.86	11.36	13. <b>00</b>	11.71	10. <del>9</del> 6	10.0 <del>6</del>	10.10	10.91	13.03	11.49	10.78	9.87	9.58	9.47	10.05.
(B) Gross income per unit broken up into;															
(i) Income other than profit on sale of ' investment, per unit	1.99 <del>-</del>	1 -44	1.53	1.63	0.90	0.55	0.05	1.40	1.72	1 . 64	1.34	0.96.	0.67	0.17	0.06.
(ii) Income from profit on inter scheme sales/transfer of investment, per unit	3.26	-	0.35		0.10		<b>-</b> ي		0.03	0.17	0.08	_		0.03	<b>-</b> -,
(iii) Income from profit on sale of investment to third party, per unit	0.17	<b>v.</b> U2	σ. <b>04</b>	0.07	0. <del>0</del> 5	_	_	0.04	0.05	_		0.01	9:01	0.03	-
(iv) Transfer to revenue account, from past year's reserve, per unit	e														·
(C) Aggregate of expenses' write off, amortisation and charges, per unit	0.10	0.03	0.05	0.05	0.07	0.06	·0·04	0.05	0.06	0.07	0.06	0.07	0.07	0.07	0.01
(D) Net income, per unit	5.33	1.44	1.88	1.64	0.97	0.49	0.02	1 .40	1 .74	1.74	1.36	0.90	0-60	0.10	0.05
(E) Unrealised apprectiation/deprectiation in value of investments,  per unit		, <u>}</u> _e.se	1.71	] j 1.80	9.86	<b>a</b> .04	. 46.09	0.28	1.00	0.05	6.27	<b>0.4</b> 2	2 —0.4 <del>0</del>	0.44	0.92

	Harket price Highest Lowest Repurchase price Highest Lowest Sale price Highest Lowest Lowest PE Ratio															
	Per unit ratio of expenses to average net assets by percentage.	0.65	0.23	0.36	0.45	0.65	0.57	0.35	0.46	9- <b>4</b> 9	0.56	0.55	0.56	tt, <sup>7</sup> ,	0.69	0.14
(H)	Per unit ratio of gaots income to average net essest by percentage (excluding transfer to revenue account from past year's reserve but including unrealised appreciation on			49.0	22.02	17.41	s A:	. 42	15.40	21. 62	16.04	15 47	9.72	2.81	3.07	0.42
	investments)	36.49	19. <b>9</b> 5	28.01	23.03	17.41	5.45	L-42	15.49	21.51	16.06	15.47	9.73	2.84	-2.87	0.42
<b>(I)</b>	Per unit NAV	14.86	11.36	13.00	11.71	10.96	10.06	10.10	10.91	13.03	11.49	10.78	9.87	9.58	9.47	10.05

HISTORICAL DATA	-MONTHLY INCOME SCHEMES

UIETOBIOLI .					199	5-96	=					2470 0443
HISTORICAL STATISTICS	MISG 90 POOL	GMIS POOL	GMIS B 92 POOL	MIS B 93 POOL	MIP94	MIP 94(II)	MIP 94(I'I)	MIP 95	MIP 95(II)	MIP 95(I <sup>11</sup> )	MIP 96	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	41	12	13
(A) Net Assets Value, per unit	10.89	13.95	12.57	11.44	10.44	9.76	9.61	10.35	10.89	10.98	10.29	9.9
B) Gross income per uni broken up into:	ŧ											
(i) Income other than profit on sale of investment, per unit	1.40	1.74	1.65	1.45	1.60	1 15	1 20	1.38	1.19	0.83	0.27	0.0
(ii) Income from profit on inter scheme sales/transfer of		1.17	1.05	1.43	1.50	1.15	1.20	1.50	(.1)	0.05		
investment, per unit  iii) Income from profit on sale of investment to third party,		0.05	0.10	0.02	0.11	0.01	0.02	. —		0.01	0.01	
per unit  v) Transfer to revenue account from past y	0.06	0.51	0.12	0.03	0.08	0.06	0.03	0.02	0.11	0.02	-	
reserve, per unit	-		0.04	a	0.01	<del></del>	_	_			-	
Aggregate of expenses write off, amortisation and charge	· i											
Per 111	63. }	1.47	1.17	(.(7	0.08	0.07	0.07	0.07	0.09	0.06	0.04	0.
D) Net income, per unit	1.43	2.22	1.84	1.43	1.70	1.15	1.17	1.33	1.22	0.79	0.24	0.
<ul> <li>Unreclised appreciation depreciation in value of investment, per unit</li> </ul>	on/ of 0.26	0.70									0 43	0
F) Market price	U.26	0.72	0.41	0.40	<b>~-0.39</b>	0.42	-0.49	0.06	0.55	0.82	U 43	0.

(F) Market price Highest Lowest

Repurchase price

Highest

Lowest .

Sal-price Highest

Lowest

PE Ratio

` ( <b>G</b> ),	Per unit, ratio of expenses to acyrage net assets by per- centage	0.34	0.54	0.60	0.60	0.82	ó.73	0.75	0.71	0.81	0 58	0.44 ′	0.28
(H)	Per unit, ratio of gross income to average net assets by percentage (excluding transfer to revenue account from p year's reserve but including transfer to account from p year's reserve but including transfer appreciation	ast ling											-
<u>(I)</u>	investments) Per unit NAV	15.82 10.89	22.39 13.95	19.30 12.57	17,09 11 44	17.55 10.44	12.61 9.76	13-06 9-61	14.33 10.35	16.97 10.89	15.21 10.98	.6.89 10.29	1.16 9. <b>9</b> 6

# HISTORICAL DATA—MONTHLY INCOME SCHEMES

A) Not Asset Value, per unit	HISTORICAL					01-i	07-96 <b>T</b>	O 31-1	<b>2-19</b> 96				ı		
(B) Gro's integrated per unit broken up into:  (3) Income other than grofit on sale of investments per unit.  (4) Income from profit on interests has sale of investment per unit.  (5) Income from profit on sale of investment per unit.  (6) Income from profit on sale of investment to third party, per unit.  (7) O.34	STATISTICS	MISG 90 POOL	GMIS POOL	GMIS B 92 POOL	8 53	MIP 94	MIP 94 (II)	MTP 94 (III.)	MIP 95	MIP 95 (II)	MIP.5 (III)		MIP 96 (II)	MIP 56 (III)	
fato:  (i) Income from profit on sale of investment, per unit	A) Net Asset Value, per unit .	. 10,59	13.35	12.51	11 .18	10,34	9.58	9 .47	10,46	11.01	10 .84	10.37	10.26	9.99	10 .09
sale of investment, per unit  (ii) Income from profit on sale of investment per unit  — 0.30 0.01 — 0.01 0.02 0.03 0.03 0.04 0.02 0.03 0.04 0.02 0.05 0.05 0.05 0.05 0.05 0.05 0.05	•	up													
sch. me sales/ram/fer of investment per unit			1.67	0.84	0.62	0.47	0 .41	0.41	0.72	9,74	0 .72	0 .66	0.51	0 .31	0.1
investment to thi d party, per unit	sch. me sales/transfer of h	11.	0.30	<b>0.</b> π	enema.		ans of				<b>9</b> .02	U .UZ		<b></b> .	
(iv) Transfer to revanue account from past year's reserve per unit 0.04 - 0.05 - 0.10 0.17 0.13	investment to this d party,	рег	0.34	_	0.01	0.02	0.03	0.43	<b>0</b> .02	0 .03	0.04	<b>a</b> .02	0 .0 :		_
Amortisation and charges, per unit 0.02 0.37 0.03 0.03 0.04 0.03 0.03 0.03 0.05 0.05 0.05 0.05 0.04 0.20 0.30 0.30 0.30 0.35 0.05 0.05 0.05 0.0	(iv) Transfer to revenue accourance from past year's reserve g	int per							_	_	· _		~	_	_
E) Unrealised appreciation/depreciation in value of investments, per unit			0.07	υ. <b>0</b> 3	0.03	0.74	0.03	0 .03	0 .03	0.95	0.05	0 .05	0 <b>.0</b> 5	0.04	0.0
E) Unrealised appreciation/depreciation in value of investments, per unit										*					
Highest Lowest  Sale Price: Highest Lowest PE Ratio  G) Per unit, ratio of expenses to average net assets by percentage.  0.21 0.54 0.29 0.3) 0.35 0.35 0.34 0.2) 0.44 0.45 0.51 0.50 0.37 0.1  (H) Per unit ratio of gross income to average net a sets by percentage (excluding transfer to revenue account from past year's reserve but including unrealised appreciation on investments)  6.78 18 24 7.63 5.69 5.84 6.39 6.04 6.81 11.18 10.56 9.54 8.70 11.52 2.6	•		2.24	0.86	0 .59	0.55	0.58	0.54	<b>67,</b> 6	0 .72	0 .73	16, 0	0,44	0.27	0.0
Lowest  Highest Lowest  PE Ratio  G) Per unit, ratio of expenses to average ret assets by percentages  0.21 0.54 0.29 0.3) 0.35 0.35 0.34 0.2) 0.44 0.45 0.51 0.50 0.37 0.1  (H) Per unit ratio of gross income to average net a sets by percentage (excluding transfer to revenue account from past year's reserve but including unrealised appreciation on investments)  6.78 18.24 7.63 5.69 5.84 6.39 6.04 6.81 11.18 10.56 9.54 8.70 11.52 2.6	E) Unrealised appreciation/deprection in value of investments, paunit.  F) Market price: Highest	cia. er													0.0
Sale Price:  Highest Lowest PE Ratio  G) Per unit, ratio of expenses to average rect assets by percentages:  0.21 0.54 0.29 0.31 0.35 0.35 0.34 0.27 0.44 0.45 0.51 0.50 0.37 0.1  (H) Per unit ratio of gross income to average net assets by percentage (excluding transfer to revenue account from past year's reserve but including unrealised appreciation on investments)  6.78 18.24 7.63 5.69 5.84 6.39 6.04 6.81 11.18 10.56 9.54 8.70 11.52 2.6	<ul> <li>E) Unrealised as preciation/deprection in value of investments, pounit.</li> <li>F) Market price:         <ul> <li>Highest</li> <li>Lowest</li> </ul> </li> </ul>	cia. er													o. o
Highest Lowest PE Ratio  G) Per unit, ratio of expenses to average net assets by percentages 0.21 0.54 0.29 0.3) 0.35 0.35 0.34 0.2) 0.44 0.45 0.51 0.50 0.37 0.1  (H) Per unit ratio of gross income to average net a sets by percentage (excluding transfer to revenue account from past year's reserve but including unrealised appreciation on investments) . 6.78 18.24 7.63 5.69 5.84 6.39 6.04 6.81 11.18 10.56 9.54 8.70 11.52 2.6	E) Unrealised a preciation/depretion in value of investments, pounit.  F) Market price: Highest Lowest Repurchase price:	cia. er													o .c
Highest Lowest PE Ratio  G) Per unit, ratio of expenses to average ret assets by percentages 0.21 0.54 0.29 0.3) 0.35 0.35 0.34 0.2) 0.44 0.45 0.51 0.50 0.37 0.1  (H) Per unit ratio of gross income to average net a sets by percentage (excluding transfer to revenue account from past year's reserve but including unrealised appreciation on investments) . 6.78 18.24 7.63 5.69 5.84 6.39 6.04 6.81 11.18 10.56 9.54 8.70 11.52 2.6	E) Unrealised a preciation/depretion in value of investments, pounit.  F) Market price: Highest Lowest Repurchase price: Highest	cia. er													.0
PE Ratio  G) Per unit, ratio of expenses to average ret assets by percentages 0.21 0.54 0.29 0.3) 0.35 0.35 0.34 0.2) 0.44 0.45 0.51 0.50 0.37 0.19  (H) Per unit ratio of gross income to average net assets by percentage (excluding transfer to revenue account from past year's reserve but including unrealised appreciation on investments) . 6.78 18.24 7.63 5.69 5.84 6.39 6.04 6.81 11.18 10.56 9.54 8.70 11.52 2.6	E) Unrealised a preciation/depretion in value of investments, pounit.  F) Market price: Highest Lowest Repurchase price: Highest Lowest	cia. er													.0
G) Per unit, ratio of expenses to average ret assets by percentages 0.21 0.54 0.29 0.3) 0.35 0.35 0.34 0.2) 0.44 0.45 0.51 0.50 0.37 0.1  (H) Per unit ratio of gross income to average net a sets by percentage (excluding transfer to revenue account from past year's reserve but including unrealised appreciation on investments) . 6.78 18.24 7.63 5.69 5.84 6.39 6.04 6.81 11.18 10.56 9.54 8.70 11.52 2.6	E) Unrealised appreciation/deprection in value of investments, pounit.  F) Market price: Highest Lowest Repurchase price: Highest Lowest Sale Price:	cia. er													
raise ret assets by percentage. 0.21 0.54 0.29 0.3) 0.35 0.35 0.34 0.2) 0.44 0.45 0.51 0.50 0.37 0.1  (H) Per unit ratio of gross income to average net a sets by percentage (excluding transfer to revenue account from past year's reserve but including unrealised appreciation on investments) . 6.78 18.24 7.63 5.69 5.84 6.39 6.04 6.81 11.18 10.56 9.54 8.70 11.52 2.6	E) Unrealised as preciation/deprection in value of investments, pounit.  F) Market price: Highest Lowest Repurchase price: Highest Lowest Sale Price: Highest	cia. er													.0 .0
average net all sets by percentage (excluding transfer to revenue account from past year's reserve but including unrealised appreciation on investments) . 6.78 18 .24 7 .63 5 .69 5 .84 6 .39 6 .04 6 .81 11 .18 10 .56 9 .54 8 .70 11 .5% 2 .6	E) Unrealised appreciation/deprection in value of investments, pounit.  F) Market price: Highest Lowest Repurchase price: Highest Lowest Sale Price: Highest Lowest	cia. er													0.4
	E) Unrealised appreciation/deprection in value of investments, pounit.  F) Market price: Highest Lowest Repurchase price: Highest Lowest Sale Price: Highest Lowest Of Per unit, ratio of openess to a	cia - cr - c	(0,0	0.02 -	-0 .05 -	-O , <sup>7</sup> 8 -	<b>-0</b> .70 -	0 .74		0.44	0 .50	0.43	0.44	0.27	-
(I) Per unit NAV	E) Unrealised appreciation/deprection in value of investments, pounit.  F) Market price: Highest Lowest Repurchase price: Highest Lowest Sale Price: Highest Lowest Of Per unit, ratio of openess to a rage ret assets by percentage.  (H) Per unit ratio of gross income average net a sets by percentage (excluding transfer to revenu account from past year's roser but including unrealised appre	cia. er0.01	O ,54	0.02 -	- <b>0</b> .05 -	-0. <sup>1</sup> 8 -	0 .70 - 0 .35	<b>0</b> .74	0.2	0.44	0.50	0 .43 0 .51	0.44	0.27	O.1

# UNIT TRUST OF INDIA CORPORATE OFFICE

13, Sir Vithaldas Thackersey Marg, Mumbai 400020. Tel. 206 8468

### ZONAL OFFICES

Western Zone: Commerce Centre-1, 28th Floor, World Trade Centre, Cuffe Parade, Colaba, Mumbai-400 605. Tel. 218 1600. Eastern Zone: 2. Fairlie Place, 2nd Floor, Calcutta-700 001, Tel. . 2209391 Southern Zone 2 UTI House, 29, Rajaji Salai, Chennai-600 001. Tel. 517 101. Northern Zone : Jeevan Bharati, 13th Floor, Tower II. Connaught Circus, New Delhi-110 001, Tel.: 332 9860.

### BRANCH OFFICES UNDER WESTERN ZONE JURIS-DICTION

Ahmedabad : B. J. House, 2nd, 3rd & 4th Floor, Ashram Marg. Ahmedabad-380 009. Tel.: 6423043. Baroda: 'Meghdhanush', 4th & 5th Floor, Transpek Circle, Race Course Marg: Baroda-390 015. Tel.: 332 481. Bhopal: 1st Floor, Ganga Jamuna Commercial Complex, Plot No. 202, Maharana Pratap Negar, Zone-1, Scheme-13, Habeeb Ganj, Bhopal 462 001. Tel.: 558 308. Indoie: City Centre, 2nd Floor, 570, M.G. Marg, Indore-452 001. Tel.: 22796. Mumbai: (1) Unit No. 2 Block 'B'. Gulmohar Cross Marg No. 9, Andheri (W), Mumbai-400 049. Tel.: 620 1995. (2) Persepolis Bldg., 3rd Floor, Above Andhra Bank, Sector-17, Vashi, Navi Mumbai-400 703. Tel.: 767 2607. (3) Lotus Couet Bldg., 196, Jamashedji Tata Marg, Backbay Reclamation, Mumbai-400 020. Tel.: 285 0821. (4) Shraddha Shopping Arcade, 1st Floor, S.V. Marg, Borivilli (W), Mumbal-400 092. Tel: 802 0521. (5) Sagar Bonanza, 1st Floor Khot Lane, Ghatkopar (W), Mumbai-400 086. Tel.: 516 2256, Kolhapur, Ayodhya Towers, C.S. No. 511, KH-1/2, 'E' Ward, Dabholkar Corner, Station Marg, Kolhapur-416 001. Tel: 657 315. Nagpur: Shree Mohini Complex, 3rd Floor, 345, Sardar Vallabhbhai Patel Marg, Nagpur-440 001. Tel.: 536 893. Nastk: Sarda Sankul, 2nd Floor, M.G. Marg, Nasik-422 001, Tel.: 72166. Panaji: E.D.C. House, Ground Floor, Dr. A. B. Marg, Panaji, Goa-403 001. Tel.: 222 472. Pune: Sadashiv Vilas, 3rd Floor, 1183, Fergusson College Marg, Shivaji Nagar, Pune-411 005. Tel.: 325 954. Rajkot: Lallubhai Centre, 4th Floor, Lakhaji Raj Marg, Rajkot-360 001. Tel.: 35112. Surat : Saifee Bldg., Dutch Marg, Nanpura, Surat-395 001. Tel.: 434 550. Thane: UTI House, Station Marg, Thane (W)-400 601. Tel.: 540 0905.

# BRANCH OFFICES UNDER EASTERN ZONE JURIS-DICTION

Bhubaneshwar: OCHC Bldg., 1st & 2nd Floor, 24, Janpath, Kharvela Nagar, Near Ram Mandir, Bhubaneshwar-751 001. Tel.: 410995., Calcutta: 2, Fairlie Place, Calcutta-700 001. Tel.: 220 9391. Durgapur: 3rd Administrative Bldg., 2nd Floor, Asansol Durgapur Development Authority, City Centre, Durgapur-712 216. Tel.: 546136.

Guwahati : Hindustan Bldg., 1st Flr., M. L. Nehru Marg. Panbazar Guwahati-781 001. Tel.: 543 131. Jamshedpur: 1-A, Aam Mandir Area, Ground & 2nd Floor, Bistupur. Jamshedpur-831 J01. Tel.: 425 568. Patna: Jeevan Deep Bldg., Ground & 5th Floor, Exhibition Marg, Patna-800 001. Tel.: 235 001. Siliguri: Jeevan Deep, Ground Floor, Gurunanak Sarani, Sillguri-734 401. Tel.: 433155.

### BRANCH OFFICE UNDER SOUTHERN ZONE JURIS-DICTION

Bangalore: Raheja Towers, 26-27, 12th Floor, West Wing, M.G. Marg, Bangalore-560 001. Tel.: 5095150. Cochin: Jeevan Prakash, 5th Floor, M.G. Marg, Ernakulam-682 011. Tel.: 362 354. Colmbatore: Cheran Towers. 3rd Floor, 6/25 Arts College Marg, Coimbatore-641 018, Tel.: 214973. Hubli: Kalburgi Mansion, 4th Floor. Lamington Marg, Hubli-580 020. Tel.: 363 963. Hyderahad: 1st Floor, Surabhi Arcade, 5-1-664, 665, 669, Bank Street, Hyderabad-500 001, Tel.: 511 095, Chennai UTI House, 29, Rajaji Salai, Chennai-600 001, Tel.: 517 101. Madurai: Tamil Nadu Sarvodaya Sangh Bldg., 108, Thirupparakundram Marg, Madurai-625 001. Tel.: 38186. Mangalore: Siddhartha Bldg., 1st Floor, Bal Mata Marg, Mangalore-575 001. Tel.: 426 258. Thiruvananthapuram: Swastik Centre, 3rd Floor, M.G. Marg, Thiruvananthapuram-695 001. Tel.: 331 415. Trichy: 104, Salai Marg, Woraiyur, Tiruchirapalli-620 003. Tel.: 27060. Trichur: 28/ 876/77 West Pallithamam Bldg., Karunakaran Nambiar Marg, Round North, Trichur-680 020. Tel.: 331 259. Vilaywada: 27-37-156, Bunder Marg, Next to Hotel Manorama, Vijayawada-520 002. Tel.: 74434. Visakhapatnam: Ratna Arcade, 3rd Floor, 47/15/6, Station Marg, Dwarkanager, Vishakbapatnam-530 016. Tel.: 548 121.

# BRANCH OFFICES UNDER NORTHERN ZONE JURIS DICTION

Agra : Ground Floor, Jeevan Prakash, Sanjay Place, Mahatma Gandhi Marg, Agra-282 002. Tel. Leader Marg Allahabad: United Towers, 3rd Floor, Allahabad-211 003. Tel.: 50521. Amritsar; Shri Dwarkadhish Complex, 2nd Floor, Queen's Marg, Amritsar-143 001. Tel.: 210367. Chandigarh: Jeevan Prakash, LIC. Bldg., Sector 17-B, Chandigarh-160 017. Tel.: 543 683. Dehradun: 2nd Floor, 59/3, Rajpur Marg, Dehradun-248 001. Tel. 2nd Floor, 59/3, Rajpur Marg, Deutadan Ground, NIT, 26720. Faridabad: B-614-617, Nehru Ground, Nev-Faridabad-121 001, Tel: 210010, Ghazlabad: 41, Navyug Market, Near Singhani Gate, Ghazlabad-201 001. Tel.: 752040. Jaipur: Anand Bhavan, 3rd Floor, Sansar Chandra Marg, Jaipur-302 001. Tel.: 365 212. Kanpur: 16/79-E. Civil Lines, Kanpur-208 001. Tel.: 317 278. Lucknow: Regency Plaza Building, 6, Park Marg, Lucknow-226 001. Tel.: 232 501. Ludhiana: Sohan Palace, 455, The Mall Ludhinna-141 001. Tel.: 400 373, New Delhi : Gulab Bhavan, 2nd Floor, 6, Bahadurshah Jafar Marg, New Delhi-110 002, Tel: 331 8638. Shimla: 3, Mall Marg, 1st Floor, Above Jankidas & Co. Dept. Store, Shimla-171 002. Tel. : 4203. Varanasi: 1st Floor, D-58/2A-1, Bhawani Market Rathyatra, Varanasi-221 001. Tel.: 54306.

भारत सरकार मुद्रमालय, फरीबाबाद द्वारा मृद्रित एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली दुवारा प्रकाशित 1997 Printed by the Manager, Govt. of India Press. Paridabad and published by the Controller of Publications. Delhi, 1997